जेम्स बॉण्ड 007

ब्लडी गर्ल

M.A. PARVEZ

मूल्य तीन रुपये

उपन्यास	ब्लाडी गर्ल
लेखक	कमलदीप
प्रकाशक	नूतन पाकेट बुक्स, मेरठ–२
मुद्रक	अनुराग प्रिन्टर्स, मेरठ–२

ब्लाडी गर्ल——(उपन्यास)——००७ जेम्स बाण्ड

'ट्रन…ट्रन…। जेम्स बाण्ड के स्लिपिंग रूम में रखा फोन घनघना उठा। बाण्ड की नींद उचट गई। वह आंखे मलते हुए उठ बैठा और हाथ बढ़ा कर उसने रिसीवर उठा लिया। रिसीवर कान से लगाते हुए उसने लैफ्ट हैन्ड उठाया और रिष्टवाच की तरफ देखा—पौने बारह बज रहे थे।

बाण्ड के ललाट पर कई रेखायें उभर आई वह एकदम सीरियस होकर बोला—'आपको किसकी जरुरत है।'

'क्या…जेम्स बाण्ड…फ्लैट में मोजूद है ?'—दूसरी तरफ से घबराया और उखड़ा सा स्वर बाण्ड को सुनाई पड़ा।

बाण्ड के मस्तिष्क की रेखायें और भी गहरी हो उठी। इतनी रात को फोन आने का मतलब वह अच्छी तरह समझता था। कोई खतरे वाली बात अवश्य है यह उसके सामने स्पष्ट था उसने तसल्ली देने वाले अन्दाज में कहा-—'मैं जेम्स बाण्ड ही हूँ… आपकी घबराहट का क्या कारण हो सकता है ?'

'मिस्टर…बाण्ड…मेरी जान को खतरा है…आप तुरन्त मेरे फ्लैट पर आ जाइये।'

बाण्ड के कान खरगोश की तरह खड़े हो गये, उसने रिसीवर को मजबूती से पकड़ लिया और बोला—'आप स्पष्ट करके बता सकते हैं कि आपको किससे खतरा है और…उसकी बात काट दी गई। एक मशहूर डिक्टेटिव को ऐसे नाजूक समय पर यह प्रश्न नहीं पूछना चाहिए। मैं…मैं बहुत घबराया हुआ हूं, और इतना समय नहीं है कि आपसे कुछ भी बता सकूं…आप जार्ज रोड के थ्री टू नम्बर फ्लैट में आ जाइये…जल्दी।'

'थ्री टू'''जार्ज रोड़ । बाण्ड ने इस एडरस को अच्छी तरह मस्तिष्क में बैठा लिया, फिर आश्वासन देते हुए बोला—'मैं दस मिनट में आपके पास पहुंच रहा हूं।'

और फिर उसने रिसीवर को क्रेडिल पर रख दिया और पलट कर खूंटी पर टंगे ओवर कोट और फैल्ट हैट को उतार कर पहन लिया। फिर लम्बे-२ कदम रखते हुए वह रूम से बाहर निकल गया। गैराज तक पहुँचने में उसने तीन मिनट का समय बर्बाद कर दिया था। अब उसे सात मिनट में जार्ज रोड़ पहुँचना था।

ब्यूक की स्टेयरिंग सम्हालते हुए उसने ओवर कोट की जेब से रिवाल्वर टटोला। रिवाल्वर उसके जेब में पड़ा हुआ था। उसने एक्सीलेटर पर दबाव बढ़ा दिया। ब्यूक फर्राटें भरने लगी थी।

रात का भयानक सन्नाटा बहुत खौफनाक लग रहा था। इस समय बाण्ड की ब्यूक चर्च रोड पर थी। इस रोड़ के साइड़ों में लगे पायनस के ऊंचे ऊंचे वृक्ष गहरे अंधेरे में दानवाकृति से नजर आते थे। कमजोर दिल वाला यहाँ की खामोशी और इन वृक्षों की विकृत आकृतियां देखकर भय खा सकता था। परन्तु बाण्ड का कलेजा पत्थर का था। उसे यहाँ के भयानक वातावरण का जरा भी खौफ नहीं था। वह इन सबसे बेफिक्र गहरी सोच में उलझा हुआ था। जार्ज रोड के थ्री टू नम्बर फ्लैट के अज्ञात फोन ने उसे परेशान कर दिया था। उस अज्ञात व्यक्ति को किस से जान का खतरा है और क्यों है?' यह प्रश्न बाण्ड को उलझा रहे थे। हालांकि यह दोनों ही बातें उसके सोचने से बाहर की थी, परन्तु फिर भी वह इन बातों पर सिरियस होकर दिमाग दौड़ा रहा था।

उस अज्ञात व्यक्ति को ब्लैक मेल किया जा रहा होगा? या उसकी किसी से गहरी दुश्मनी रही होगी'''या'''।'

अचानक बाण्ड चौंक गया···उसकी नजरें अनायास ही बैक मिरर में पड़ गई थी और उसकी तेज नजरों ने अपनी ब्यूक के पीछे चमक रही हैड लाइटस को देख लिया था। यह हैड लाइट्स किसी कार की है, यह समझ पाना मुश्किल नहीं था। परन्तु बांड की समझ में यह नहीं आ रहा था कि पीछे आ रही कार से उसका पीछा किया जा रहा है या नहीं ?

वह इस बात को तुरन्त जानना चाहता था···परन्तु इसके लिये उसे समय चाहिये था और उसके पास इस समय बिल्कुल भी समय नहीं था। उसे तुरन्त जार्ज रोड़ पहुंचना था। वहाँ एक व्यक्ति की जान खतरे में थी, उस व्यक्ति ने उससे सहायता मांगीं थी और एक डिक्टेटिव होने के नाते उसका यह कर्त्तव्य था कि वह उस व्यक्ति की जान की हिफाजत करे। यहाँ अधिक समय बर्बाद करने का मतलब था उस फोन करने वाले व्यक्ति की जान को जोखिम में डाल देना, बाण्ड यह नहीं चाहता था।

परन्तु अपने पीछे आ रही कार का उद्देश्य भी उसे जानना जरुरी था। वह अब दो तरफा उलझन में फंस चुका था। उसका मस्तिष्क क्रियाशील हो उठा।

और नजरें बैक मिरर पर जम गई।

पीछे वाली कार की हैड लाइट्स तीव्रता से ब्यूक की दूरी को खत्म कर रही थी। बान्ड के मस्तिष्क पर उलझने उभर आई।

पहली बार उसके मस्तिष्क में एक विचार उठा—फोन द्वारा उसे फंसाया तो नहीं गया है ? वह तेजी से सोचने लगा।

रात्रि के पौने बारह बजे उसे फोन किया गया। जबकि यह आराम करने का समय होता है। इस वक्त उस फोन करने वाले को किस प्रकार का खतरा महसूस हो सकता है। क्या उसने उसे बेवकूफ बनाया है···या किसी अपराधी गिरोह को उसे फंसाने की यह गहरी चाल है ?'

बाण्ड सोच रहा था, परन्तु उसकी फास्ट ड्राइविंग में किसी प्रकार की कमी नहीं आई थी। वह ब्यूक को एक ही स्पीड पर दौड़ा रहा था।

उसने जल्द से जल्द जार्ज रोड़ पहुंच जाना चाहिये, यदि उसका पीछा किया जा रहा होगा तो वह इन बदमाशों को जार्ज रोड़ पर देख लेगा। बाण्ड का अब भी यही निश्चय था।

उसकी नजरें दो तरफा थी—

वह सामने भी नजरें जमाये हुआ था, यदि वह ऐसा नहीं करता तो उसे दुर्घटना का खतरा था। इसके बावजूद उसकी नजरें पीछा कर रही कार पर भी थी। वह पीछे से एकदम अन्जान नहीं रहना चाहता था।

क्योकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो सकता था कि उसके पीछे आ रही कार किस मकसद से आ रही है। यदि उसमें बैठे लोग अपराधी हैं और उसका पीछा कर रहें है तो उस पर वह जरूर हमला कर सकते थे।

बाण्ड सतर्क था और हर खतरे का सामना करने के लिये तैयार था। उसके जेब में प्वाईटं टू का खतरनाक रिवाल्वर रखा हुआ था। जिसे वह क्षण भर में प्रयोग में ला सकता था- और यह उसकी चुनौती थी कि उसके रिवाल्वर की कभी गोली बेकार साबित नहीं हुई थी। उसका निशाना एक दम सच्चा था।

चर्च रोड़ अब समाप्त हो चला था···आगे जार्ज रोड़ था। बाण्ड को विश्वास था वह दो तीन मिनट में जार्ज रोड़ के थ्री टू नम्बर फ्लैट को ढूंढ़ निकालेगा। अभी तक उसके साथ कोई दुर्घटना पेश नहीं आई थी। फिर भी सतर्क और सावधान था और हर खतरे का सामना करने के लिये तैयार था।

अचानक उसके माथे पर की लकीरें गहरी हो उठी।

पीछे वाली कार की स्पीड आश्चर्य जनक रूप से बढ़ गई थी। यह एक साधरण कार की स्पीड नहीं थी। अवश्य ही इसमें

किसी खास प्रकार का इन्जिन फिक्स होगा। बाण्ड के मस्तिष्क में तुरन्त ही यह बात आई थी और इस आश्चर्य जनक स्पीड ने उसे चिन्ता में डाल दिया था।

'अब यह निश्चित था कि पीछे वाली कार के लोगों का इशारा खतरनाक है और यह भी स्पष्ट था कि यह कार अपराधियों की हैं।

बाण्ड ने रिवाल्वर को तुरन्त ही निकाल लिया और पोजीशन सम्भाल ली। वह कार अब शीघ्र ही उसकी ब्यूक को पार करने वाली थी।

और उस समय उस पर हमला किया जा सकता था। बाण्ड का मस्तिष्क क्रियाशील और चैतन्य था। वह बचाव के हर पहलू पर सोच रहा था।

उसकी नजरें बैंक मिरर में नजर आ रही कार पर थी, कार अब उसकी ब्यूक से कुल दो तीन फुट के फांसले पर रह गई थी।

बाण्ड ने अपनी ब्यूक को एक किनारें कर लिया और तभी वह कार सरार्टे से उसकी ब्यूक को पार करके ठहर गई।

बाण्ड को तुरन्त ब्रेक लगाने पड़े...उसकी कार के टायर चराचरा उठे। यदि बाण्ड ब्रेक लगाने में सावधानी और जल्द बाजी से काम नहीं लेता तो उसकी ब्यूक आक्समिक रूप से सामने तिरछी रुक जाने वाली कार से बुरी तरह टकराकर दुर्घटना ग्रस्त हो जाती। उस रूप में उसका सुरक्षित रह जाना असम्भव था। फिर भी जिस झटके से उसे ब्यूक को ब्रेक लगाने पड़े थे...उससे उसका सर स्टेयरिंग व्हील से टकरा गया था और झनझना उठा था। कुछ क्षण के लिये उसकी आंखों के सामने अन्धेरा छा गया था। परन्तु वह तुरन्त ही अपने मस्तिष्क को झटक कर सामने देखने लगा।

यह एक लम्बी शेवरलेट थी—इसका कलर एकदम ब्लेक था

इसमें से पांच हट्टे कट्टे गद्दावर गुन्डे नीचे कूद पड़े थे। इनके हाथों में टामीगनें थी। पलक झपकते ही उन्होंने ब्यूक को घेर लिया।

बाण्ड रिवाल्वर को प्रयोग में नहीं ला सका। क्योंकि उसके चारों तरफ पांच टामीगनें तन चुकी थी। थोड़ा सी मिस्टेक का अर्थ था...अपनी जान से हाथ धो बैठना। हां यह स्पष्ट था कि वह फंस चुका है।

वह स्वर को कठोर बना कर बोला—'कौन हो तुम सब ?'

—'तुम कोई भी प्रश्न नहीं करोगे मिस्टर बाण्ड।' उनमें से एक व्यक्ति गुर्राकर सख्ती से बोला।

—'बाण्ड की जुबान कभी बन्द नहीं रही।' बाण्ड भी कठोरता से बोला—और अपनी जगह से उठना चाहा। परन्तु एक व्यक्ति ने टामीगन की नली को उसकी पीठ में गड़ाते हुये सख्ती से कहा...'हिलने की कोशिश तुम्हारी जान ले सकती है। चुपचाप बैठो।'

बान्ड को मजबूर होकर बैठना पड़ा। परन्तु वह चुप नहीं रह सकता था। वह गुर्राकर बोला—'तुम कौन हो, और क्या चाहते हो मुझसे ?'

—'शक्ल से हम क्या नजर आते हैं तुम्हें ?' एक व्यक्ति उपहास करते हुए बोला।

बान्ड होंठ काटकर उस व्यक्ति को घूरने लगा।

तभी शेवरलेट में से उन्हें कोई गुप्त इशारा दिया गया।

उन पांचों में से एक व्यक्ति ने कठोरता से बाण्ड की पीठ में टामीगन की नली को गड़ाते हुए कहा।

—'नीचे उतर आओ मिस्टर बांड। परन्तु याद रखो गड़बड़ का सीधा सा मतलब हैं...मौत !'

बाण्ड का मस्तिष्क उलझकर रह गया था। यह पांच सशस्त्र व्यक्ति थे और उसे इस ढंग से घेरे हुए थे कि वह चाहकर भी

अपने बचाव की कोशिश नहीं कर सकता था। उसने नीचे उतर आना ही बेहतर समझा।

वह उठने लगा।

—'ठहरो !' वही व्यक्ति गुर्राकर बोला।

बाण्ड ने उसकी तरफ प्रश्न सूचक नजरों से देखा।

—'यह अपने हाथ का रिवाल्वर इधर दो।'

बान्ड ने गहरी श्वांस ली और रिवाल्वर को उस व्यक्ति की तरफ बढ़ा दिया। उस व्यक्ति ने हाथ बढ़ाया। उसकी टामीगन की नली जरा सी नीचे हो गई। बान्ड ने रिवाल्वर का भरपूर वार उसकी ठोड़ी पर जमा दिया। वह व्यक्ति दर्द से तड़फ कर चित्कार उठा।

यह अप्रत्याशित रूप में हुआ था—वह चारों कुछ समझ पाते, तब तक बांड ने कार के दरवाजे को झटके से खोल दिया। दरवाजे के पास खड़ा एक व्यक्ति से दरवाजा जोर से टकराया, वह चीख कर गिरा।

बांड बाहर कूद आया और रिवाल्वर को उसने गिरे हुये व्यक्ति की कनपटी से सटा दिया फिर कठोर स्वर में बोला—'यदि तुममें से किसी ने भी गड़बड़ की तो मैं इस व्यक्ति की खोपड़ी फोड़ डालुंगा। यदि अपने साथी का जीवन चाहते हो तो अपनी अपनी टामीगने फेंक दो···जल्दी करो।'

—'मिस्टर बांड।' एक व्यक्ति बोल पड़ा—'हमें किसी के जीवन की परवाह नहीं है। हमारे दल का प्रत्येक व्यक्ति स्वयं अपनी जान का रक्षक है। तुम एक को समाप्त कर दोगे, परन्तु यह याद रखो···तुम फिर जीवित नहीं बच सकोगे।'

बांड को निराशा हुई—उसका यह वार भी खाली गया था। उसने उन चारों को बारी २ देखा—उन चारों के चेहरे कठोर बने हुये थे।

परन्तु नीचे पड़ा हुआ व्यक्ति भय से पीला पड़ गया था।

उसे अपनी जान का भय पैदा हो गया था। बांड ने अभी तक उसकी कनपटी पर से रिवाल्वर नहीं हटाया था।

—तुम इसे छोड़ कर अलग हो जाओ बांड। वरना हम तुम्हें छलनी बना देंगे। एक व्यक्ति गुर्राया।

बांड को उस नीचे पड़े व्यक्ति की कनपटी से रिवाल्वर हटाना पडा। वह रिवाल्वर को लेकर उस व्यक्ति से दो कदम पीछे हट आया।

—'लाओ रिवाल्वर मुझे दो।' एक ने हाथ बढ़ाया।

बांड अब कोई भी कदम नहीं उठाना चाहता था—क्योंकि ऐसा करना वह बेकार समझता था। उसने चुपचाप रिवाल्वर उस व्यक्ति को दे दिया।

—'अब चुपचाप हमारी कार की तरफ चलो।—गड़बड़ी मत करना, वरना परिणाम के तुम स्वयं जिम्मेदार होगे।'

बांड चुपचाप आगे बढ़ा। अब वह निहत्था था।

वह शेवरलेट के पास आ गया। इसमें एक ड्राईविंग सीट पर ऐसा ही हट्टा कट्टा व्यक्ति मौजूद था। उसने पीछे का दरवाजा खोल दिया।

बांड के हाथ पहले कसकर एक पतली रेशम की डोरी से बांध दिये गये। फिर उसे अन्दर ढकेल दिया गया। बांड की आंखों में सुर्खी उतर आई—वह गुर्रा पड़ा—'मेरे साथ ठीक व्यवहार करो···।'

—ओह ! तुम अपने आपको प्रिंस समझते हो क्या ?'—एक ने व्यंग कसा।

—शटअप। बांड दहाड़ा···। जिसके उत्तर में वे पांचों हंस पड़े। फिर वह शेवरलेट की आगे पीछे की बर्थ पर चढ़ गये।

शेवरलेट एक झटका खाकर आगे बढ़ गई। बांड किसी पिंजरे में बन्द पक्षी की तरह बेबस और लाचार नजर आ रहा

था। उसके मस्तिष्क पर चिन्ता की लकीरें उभरी हुई थीं और इस अप्रत्याशित रूप से घटने वाली घटना पर विचार कर रहा था।

अब उसे पक्का विश्वास जम गया था कि फोन द्वारा उसे गलत सूचना दी गई और यह अपराधियों की ही चाल थी।

उसे अभी तक यह नहीं मालूम हुआ था कि यह अपराधी उससे क्या चाहते हैं। उसने आवाज को कुछ सरल बनाकर पूछा, —तुम लोग कौन हो और मुझे कहां लेकर जा रहे हो?'

—'तुम्हें एक बार बताया जा चुका है कि तुम्हारी किसी बात का हम उत्तर नहीं देंगे। तुम्हें खामोश रहना है।' एक व्यक्ति ने कठोरता से कहा।

—मैं समझता हूँ, तुम मेरा अपहरण कर रहे हो। बांड ने उस व्यक्ति की आंखों में झांकते हुये कहा।

—तुम सोच रहे हो, वह ठीक है। वह व्यक्ति मुस्करा कर बोला।

'क्या तुम लोग जानते हो, बांड का अपहरण कर लेना आसान बात नहीं है?'

बांड की इस बात पर वह पांचों ठहाका लगाकर हंस पड़े। बांड उन्हें घूरने लगा था।

'मिस्टर बांड—एक व्यक्ति बांड को लक्ष्य करके बोला—क्या तुम्हें अभी भी यह विश्वास नहीं हुआ है कि हम तुम्हें अपहरण करके ले जा रहे हैं। तुम अपनी बेबस हालात को देखो'।

बांड बिफरे सिंह की तरह हुंकार उठा। परन्तु बंधा होने की वजह से वह कुछ भी नहीं कर सकता था।

उसकी बेबसी पर वह सब हंस पड़े।

शेवरलेट फर्राटे भर रही थी, उसकी गति अब सामान्य कार की तरह ही थी। बांड को उसमें कोई अजुकापन नजर नहीं आ रहा था।'

बांड कुछ देर तक सोचता रहा। फिर उसने एक प्रश्न पूछा- मुझे एक बात का उत्तर जरूर चाहिये।'

'क्या जानना चाहते हो तुम ?' इस बार एक सुरीला स्वर कार से उभरा था।

वह पाचों इस स्वर पर नतमस्तक हो गये। परन्तु बांड आश्चर्य में डूबा चारों तरफ देखने लगा था।

तुमने जवाब नहीं दिया बांड ? वही सुरीला स्वर उभरा।

'क्या तुम कार में मौजूद हो ? बांड ने प्रश्न किया।'

'नहीं, मैं ट्रांसमीटर द्वारा तुमसे बात कर रही हूँ।' तुम क्या पूछना चाहते थे ?

बांड जो पूछना चाहता था, उसने अपना वह विचार स्थगित कर दिया। वह इस स्वर वाली युवती को कोमल दिल महसूस कर रहा था। और उसे आशा बन्ध गई थी कि वह उसकी बातों का अवश्य ही उत्तर दे देगी।

उसने अपने स्वर को गम्भीर बनाकर पूछा—'मुझे किस लिये अपहरण किया जा रहा है।'

—बांड इसका उत्तर मैं नहीं दूंगी। तुम कुछ और पूछ सकते हो ?'

—और क्या पूछुं, तुमने पहले प्रश्न पर ही निराश कर दिया है।' — बांड़ गम्भीरता से बोला।

वह सुरीला स्वर मधुर हंसी में परिवर्तित हो गया।

इस गम्भीर क्षणों में भी बांड का हृदय गुदगुदा उठा। उसने मुस्करा कर पूछा—'तुम्हारी हंसी बहुत मीठी है और मैं सोच रहा हूँ कि तुम भी बहुत मीठी होंगी, परन्तु तुम्हारी जैसी हसीन युवती को ऐसे गन्दे अपराधों में शामिल होने की क्या जरूरत थी यह तो शोभा जनक नहीं हैं।'

—मिस्टर बाण्ड—वह स्वर एकदम कठोर हो गया—'तुम्हारी बातें मेरे असूलों को तोड़ नहीं सकेगी। तुम्हे इस प्रकार की

बातें करने का मैं अधिकार नहीं दूंगी, समझे ।

—हूं ! तो मेरा अनुमान गलत निकला !—बाण्ड गम्भीर होकर बोला ।

—बेशक । मैं जितनी मीठी, कोमल हृदय और सुन्दर हूं, उतनी ही मैं कठोर और खूंखार भी हूं—मैं अपने दुश्मनों को कभी माफ नहीं करती !

—तो— मैं तुम्हारा दुश्मन हूं ?' बाण्ड ने पूछा ।

—तुम···कुछ देर के लिये जैसे उस युवती को कुछ जवाब देते नहीं बना । बाण्ड का प्रश्न ही कुछ इस प्रकार का था । फिर वह गम्भीरता से बोली—'यदि तुम्हारे द्वारा मेरा काम हो जाता है, तो तुम मेरे दोस्त बन जाओगे—वरना···।'

—'वह कैसा काम होगा ?'

—तुम घूमा फिरा कर पूछना चाहते हो बाण्ड, परन्तु ग्लेसी इतनी मूर्ख नहीं है, मैं तुम्हें इस विषय में कुछ भी नहीं बताऊंगी ।'

—तो फिर यह बताओ···अटो टू नम्बर फ्लैट से किया गया फोन तुम्हारी ही चाल थी ?' बाण्ड ने सख्ती से पूछा ।

वह तुम्हें फंसाने का चक्कर था बाण्ड—मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि तुम आसानी से फस गये हो ।'

—लेकिन बाण्ड को फंसा कर तुम अपने लिये खतरा उठा रही हो ग्लेसी ।

—ग्लेसी किसी से नहीं डरती ! दृढ़ता से कहा गया—फिर ग्लेसी का स्वर एक आज्ञा में परिवर्तित हो गया—'जेडो तुम्हारी मंजिल नजदीक आ चुकी है ।' और फिर यह स्वर समाप्त हो गया !

परन्तु बाण्ड ग्लेसी की इस बात का अर्थ बाखूबी समझ गया था—'अब उसे बेहोश कर दिया जायेगा, ताकि वह इनके गुप्त अड्डे को जान न सके ।' बाण्ड ने उन पांचों व्यक्तियों की तरफ देखा—वह जानना चाहता था कि इनमें जेडो किसका नाम है !

एक व्यक्ति ने टामीगन उठाई—यह वही व्यक्ति था, जिसकी ठोड़ी पर बाण्ड ने रिवाल्वर का दस्ता दे मारा था। इसकी ठोड़ी में से खून निकल कर जम गया था। वह अपनी लाल-लाल आंखों से बाण्ड को घूर रहा था— वह अपनी मार का बदला लेने पर जैसे आमादा था। बाण्ड ने आंखें मून्द ली ! वह जानता था—जेडो की टामीगन उसके कनपटी पर प्रहार करने के लिये ही उठी है।' यह लोग उसे बेहोश कर देना चाहते है !

बाण्ड ने आंखें नहीं खोली ! जेडो समझ कर मुस्करा पड़ा—उसके चेहरे पर जहरीली मुस्कान थी उसकी टामीगन कुछ पीछे हटी और फिर उसने कठोरता से बाण्ड की कनपटी पर प्रहार कर दिया। बाण्ड ने सख्ती से होंठ भींच लिये। परन्तु दर्द से उसका बदन तड़फ उठा। जेडो ने सचमुच अपनी मार का बदला लिया था जेडो ने बाण्ड की कनपटी पर बेरहमी से चोट की थी। शुक्र था कि बाण्ड की कनपटी फटी नहीं थी।

बाण्ड का मस्तिष्क झनझना उठा था। और उसकी आंखों के सामने गहरा अन्धकार उभर आया था। वह अब झूमने लगा था। और उसकी आंखों के सामने रंगीन कलर के सितारे चमकने लगे थे। उसका मस्तिष्क अन्धेरे मे डूबता जा रहा था।

उसने भरसक कोशिश की कि अपने को बेहोश होने से रोक ले। परन्तु चोट अधिक जबरदस्त थी। वह झूमता हुआ नीचे गिर पड़ा और अचेत हो गया।'

जेडो की मुस्कराहट तीव्र हो उठी। वह उचक कर ड्राईविंग सीट की बगल में आ गया। और फिर उसके निर्देश पर ड्राईवर कार को ड्राईव करने लगा था !

'बाण्ड को लापता हुये आज दूसरा दिन था। उसकी पर्सनल सेक्रेट्री मिस गुडनाईट परेशान थी— ।

वह बाण्ड से मिलने के लिये चार चक्कर काट चुकी थी, परन्तु बाण्ड फ्लैट पर उसे नहीं मिल रहा था। उसने एक बार बाण्ड के सर्वेन्ट पिन्टू से भी इस विषय में पूछताछ की थी, परन्तु उसने कोई भी सन्तोषजनक उत्तर नहीं दिया था।'

'और आज दूसरे दिन बाण्ड के फ्लैट पर मिस गुडनाईट का पांचवा चक्कर था। वह झल्लाई हुई कार से उतरी थी।

'और सीधी बाण्ड के ड्राईंग रूम में आ गई थी। परन्तु वहां बाण्ड नहीं था—एक-एक करके उसने बाण्ड का पूरा फ्लैट छान मारा। बाण्ड नहीं मिला।

वह बड़बड़ा उठी—बाण्ड की लापरवाहियां उसे चीफ की नजरों में गिरा कर ही रहेंगी। बगैर सूचना दिये बाण्ड का दो तीन दिन तक लापता रहना अब मामूली बात हो गई है, बाण्ड अब लापरवाह हो गया है।—गुडनाईट बड़बडाते हुये किचन में आई।

पिंटू लंच तैयार करने में लगा हुआ था।

साहब की सेक्रेट्री को देखकर वह हाथ पोंछता हुआ उसकी तरफ बढ़ा और बगैर कुछ पूछे बोला—'साहब अभी तक नहीं लौटे हैं।'

—'आखिर वह कहां पर हैं ?' झल्लाए स्वर में गुडनाइट ने पूछा।

—'मुझे नहीं मालूम।'

—तुम सब जानते हो···परन्तु तुम्हें भी बाण्ड ने सिर चढ़ा रखा है, तुम उसके पिट्ठू हो !'

—'पिट्टू नहीं, पिट्रू कहिये।' पिट्रू तुरन्त बोला—।

—'शटअप ! गुडनाईट डपट कर बोली—ठीक-ठाक बताओ —'कहां पर गया है बाण्ड ! मुझे उसकी तुरन्त आवश्यकता है।'

—'मैं नहीं जानता मैडम···मुझे बताये बगैर साहब कहीं चले गये हैं।'

—तो यह लंच किसके लिये तैयार कर रहे हो ?'

—साहब के लिये, कहा नहीं जा सकता, वह कब लौट आयें।' पिट्रू ने उत्तर दिया।'

—'तुम मुझे बना रहे हो।' गुडनाईट गुर्रा कर बोली—बगैर बांड की इत्तला के तुम लंच तैयार नहीं कर सकते। समझे।'

—मैडम, मुझे साहब ने अपनी सेवा में रखा हुआ है। उनके लिये मुझे तीन समय खाना तैयार करना पड़ता है—'चाहे साहब हो या न हो।'

—हूं, तो तू नहीं बतायेगा ?'

—'मैं इशू की सौगन्ध खाकर कर कहता हूं मैडम, मुझे साहब ने कुछ नहीं बताया। वह परसों की नाईट से लापता हैं।'

—परसों।' गुडनाईट के चेहरे पर रेखायें उभर आई। उसने पिट्रू की तरफ देखा। वह झूठ नहीं बोल रहा था—यह उसके चेहरे से स्पष्ट था।'

गुडनाईट परेशानी से मुड़ी और फिर कुछ सोच कर वह फोन के करीब आई—उसने रिसीवर उठाया।

और एक विशेष नम्बरों को डायल पर घुमाया—यह चीफ एम का नम्बर था—तुरन्त ही उनसे गुडनाईट का सम्बन्ध मिल गया :

—कौन है···? मैं 'गुडनाईट बोल रही हूं चीफ··· गुडनाईट घबरा गई थी।

—क्या बात है गुडनाईट। सलामत तो हो ना !' एम० ने प्रश्न किया।

—चीफ…' गुडनाईट अपनी बात नहीं कह सकी।

—गुडनाईट। आखिर बात क्या है ?' एम० गम्भीर लहजे में बोला।

—चीफ मि० बाण्ड दो दिन से फ्लैट पर नहीं है। मैं उनके लिये परेशान हूं, क्या आपके पास उनकी कोई सूचना है ?'

—नहीं, मेरे पास जेम्स बाण्ड की कोई सूचना नहीं है और न ही मैंने उसे इस बार कोई मिशन सौंपा है।'

एम० चिन्तित स्वर में बोला—'तुमने बाण्ड के सर्वेन्ट से मालूम किया ?'

—चीफ। मेरा बाण्ड के फ्लैट पर पांचवा चक्कर है—बाण्ड का सर्वेन्ट पिन्टू का कहना है, उसने परसों रात से बाण्ड को नहीं देखा है। वह मिस्टर बाण्ड के विषय में कोई जानकारी नहीं रखता।'

—क्या कह रही हो गुडनाईट, बाण्ड अपनी जाने की हर इत्तला अपने सर्वेन्ट को देकर जाता है—' एम० परेशानी से छिला।

—मैं जानती हूं चीफ, परन्तु पिन्टू ईसू की कसम खाकर कह रहा है, उसने बाण्ड को परसो रात को स्लिपिंग रूम में आराम करते हुये छोड़ा था। फिर वह स्वयं आराम करने अपने रूम में चला गया था। उसके बाद उसने किसी प्रकार का डिस्टर्ब महसूस नहीं किया उसका कहना है। सुबह जब वह मि० बाण्ड के लिये बैड टी लेकर गया—तो बाण्ड अपने स्लिपिंग रूम में नहीं था।'

—हूं। कहीं बाण्ड किसी चक्कर में तो नहीं फंस गया ?'

—मैं स्वयं चिन्तित हूं चीफ !' गुडनाईट गम्भीर स्वर में बोली—'आप की क्या राय है ?'

—'मिस गुडनाईट, मैं सोचता हूं बाण्ड किसी मुसीबत में फंस गया है।' एम० ने कहा—'तुम बाण्ड के फ्लैट पर भी ठहरो, मैं आ रहा हूं।'

—ओ. के. चीफ।' गुडनाईट ने कहा और चीफ एम० की तरफ से सम्बन्ध विच्छेद होने का इन्तजार करने लगी।

शीघ्र ही एम० ने रिसीवर रख दिया—गुडनाईट ने भी रिसीवर रखा और वह बाण्ड के ड्राईंग रूम में आ गई।

वह काफी उदास थी। बाण्ड का दो दिन से लापता रहना उसे चिन्ता मे डाल रहा था। वह समझ रही थी—अवश्य ही बाण्ड कहीं फंस गया है। वह कहां फंस गया है और किस हालत में है? वह सही सलामत है या नहीं? यह बातें गुडनाईट को परेशान कर रही थी।

स्वयं चीफ एम० बाण्ड के लिये परेशान हो उठे हैं—और वह यहां आ रहे हैं। इस बात ने उसे और भी चिन्ता में डाल दिया था। वह समझती थी अवश्य ही बाण्ड को चीफ ने किसी मिशन पर लगा दिया होगा। परन्तु चीफ का उत्तर भी कोरा था। इससे स्पष्ट था कि बाण्ड किन्हीं दुश्मनों के हाथों में आ गया है।

चीफ एम० को आने में समय था। उसे सोफे पर बैठे रहना असहनिय हो गया। वह उठी और रूम में इधर-उधर चहल कदमी करने लगी।

समय निकलता गया!

फिर उसे दरवाजे पर चीफ एम. का स्वर सुनाई पड़ा। वह बाहर बाण्ड के सर्वेन्ट पिन्टू से बाण्ड के विषय मे पूछ रहे थे।

मिस गुडनाईट तेजी से बाहर आ गई।

एम. काले ओवर कोट और फैल्ट हेट में था। उसकी आंखो पर काला चश्मा था। इस समय वह रहस्यमयी नजर आ रहा था।

—'गुड नुन चीफ।' गुडनाईट ने अभिवादन करते हुए कहा।

'बेवकूफ लड़की। एम. झुंझला पड़ा—'यहां उस गधे ने मुसीबत खड़ी कर दी है और तुम हो कि समय को गुड बता

रही हो।'

गुडनाईट झेंप गई—हालांकि उसने कुछ भी गलत नहीं कहा था, परन्तु चीफ का दिमाग इस समय उखड़ा हुआ था। इसलिये उसका खफा होना लाजमी था !

—आओ मेरे साथ—! एम. ने गम्भीर स्वर में कहा।

गुडनाईट सावधानी से चीफ के साथ-साथ बाण्ड के कमरे की तरफ बढ़ गई। चीफ एम. ड्राईंग रूम में आकर रुका।

और तेजी पलटा।

गुडनाईट को लगा चीफ का दिमाग खराब हो गया है। यदि वह दो कदम पीछे न होती तो निःसन्देह ही चीफ उसकी बाँहों में टकरा जाता, और तब वह दोनों ही गिर पड़ते। परन्तु ऐसा नहीं हुआ था !

एम. अब उसके चेहरे के मनोभावों का जायजा लेने लगा था।

—'गुडनाईट ! वह हल्की आवाज में बोला—क्या तुमने मेरी बातों का बुरा मान लिया है ?'

—नो चीफ ! गुडनाईट धीरे से बोली—सचमुच मैं गलती कर गई थी।

—नो ! गलती तो मुझसे हुई थी तुम्हारे अभिवादन के प्रत्युत्तर के बदले मैं तुम पर नाराज हो गया—अब सोचो यदि तुम मुझे अभिवादन नहीं करती, वह भी गलत होता। मेरा तो दिमाग खराब हो गया है गुडनाईट। इस बाण्ड के बच्चे ने सभी को परेशान कर दिया है।'

—तो आप इन्हें अपनी सर्विस से निकाल क्यों नहीं देते ?' चीफ एम. का दिल टटोलने के लिये गुडनाईट ने कहा !

—यह तुम कह रही हो गुडनाईट ? एम. चौंक कर बोला !

—यस चीफ ! चूंकि मैं बाण्ड की पर्सनल सैक्रेट्री हूं, यदि वह कुछ करते हैं और उससे आपके मन को या किसी के भी मन को ठेस पहुंचती है तो मुझे बहुत दुख पहुंचता है। अब मिस्टर

बाण्ड अपने कर्त्तव्य से लापरवाह रहने लगे हैं, वह कई बार आपके दिल को गहरा आघात पहुँचा चुके हैं। उस हालत में क्या मेरा यह सोचना गलत है कि उन्हें सर्विस से हटा दिया जाये।'

एम. गम्भीर था—वह गुडनाईट के चेहरे को ध्यान से देख रहा था। जैसे उसके चेहरे पर कोई कुछ लिखा हुआ हो और वह उसे पढ़ने की कोशिश कर रहा हो।

काफी देर की मौनता के बाद एम. बोला—

—'गुडनाईट तुम्हारा कहना काफी हद तक ठीक है, परन्तु बाण्ड कुछ भी करें, उसे सर्विस से हटाया नहीं जा सकता ! बाण्ड एक ऐसा शख्स है, जिस पर ब्रिटेन को गर्व है। ब्रिटेन को बाण्ड से बहुत आशायें हैं। वह हर कठिन समय में देश के काम आया है और आता रहेगा। अब तुम जानती हो—जिस आदमी को देश की तरफ से इतना सम्मान और इज्जत मिलती हो उस आदमी का दिमाग कहाँ रहेगा—तुम बाण्ड के सम्पर्क में रही हो, और अच्छी तरह समझती हो, बाण्ड घमण्डी बन गया है। ऐसा होना स्वभाविक है। 'इसी कारण वह लापरवाह हो गया है और कभी-कभी मुझे परेशान करता रहता है !'

—अब तुम देख रही हो ना परसों से वह लापता है और मुझे कोई सूचना नहीं दी।'

—सम्भव है चीफ वह किसी मुसीबत में फंस गया हो। गुडनाईट ने चीफ के चेहरे पर नजरें जमा कर गम्भीर स्वर में कहा।

—'हूँ ! एम. चिन्तित स्वर में बोला—'मुझे भी ऐसा ही लगता है, बाण्ड कहीं फंस गया है !

—मुझे बहुत चिन्ता लग रही है चीफ···पहले कभी वह इस प्रकार बगैर बताये कहीं नहीं गये। उनका परसों से लापता रहना इसी बात की ओर संकेत करता है कि उन्हें किसी ने फांस लिया है।

—लेकिन बाण्ड आसानी से चक्कर में आने वाला नहीं है।

गुडनाईट थोड़ा झिझकी फिर बोली—चीफ आप तो जानते ही हैं बाण्ड लड़कियों के मामले में बहुत एक्सपर्ट है। किसी खूबसूरत गर्ल द्वारा वह आसानी से बेवकूफ बनाया जा सकता है। यह कमजोरी उनको मुसीबत में डाल सकती है।'

—हां ! वह हरामी अपनी गन्दी आदतों से बाज नहीं आता गुडनाईट—मेरी समझ में यह नहीं आता—तुम्हारी खूबसूरती भी तो कम नहीं है, तुम्हें छोड़ कर उसका किसी और की तरफ आकर्षित होना नादानी है, या फिर इसमें तुम्हारी कमजोरी है। तुम्हारे रहते बाण्ड को दूसरी ओर आंखें लड़ाने की जरूरत नहीं पड़ सकती।

गुडनाईट का चेहरा तमतमा उठा—कोई और होता तो वह गर्मी दिखाती, किन्तु उसके सामने सीक्रेट सर्विस का चीफ था। वह अपने क्रोध को जब्त कर गई और धीमे से बोली—

'चीफ इसमें मेरा दोष नहीं है, हर मनुष्य की यह प्रवृति होती है कि वह सुन्दरता की तरफ आकर्षित हो जाता है।'

—हूँ। ठीक कहती हो तुम—मनुष्य की इच्छा कभी नहीं भरती। अच्छा आओ—मैं अब समय बर्बाद नहीं करना चाहता। हमें बाण्ड की तलाश करनी है।

और एम. ड्राईंग रुम की तरफ बढ़ गया।

गुडनाईट उसके पीछे थी।

वह ड्राईगं रुम में आ गये। चीफ एम. कुछ देर तक ड्राईंग रुम का निरीक्षण करता रहा फिर पलट कर बोला—'मिस गुड-नाईट बाण्ड के सर्वेन्ट पिन्टू का कहना है कि बाण्ड परसों नाईट अपने स्लिपिंग रुम मे आराम कर रहा था ?'

—यस बास ! मुझसे पिंटू ने यही कहा है।'

—और पिंटू मोर्निंग में बेड टी लेकर पहुंचा तो बांड मसहरी पर नहीं था।'

'जी हां।' सिर हिलाकर गुडनाइट ने कहा।

..तो हमें कोई भी सुराग मिल सकेगा। केवल बांड के स्लिपिंग रूम से। आओ हम वहां चले।'

गुडनाईट एम० के पीछे २ स्लिपिंग रूम में आ गई।

एम० ने स्लिपिंग रूम की मसहरी को ध्यान से देखा—उस की सफेद चादर पर सैकड़ों सलवटें पड़ी हुई थीं। इसका मतलब था—बांड मसहरी पर सोया था। एस० ने रूम का निरीक्षण किया।

फिर उसकी नजरें खूंटी पर गयीं। वहां बांड का ओवर कोट और फैल्ट हैट नहीं था। एम० को अच्छी तरह मालूम था···बांड की मौजूदगी में यहां पर उसका ओवरकोट और फैल्ट हैट अवश्य ही टंगा रहता है।

एम० का मस्तिष्क दौड़ने लगा—

और कुछ ही देर बाद उसने यह निष्कर्ष निकाला। एम० गुडनाईट की तरफ पलटा। उसके चेहरे पर नजरें जमाकर वह बोला—'मिस गुडनाईट—बांड का इस रूम से अपहरण नहीं किया गया है।'

—आपने कैसे जान लिया चीफ ?'

—मैं यहां कई बार आया हूं, यहां पर यदि बांड मौजूद रहता है तो उसका ओवर कोट और फैल्ट हैट इस खूंटी पर टंगा रहता है और बांड को यदि कहीं जाना होता है, तो वह अपने ओवर कोट और फैल्ट हैट को कभी नहीं छोड़ता।—अब देखो-यदि बांड को यहां से जबरदस्ती ले जाया जाता तो उसका फैल्ट हैट और ओवर कोट यहां टंगा रहता। परन्तु यह दोनों चीजें यहां नहीं हैं। इसका सीधा सा अर्थ है—वह अपनी इच्छा से कहीं गया है।'

—चीफ, यह भी तो हो सकता है कि उन्हें फोन द्वारा किसी स्थान पर बुलाया गया हो।' गुडनाईट ने कहा।

—ओह। एम० चौंकते हुये बोला—यदि ऐसा हुआ है तो

मैं अभी पता लगा सकता हूं।

और एम० तेजी से फोन की तरफ बढ़ा।

अब वह फोन को देख रहा था।

कुछ ही देर बाद वह पलटा और गुडनाईट ने देखा—एम० के चेहरे पर प्रसन्नता की लकीरें थी और आंखों में एक अजीब सी चमक थी।

अब वह तेजी से एक रैंक की तरफ बढ़ रहा था। रैंक काफी ऊंचा था और उसके दरवाजे पर शीशा फिक्स था…अन्दर कुछ शराब की बोतलें नजर आ रही थी और उसके नीचले पार्ट में रंग बिरंगे कांच के प्याले रखे हुये थे।

एम० ने रैंक का दरवाजा खोला। वह खुला हुआ था। इतनी लापरवाही इस रेक के विषय में बांड बरतता है, इससे एम० को आश्चर्य नहीं हुई। जिसमे कुछ मतलब की चीजें हो, उसे बांड इसी लापरवाही से खुला छोड़ देता था। जिससे चोरी का इरादा रखने वाला इन पर अधिक ध्यान नहीं देता था।

एम० ने रेक को पूरा खोल दिया—अन्दर से उसने कांच के प्याले हटाये और फिर हाथ डालकर कुछ किया। अन्दर एक खटके की आवाज उभरी और फिर एक आश्चर्य जनक रूप से वह रैंक आगे सरकने लगी।

वह एक फुट आगे आ गई। एम० पलट कर रैंक के पीछे आ गया। यहा एक गुप्त ड्रायर था। जिसमें एक टेप रिकार्डर रखा हुआ था।

यह एटोमैटिक टेप रिकार्डर था और इसका कनेक्शन टेलीफोन से था। परन्तु इतना गुप्त रुप से कि अच्छी तरह से निरीक्षण करने पर इसकी खोज नहीं की जा सकती थी। इसे बांड और एम० ही जानते थे।

इसमें वह बातें नोट होती थी। जो टेलीफोन पर की जाती थीं।

एम० को मालुम था—और वह आसानी से यहाँ तक पहुंच गया था। दूर खड़ी गुडनाईट इस बात को आश्चर्य से देख रही थी, परन्तु एम० रैंक के पीछे क्या कर रहा है, यह उसकी समझ मे नहीं आ रहा था। वह इस बात को जानने को उतावली थी, परन्तु एम० की उपस्थिति के कारण उसकी हिम्मत आगे बढ़ने की नहीं हो रही थी।

एम० टेप रिकार्डर का स्विच आन कर चुका था।

और अब रुम मे धीरे धीरे आवाजें उभरने लगी थीं—

—'आपको किसकी जरूरत है ? यह स्वर जेम्स बांड का था। स्वर में आलस्य था। एम० को समझते देर नहीं लगी कि नींद से उठकर ही बांड ने फोन अटेन्ड किया था।

फिर टेप रिकार्डर से एक अपरिचित स्वर उभरा—

स्वर में घबराहट थी—'क्या…जेम्स बांड…फ्लैट में मौजूद है ?'

—मैं जेम्स बांड ही हूं, आपकी घबराहट का क्या कारण हो सकता है ? —जेम्स का स्वर उभरा।

—मिस्टर बांड…मेरी जान को खतरा है…आप तुरन्त मेरे …फ्लैट पर आ जाइये। यह अपरिचित स्वर था।

—आप स्पष्ट करके बता सकते हैं कि आपको किससे खतरा है ? और…'

बांड की बात कट गई थी और अब अपरिचित स्वर उभरने लगा था—

'एक मशहूर डिटेक्टिव को ऐसे नाजुक समय पर यह प्रश्न नहीं पूछना चाहिये, मैं, मैं…बहुत घबराया हुआ हूँ…और इतना समय नहीं है कि आपको कुछ भी बता सकूं…आप जार्ज रोड़ के अटी टू नम्बर फ्लैट में आ जाइये…जल्दी…।'

एम० ने तुरन्त टेप रिकार्डर बन्द कर दिया।

उसने अपने कोट की जेब से नोट बुक निकाली और फिर

जल्दी-जल्दी लिखने लगा—'जार्ज रोड़ अटी टू नम्बर फ्लैट !

इसके बाद उसने पुनः टेप रिकार्डर शुरु कर दिया—

—अटी टू...जार्ज रोड़ ! मैं दस मिनट में आपके पास पहुंच रहा हूं।'—यह बांड का स्वर था और फिर रिसीवर रखने की आवाज उभरी थी।

इसके बाद टेप रिकार्डर आटोमैटिक ढंग से रुक गया। एम० ने उसी ढंग से रैक बन्द किया और गुडनाईट के पास आ गया।

गुडनाईट ने एम० के चेहरे को पढ़ा। उस पर आशा के चिन्ह अंकित थे। उसकी प्रश्न सूचक नजरें उठी और उसने पूछा—'कुछ मालूम हुआ चीफ ?'

बांड को परसों रात जार्ज रोड़ की अटी टू नम्बर फ्लैट में बुलाया गया था।—इसके आधार पर हम कुछ मालूम कर सकते हैं।

—यह तो काफी आशा जनक सूचना मिल गई चीफ ! खुशी से गुडनाइट बोली—बाण्ड को उसी फ्लैट में लापता कर दिया गया होगा।'

—'हूं ! मुझे अब कुछ उम्मीद नजर आ रही है। आओ मैं इस बात की तुरन्त चैकिंग करवा लेता हूं।'

एम० कहकर बाहर निकला।

गुडनाइट उसके पीछे थी। वह एम० के साथ उनकी कार तक आई। यह एक छोटी काले रंग की ब्यूक थी।

इसमें एम० का ड्राईवर नहीं था।

गुडनाईट भी कार लाई थी। परन्तु चीफ की उपस्थिति के कारण वह अपनी कार का प्रयोग नहीं कर सकती थी। यदि एम. का ड्राईवर साथ होता, तो वह अपनी कार का प्रयोग करती परन्तु अब उसका फर्ज था कि चीफ एम० की कार को ड्राईव करें।

यह कहकर ड्राईविंग सीट पर बैठ गई। एम० उसके साथ आगे ही बैठा।

—'कहां चलेंगे आप?' गुडनाईट ने पूछा।

—'सीक्रेसी!' एम० ने इतना ही कहा।

गुडनाईट ने ब्यूक आगे दौड़ा दी। वह बड़ी सावधानी से कार ड्राईव कर रही थी। क्योंकि उसके पास चीफ एम० बैठा हुआ था।

यह सिविल लाईन्स का एरिया था।

इसकी बाउन्ड्री को पार करके ब्यूक जब हाइवे रोड़ पर निकल आई तो गुडनाईट चौंक गयी। एम० उसकी तरफ तुरन्त आकर्षित हो गया और बोला—'क्या बात है गुडनाईट?'

—चीफ हमारा पीछा किया जा रहा है।' कम्पित स्वर में गुडनाइट बोली।

एम० की नजरें मुडी—उसने पीछे देखा—काफी दूरी पर एक काली कार उनकी ब्यूक के पीछे आ रही थी।

एम० मुस्करा दिया और गुडनाईट के कंधे को थपथपा कर बोला—'घबराने की जरूरत नहीं है, यह मेरे आदमी हैं।'

ओह! गुडनाईट आश्चर्य से बोली और फिर उसकी नजरें सामने रोड़ पर जम गई।

अब वह बेफिक्र थी और इत्मीनान से कार ड्राईव कर रही थी।—पन्द्रह मिनट में उसने ब्यूक को सीक्रेसी की विशाल इमारत के सामने पहुँचा दिया।

एम० नीचे उतरते हुये बोला—कार को कार पार्किंग में पहुंचा कर ऊपर आ जाओ।'

और फिर वह लम्बे लम्बे कदम रखता हुआ लिफ्ट रूम की तरफ चला गया। उसके आंखों से ओझल हो जाने के बाद गुड-नाईट ने ब्यूक को कार पार्किंग में पार्क किया। नीचे उतरते समय उसकी नजरें पीछे गयीं।

पीछा करने वाली काली कार का कहीं पता न था, वह कार कहां चली गई, यह बात गुडनाईट की समझ में नहीं आई। वह इस पर अधिक नहीं सोचना चाहती थी। वह पलटा और तेजी से लिफ्ट की तरफ बढ़ गई।

□

:यह एक शानदार कमरा था। इसके फर्श पर मखमली कालीन था। इसकी दीवारें सफेद संगमरमर की बनी हुई थी। जिन पर तीन चार तेल चित्र टंगे हुए थे। यह तेल चित्र किसी खूबसूरत युवती की बहादुरी के प्रतीक थे इनमें एक खूबसूरत युवती द्वारा शेर के शिकार का दृश्य था। युवती का रूप किसी अप्सरा से कम नहीं था। वह सफेद कांच की कारीगरी का कुर्ता पहने हुए थी और कुर्ते के नीचे वैसा ही गरारा था। उसके भारी और तीखे वक्ष पर जरी की सफेद चुनरी लहरा रही थी। उसके कानों में हीरों की दमक वाले कांटे थे और गले में बड़े बड़े सफेद मोतियों का हार था। उसके सिर पर घने काले बाल थे, जिनमें फूलों का गजरा बंधा हुआ था। इसके काले बाल नागिन की तरह कंधों पर झूम रहे थे।

वह बहुत ही खूबसूरत लगती थी। ऐसा ही रूप उसका हर तेल चित्र में नजर आ रहा था। वह किसी राजकुमारी की तरह लगती थी।

इस कमरे में सामने दो शानदार पलंग थे जिन पर लाल गलिचे थे। एक तरफ लम्बी मेज थी और उसके इर्द-गिर्द सोफे रखे थे। सोफे भी मुलायम और खूबसूरत रंग के मखमली गलिचों से बने थे। इस कमरे का ठाठ-बाट किसी राजमहल से कम नहीं था।

सामने के एक पलंग पर जेम्स बांड पड़ा हुआ नजर आता था। इस समय वह बेहोश था। उसे कुछ भी खबर नहीं थी। जेड़ो के साथी उसे यहां रात को छोड़ गये थे—तब से वह उसी बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ था।

अचानक इस कमरे का दरवाजा खुल गया और अन्दर उसी अप्सरा जैसी युवती ने प्रवेश किया अभी भी वह तेल चित्रों वाली पोशाक में थी। लगता था, उसे सफेद रंग से बहुत प्यार है। सिर से पाव तक वह सफेद संगमरमर की प्रतिमा सी लग रही थी।

वह धीरे-धीरे बाण्ड की तरफ बढ़ रही थी। बाण्ड के नजदीक आकर वह रुक गई और उसके ऊपर झुक गई।

काफी देर तक वह उसके चेहरे को प्यार से देखती रही। फिर उसने अपना कोमल हाथ बढ़ा कर बाण्ड के माथे पर उलझ आई लट को सुलझा दिया। इसके बाद वह मेज की तरफ आई। मेज पर एक गिलास की सुराही रखी हुई थी। सुराही के इर्द-गिर्द कई तश्तरियों में खाने के फल पड़े हुए थे। वहीं एक चमचमाता हुआ चाकू पड़ा था।

पहले उसने सुराही को उठाया।—और पलंग की तरफ पलटी।

परन्तु फिर कुछ सोच कर रुक गई।

उसने सुराई वापिस मेज पर रख दी और फिर एक सोफे में धंस गई। उसने एक लाल सेब उठाया—उसे चाकू से काटा और खाने लगी।

थोड़ा सा सेब खाने के बाद वह उठी और फिर बाण्ड के नजदीक आई! उसके चेहरे पर इस समय सैंकड़ों उलझनें थी। वह गम्भीर नजर आ रही थी। उसने बाण्ड को देखा—वह बेहोश ही था। कुछ सोचकर उसने पलंग के पास टंगी एक रेशमी डोरी को खींच दिया। दूर कहीं मधुर घन्टी बजी थी। उस युवती की

नजरें दरवाजे पर जम गई !

कुछ ही देर में दरवाजे में से जेडो ने प्रवेश किया।

वह कुछ झुका--यह उसकी तरफ से खूबसूरत राजकुमारी को अभिवादन था। फिर जेडो सीधा तन कर खड़ा हो गया और आदर से बोला—'

'—क्या आज्ञा है मैडम ?

—'बाण्ड अभी तक होश में नहीं आया है।' वह चिन्तित स्वर में बोली।

जेडो कुछ क्षणों तक उसकी मनोवृत्ति को समझने की चेष्टा करता रहा। फिर धीरे से बोला—

—'अभी बाण्ड को बेहोश किये आधा घन्टा ही हुआ है।'

—लेकिन इस बीच मैं यहां पांच चक्कर काट चुकी हूं जेडो।' वह परेशानी से बोली।

—'क्या मैं आपके उतावलेपन का कारण समझ सकता हूं ?'

—'जेडो।' वह सख्ती से बोली—'मैंने तुम्हें मुंह लगा रखा है, इसका यह मतलब नहीं कि तुम मुझसे प्रश्न करो। मैं इसे सहन नहीं कर सकती।'

—गलती हो गई मैडम ! आप बाण्ड के लिये इतनी उतावली क्यों हैं, मैं यह जानना चाहता था, यदि आपकी इच्छा नहीं है···'

—'जेडो, तुम बहुत बोलने लगे हो।'—कर्कश स्वर में वह युवती बोली !

—'मैडम ग्लेसी आपने ही तो मुझे बोलना सिखाया है। हंस कर जेडो बोला—खैर आप कहिये, मेरे लिये क्या आज्ञा है ?'

—जेडो—तुम मेरी युनिट में सबसे अधिक और बुद्धिमान और बहादुर समझे जाते हो, तुम्हें मैंने अपने बहुत करीब रखा है···परन्तु इससे तुम्हें अनुचित अर्थ नहीं लगाना चाहिये, मैं वक्त पर किसी को माफ नहीं करती।'

—मैं समझता हूं मैडम।—परन्तु मैंने गलत बात कभी नहीं

कही—। जेडो नाराज होकर बोला।

—छोड़ो, तुम बांड को होश में लाओ।'

—'यह नामुमकिन है।' जेडो गम्भीरता से बोला—'इतनी जल्दी बांड होश में नहीं आ सकेगा।'

—तुम कोशिश करो।' उतावले पन से मैडम ग्लेसी ने कहा।'

—'हूं।' जेडो ने सिर हिलाया और फिर वह बांड की तरफ बढ़ गया। बांड के नजदीक आकर वह रुका।

बांड की तरफ उसने घृणा से देखा और फिर अनचाहे उसने अपना हाथ बांड के नाक पर रख दिया। बांड गहरी-गहरी श्वासें ले रहा था।

मैडम ग्लेसी उत्सुक से बांड की तरफ देख रही थी।

जेडो पलटा और बोला—'मैडम अभी इसकी बेहोशी नहीं टूटेगी, परन्तु मैं कोशिश कर रहा हूं।' और जेडो मेज की तरफ बढ़ आया। उसने पानी की सुराही उठाई और फिर बांड की तरफ आ गया।

—'ठहरो।' मैडम ग्लेसी ने हाथ उठाया।

—'कहिये ?'

—मैं अपने रूम में हूं। यदि बांड होश में आ जाये तो, उसे कुछ देर आराम करने देना। हां उसके होश में आने की इत्तला मुझे अवश्य देना।'

जेडो ने केवल सिर हिला दिया। वह मैडम की बात पर मन ही मन जल रहा था।

मैडम ग्लेसी उस कमरे से बाहर चली गई।

जेडो बांड को घूरता रहा। उसका मन कर रहा था, कि पानी से भरी सुराही उठाकर बांड के सिर पर खिंच मारे। परन्तु वह मैडम ग्लेसी से डरता था। बांड की तरफ मैडम ग्लेसी आकर्षित है, यह स्पष्ट नजर आ रहा था, यदि बांड को कुछ हो जाये

तो मैडम ग्लेसी उसे तड़फा-तड़फा कर मार डालेगी। वह जेडो जानता था—मैडम ग्लेसी बहुत बड़ी ताकत की मालकिन है—उसके पीछे बड़ी बड़ी हस्तियों का हाथ है, और वह स्वयं भी बहादुर औरत है। स्वयं जेडो अपने को मैडम के मुकाबले में कमजोर महसूस करता था।

उसने अपना विचार बदल दिया।

परन्तु उसने निश्चय किया—यदि भविष्य में मैडम ग्लेसी बांड की तरफ आकर्षित हुई, तो वह बांड को समाप्त कर देगा।

उसे बांड से ईर्ष्या थी। साथ ही वह मन ही मन मैडम ग्लेसी को चाहता था—परन्तु वह अच्छी तरह जानता था—मैडम ग्लेसी उसे कभी भी अपने कंधे पर हाथ नहीं रखने देगी। फिर भी उसका विचार था—एक न एक दिन वह मैडम ग्लेसी पर अधिकार कर लेगा और उसकी फूल सी मुलायम जवानी को अपनी बांहों में जकड़ कर मसल डालेगा।

उस वक्त का इन्तजार था।

उसने बांड की तरफ देखा और फिर ढेर सारा पानी उसके चेहरे पर उडेल दिया। बांड का बदन कर कंपाया और फिर वह कराहने लगा।

जेडो को उसकी कराहट पर आनन्द आ रहा था। वह बांड को घूरने लगा। बांड की कराहट अब बढ़ने लगी थी।

और फिर कुछ ही देर बाद बांड की पलकें हिलने लगी। उसने धीरे-धीरे अपनी पलकें खोल दी और फिर सबसे पहले उसकी नजरें नक्काशीदार छत पर गई। उसकी आंखें आश्चर्य से फैलती गई—इतनी खूबसूरत छत है, तो कमरा कितना खूबसूरत होगा। यह बात उसके मन में उठी थी। परन्तु फिर उसने सोचा—'वह कहां है ?' यह छत उसके स्लिपींग रूम की नहीं है···तो क्या···?'

उसका मस्तिष्क घूमने लगा।

और फिर उसे याद आने लगा—वह सभी कुछ जो उसके साथ गुजरा था। फोन की घन्टी···जार्ज गोह अर्थात् टू नम्बर फ्लैट···किसी की जान को खतरा···ब्यूक से उसका सफर···और आश्चर्य जनक रफ्तार वाली कार से पीछा···फिर उसके सामने खुंखार शक्ल के जेडो की शक्ल घूम गई।

जेडो ने उसे बेहोश किया था। बांड की कनपटी पर टीस उभरी। उसने हाथ बढ़ाया और कनपटी को छुआ। कनपटी सूज आई थी।

अचानक ही उसकी नजर सामने खड़े जेडो पर गई। वह उछल कर खड़ा हो गया और एकदम जेडो पर झपट पड़ा।

जेडो इसके लिये तैयार नही था—वह बांड के घेरे में आ गया था। बांड ने उसकी गर्दन दबोच ली थी और अब वह पूरी शक्ति से जेडो की गर्दन भींच रहा था।

जेडो को अपना श्वांस रुकता प्रतीत हो रहा था—वह हाथ पांव मारने लगा था और छूटने की भरसक चेष्टा कर रहा था। परन्तु बांड पर तो क्रोध सवार था। जेडो की शक्ल से उसे नफरत थी। उसे खत्म करने के लिये बांड ने अपनी सारी शक्ति बटोर कर लगा दी, परन्तु जेडो भी कमजोर नहीं था। उसकी छटपटाहट और स्वतन्त्र होने की कोशिश बांड के इरादों को असफल कर रही थी।

जेडो की आंखें उबलने लगी थीं और वह उछलने लगा था, बांड के बन्धन ढीले पड़ने लगे और फिर उसकी उंगलियां दर्द करने लगी और ढीली पड़ गई। जेडो ने जोर से छलांग लगा दी। इस बार वह बांड की गिरफ्त से निकल कर दूर कालीन पर गिरा। यदि फर्श होता तो यह छलांग उसे महंगी पड़ती। परन्तु कालिन पर वह जम्प खाकर रह गया। उसे किसी प्रकार की चोट नहीं लगी। वह तुरन्त उठकर खड़ा हो गया।

बांड उसकी तरफ दोबारा झपटा। परन्तु अब जेडो तैयार

हो गया था। उसकी आंखें अंगारे की तरह नजर आ रही थीं। और जिस्म क्रोध से कांपने लगा था।

अचानक वह गुर्रा पड़ा—'बांड मुझसे भिड़ने की कोशिश मत करो। मैं तुम्हारी हड्डियां तोड़ डालूंगा···रुक जाओ।'

परन्तु बांड नहीं रुका। वह उछल कर जेडो के ऊपर आया। जेडो तैयार था, परन्तु बांड भी कम चालाक नहीं था, वह जेडो के ठीक ऊपर आया था। जेडो ने हटने की कोशिश की थी, परन्तु बेकार साबित हुई। जेडो भरभरा कर किसी कच्चे दीवार की तरह ढह गया। ऊपर बांड गिरा। अब वह नीचे कालिन पर गुथमगुथा हो रहे थे।

बांड पूरी कोशिश कर रहा था जेडो को शिकस्त देने की, परन्तु जेडो चालबाज था। वह अपना बचाव होशियारी से कर रहा था। उसकी कोशिश थी, किसी भी प्रकार बांड को दबोच ले। फिलहाल यह नामुमकिन था—क्योंकि बांड उसके ऊपर चढ़ गया था।

अब बांड का गुस्सा फूट पड़ा। उसने एक जबरदस्त घूंसा खींच कर जेडो के जबाड़े पर दे मारा। जेडो का जबाड़ा हिल गया और उसके मुंह से चीख निकल गई। वह दहाड़ उठा—'बांड मैं तुम्हारा खून पी जाऊंगा। मैं तुम्हें जिन्दा नहीं छोड़ूंगा।'

—हूं! बांड ने सिर हिलाया और एक और घूंसा उसके जबाड़े पर जड़ दिया।

जेडो चित्कार कर उठा।

अब बांड के हाथ मशीनी अन्दाज में चलने लगे थे और जेडो दर्द से चीखता जा रहा था बांड रुका नहीं···

उसके हाथ चलते रहे और जेडो मार खाकर चीखता रहा, परन्तु आश्चर्य था कि इन चीखों को सुनकर कहीं किसी प्रकार की आहट नहीं हो रही थी।

बांड की आंखें शोलों की तरह दहक रही थी और वह

पागलों की तरह जेडो को पीट रहा था।

और फिर उसके हाथ रुक गये।

जेडो का शरीर अचेत हो गया था। उसकी गर्दन लुढ़क गई थी। चेहरा खून से सन कर विभत्स लगने लगा था।

बाण्ड हाथ झाड़ते हुये उठा और फिर कमरे में इधर उधर देखने लगा। कमरे की राजशी ठाठ बाट उसे आश्चर्य में डाल रहे थे।

—क्या मेडम ग्लेसी किसी रियासत की राजकुमारी है? यह प्रश्न उसके मस्तिष्क में उभरा तभी वह चौंक गया। उसके कानों में तीव्र स्वर से बजने वाला अलार्म का स्वर पड़ने लगा था।

—'खतरा!' उसके मस्तिष्क ने तुरन्त संकेत दिया।

और बांड दरवाजे की तरफ दौड़ पड़ा। दरवाजे से बाहर एक लम्बा गलियारा था। बांड उसके अन्दर आ गया और दौड़ता चला गया।

मोड़ पर पहुंचते ही ब्राण्ड को ठिठक कर रुक जाना पड़ा उस मोड़ पर पांच छः टामीगन धारी बदमाश आ पहुंचे थे। बांड पलट कर दौड़ा—उसी कमरे की तरफ जिसमें से वह अभी निकल कर आया था, परन्तु उसे वहां भी रुक जाना पड़ा। उस तरफ से भी पांच टामीगन वाले दौड़े आ रहे थे।

बांड अब दोनों तरफ से घिर चुका था। साइडो से निकल भागने का रास्ता नहीं था, क्योंकि इस तरफ रुम बने हुए थे। बांड की नजरें दोनों तरफ थी। दोनों तरफ से अब वह बदमाश धीरे-धीरे उसकी तरफ आ रहे थे।

बांड ने कुछ सोचा और वह एकदम पीछे के रुम में घूम गया और तभी उस रुम का एक खटाक के स्वर के साथ दरवाजा बन्द हो गया। बांड ने घबरा कर चारों तरफ देखा। इस रुम में कहीं से भी निकलने को रास्ता नजर नहीं आ रहाबड़ा था।

अब फंस चुका था। वह उस रूम के दरवाजे की तरफ बढ़ा। दरवाजा मजबूत लोहे का था, जिसे तोड़ पाना आसान नहीं था बांड ने गहरी श्वांस ली, अब वह विचार में पड़ गया था।

तभी उसे एक जोर का झटका लगा और वह गिर पड़ा। उसकी आश्चर्य से आंखे फैल गई रूम का फर्श अपने आप ऊपर उठता जा रहा था। ऊपर छत थी।

बांड का दिल तेजी से धड़कने लगा। उसके हाथ पांव फूलने लगे। उसे अब अपनी मौत निश्चित लग रही थी।

वह सोच रहा था—जैसे ही छत से जाकर फर्श टकरायेगा, वह मध्य में दब कर मर जायेगा।

फर्श अब छत के नजदीक पहुंचता जा रहा था। बांड के दिल की धड़कन काफी तेज हो गई थी। वह कांपने लगा। इतने बहादुर आदमी को, मौत को समक्ष देखकर बुरी हालत हो गई थी।

बांड ने अपनी आंखे बन्द करली और फिर गहरी-गहरी श्वांसे लेने लगा। अब उसकी मृत्यु के कुछ ही क्षण शेष थे।

—कितनी दर्दनाक मौत उसे दी जा रही है। उसने सोचा वह इस समय कोई भी बचाव का रास्ता नहीं निकाल सकता था।

वह अपनी मौत का इन्तजार करता रहा··· और फिर तेजी से वह क्षण भी निकल गये।

बांड को लगा वह बच गया है।

उसने आंखे खोली!

वह चौंक उठा—वह किसी अन्य रूम में था। यह शानदार सुसज्जित ड्राईंग रूम था। जिसमें सोफे बिछे हुये थे। एक सोफे पर हुस्न की मलिका मेडम ग्लेसी बैठी हुई थी। उसकी आंखों में अजीब सी खुमारी थी। वह बांड को प्यार से देख रही थी।

बांड की नजरें उसकी खूबसूरती का जायजा लेने लगी थी। वह कुछ क्षण पहले के मौत जैसे खौफनाक भय से बेखबर हो

रखा था।

—मैं तुम्हारी बहादुरी की दाद देती हूँ बांड ! तुमने मेड़ो को पछाड़ कर कमाल कर दिखाया है।' मेडम ग्लेसी प्रसन्न लहजे में चहक उठी।

—तुम्हारी तारीफ ?' बांड ने उठ कर बैठते हुये पूछा।

—'मुझे मेडम ग्लेसी कहते हैं।'

—'ओह ! तो तुम्हारा ही नाम ग्लेसी है। बांड गम्भीर स्वर में बोला।

—'तुम्हें आश्चर्य है क्या ?' मुस्करा कर ग्लेसी ने पूछा !

—'बेशक ! तुम्हारी जैसी कमसीन औरत बहादुरी का दम भरे यह कम आश्चर्य की बात है क्या ?' बांड ने पूछा !

—मिस्टर बांड ! यह मुझे चुन्नोती दे रहे हो क्या ?' कुछ कठोर स्वर में ग्लेसी ने कहा।

—तो तुम क्या कर सकती हो ?

—'मैं क्या कर सकती हूँ ? मेडम ग्लेसी हंस पड़ी, उसकी हंसी में इतना खौफ था कि एक क्षण के लिये बांड का मजबूत कलेजा भी कांप उठा।

बांड सोचने पर मजबूर हो गया जिस औरत की हंसी दिल को दहला देने वाली है वह औरत निसन्देह बहादूर हो सकती है।

—नो डिस्ट्रब मेडम ! बांड नाराज होकर बोला।

—आइ एम सॉरी ! मेडम ग्लेसी सीरियस होकर बोली और फिर वह उत्सुकता से बोतल तैर रही मछली को देखने लगी।

वह हंस पड़ी।

बांड का चेहरा फीका पड़ गया। उसने ग्लेसी की तरफ देख कर कहा—

तुम बहादूर औरत हो मेडम ग्लेसी। परन्तु मेडम ग्लेसी, तुम जैसी बहादुर औरत को ऐसा गन्दा काम नहीं करना चाहिये, तुम शराफत की जिन्दगी व्यतीत करके अपना नाम और इज्जत

कमा सकती हो।'

—बेशक ! परन्तु मुझे ऐसे ही खतरनाक खेलों में इन्ट्रस्ट आता है। मैं जिस राह पर पांव बढ़ा चुकी हूँ, उस पर से हटने वाली नहीं हूँ।

—तो तुम्हें इसका खतरनाक परिणाम भी भुगतना पड़ सकता है मेडम !

—'मैं डरती नहीं हूँ ! मेडम ग्लेसी ने डरना नहीं सीखा। तुम क्या समझते हो ?'

—'मैं तुम्हें तबाह कर सकता हूं, मैं अपने देश की पवित्र धरती पर किसी भी नापाक और गन्दे इन्सान के कदम नहीं पड़ने देता !' बांड सख्ती से बोला।

—सब यही कहते रहे हैं परन्तु मेडम ग्लेसी ने कभी घुटने नहीं टेके, वह हर एक देश की धरती पर अपनी इच्छा से रह कर आई है और उसने अपनी इच्छीत चीज को भी हासिल किया है। मैं तुम्हारी धरती पर आ चुकी हूँ।'

—'क्या हासिल करना चाहती हो तुम मेरे देश से !' बांड ने मेडम ग्लेसी को घूरते हुये कहा।

- 'यह बताने की बात नहीं है।' मेडम ग्लेसी सिर झटक कर बोली।

—'तुमने मुझे क्यों कैद किया है ?'

—'इसका उत्तर भी तुम्हें नहीं मिलेगा बांड, हां यह कह सकती हूं, ···यहां तुम्हें इज्जत से रखा जायेगा। एक कैदी की तरह नहीं, इसलिये कि मैं बहादुर आदमी की कद्र करती हूँ।'

—'बहादुर आदमी को धोखे से कैद करना कहां की शराफत है ?' बांड ने पूछा।

—'धोखा ! मेडम ग्लेसी मुस्करा पड़ी—'अपराध करने वालों का यही असूल रहता है मिस्टर बांड।'

'तो एक जासूस की जिन्दगी का भी यही असूल है।' बान्ड बोला और उसने मेडम ग्लेसी की तरफ छलांग लगा दी।

परन्तु जैसे मेडम ग्लेसी इस बात का विचार रखती थी, उसने पलक झपकते ही फायर कर दिया। बान्ड चीखता हुआ नीचे लुढ़क गया ! उसकी टांग में से खून निकल कर उसकी पेंट को खराब करने लगा था।

मेडम ग्लेसी का चेहरा परेशानी में डूब-उतर रहा था। उसने बान्ड के चेहरे को देखा उस पर पीड़ा के चिन्ह स्पष्ट नजर आ रहे थे।

—'तुमने बेकार की कोशिश की थी बान्ड।—तुम्हें इतना तो याद रखना चाहिये था कि तुम इस समय किसी को कैद में हो। यहां तुम दो को मार दोगे···परन्तु फिर भी कहां जाओगे। यहां से निकल भागना आसान नहीं है।'

बान्ड ग्लेसी को घूरने लगा था।

ग्लेसी आगे बढ़ी···फिर उसने टॉमी को इशारा दिया··· तुरन्त ही फस्टएड बाक्स आ गया।

बान्ड की टांग से खून निकलना बन्द नहीं हुआ था। वह पीड़ा से तड़फ रहा था, क्योंकि गोली अन्दर धंसी हुई थी ? अब वह अपने आप उठकर चलने जैसी स्थिति में नहीं रह गया था।

—मेरा कभी यह इरादा नहीं रहा कि तुम्हें कष्ट पहुंचाऊं··· मैं बहादुर आदमी की कद्र करती हूं। परन्तु तुमने गलती की इसलिये मुझे गोली चलानी पड़ी। इसके लिये मैं दुःखी हूं, और तुमसे क्षमा मांगती हूं।'

बान्ड के दिल में अजीब सी उथल-पुथल होने लगी। वह मेडम ग्लेसी की भावनाओं को साफ समझ गया था और महसूस करने लगा था, अवश्य ही मेडम ग्लेसी का दिल उसे चाहने लगा है या वह बहुत पहले से उसकी दीवानी रही है।

'मेरी बात को क्या तुमने नहीं सुना बान्ड ? ग्लेसी ने उसके

समीप आकर पूछा।

—'सुना है। परन्तु मैं अपराधियों को कभी क्षमा नहीं करता।' बान्ड स्वर कठोर बनाकर बोला।

मेडम ग्लेसी का चेहरा गम्भीर हो गया। यह कुछ दुखी नजर आने लगी, वह चुपचाप आकर बान्ड के पास बैठ गई।

फिर उसने दवाइयों का बाक्स खोला।

—'तुम उल्टे लेट जाओ!' वह धीरे से बोली।

—'मैं किसी की सहानुभूति का भूखा नहीं हूं।' बान्ड गर्दन झटक कर बोला।

'यह सहानुभूति नहीं है, मेडम ग्लेसी कुछ सख्ती से बोली—'तुम मेरे कैदी हो और तुम्हारा ख्याल रखना मेरा फर्ज है।' चुपचाप उल्टे हो जाओ।

बान्ड चुपचाप उल्टा हो गया।

मेडम ग्लेसी ने उसकी पेंट को ऊपर सरका दिया, फिर उसने गोली वाले जख्म को देखा। पिंडली में एक छोटा सा छेद बन गया था।

मेडम ग्लेसी ने चाकू निकाला और उसने चाकू बान्ड के जख्म पर टिका दिया। उसके हाथ कांपने लगे थे! वह समझ नहीं पा रही थी कि ऐसा क्यों हो रहा है, उसका दिल पत्थर बन चुका था, वह छोटी सी गलती करने वाले व्यक्ति को बेदर्दी के साथ गोली का निशाना बना देती थी।

परन्तु आज पता नहीं उसका हाथ क्यों कांपने लगा था। बान्ड उसका दुश्मन था, जासूस था और वह अपराधियों की सरदार थी। यह दोनों जमाने में कभी एक नहीं बन सके हैं। फिर भी मेडम ग्लेसी का दिल बान्ड की तरफ खींचने लगा था। वह बान्ड के इस छोटे से जख्म को देखकर तड़प रही थी और दुख अनुभव कर रही थी।

बान्ड के जख्म से खून जारी था!

श्रोर बान्ड दर्द से अभी भी हल्के–हल्के कांप रहा था।

मेडम ग्लेसी अधिक देर करना बेवकूफी समझती थी, उसने हिम्मत बटोरी और दिल को मजबूत कर लिया।

उसने बान्ड के जख्म को चाकू से चीर डाला।

बान्ड चित्कार उठा।

—कुछ मिनट दर्द होगा बान्ड। मैं जल्दी ही पट्टी कर देती हूँ।' वह बान्ड को सांत्वना देते हुए बोली।

फिर उसके हाथ जल्दी-२ चलने लगे। उसने शीघ्र ही चिमटी के द्वारा बान्ड के जख्म में से रिवाल्वर की गोली बाहर खींच ली। फिर उसने रुई में दवाई लगाकर जख्म पर बेंडेज कर दी।

इसके बाद वह एक गहरी श्वांस लेकर खड़ी हो गई।

बान्ड धीरे-धीरे उठकर बैठ गया था और मेडम गलेसी की तरफ देख रहा था।

—'अधिक दर्द हो रहा है क्या ?' गलेसी ने प्यार से पूछा।

—'गोली चलाने वाली ऐसी बातें पूछ रही है मुझे ताज्जुब है।' बान्ड आश्चर्य से बोला।

—'मैं कुछ भी हूँ मिस्टर बान्ड परन्तु मुझ में भी एक स्त्री का दिल है। जो दर्द अनुभव करना जानता है।' ग्लेसी धीरे से बोली।

'दिल में दर्द रखने वाली औरत अत्याचार नहीं करती।'

'मैंने अत्याचार नहीं किया है। बगैर किसी कारण के मैंने किसी की हत्या नहीं की होगी !' गर्दन झटक कर मेडम ग्लेसी बोली।

'हूँ। तुम्हें समझने में समय लगेगा मेडम ग्लेसी।' बान्ड गम्भीरता के साथ बोला।

'अच्छा आओ, तुम्हें अब आराम की जरूरत है, परन्तु उससे पहले ही तुम्हें गर्म-गर्म दूध पी लेना चाहिये। क्या तुम दूध

पियोगे ?'

बान्ड ने सिर हिलाकर स्वीकृति दे दी ।

मेडम ग्लेसी रूम से निकल गई ! टॉमी भी बाहर चला गया

बान्ड सोच में डूब गया ।

मेडम ग्लेसी के दिल की कैफियत स्पष्ट हो चुकी थी, मेडम के दिल में उसके लिये प्यार का अंकुर उपजने लगा है, यह वह समझ रहा था । परन्तु उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि उसे यहां मेडम ने कैद क्यों किया है । वह उससे किस प्रकार का मकसद हल करना चाहती है ।

उसने मेडम से पूछने की कोशिश भी कर देखी थी, परन्तु मेडम ने कोई उत्तर नहीं दिया था ।

क्या मेडम उससे पहले से प्यार करती रही है ? और इसी लिये उसे कैद किया है मेडम ने, या वह उसके द्वारा अपना कोई कार्य करना चाहती है ।

बाहर आहट होने लगी ।

बान्ड की विचार शृंखला बिखर गई ।

उसने दरवाजे की तरफ़ देखा ।

मेडम ग्लेसी दूध का गिलास लेकर आ रही थी। उसने गिलास बान्ड की तरफ बढ़ा दिया । अभी भी उदास थी।

बान्ड ने तुरन्त सोच लिया ।

यदि वह मेडम ग्लेसी से प्यार करने लगेगा, तो मेडम का दिल अवश्य जीत लेगा और हर प्रकार वह स्वयं को आजाद कर लेगा। वरना उसका यहां से निकल पाना मुश्किल हो जायेगा । मेडम ग्लेसी जितनी नर्म दिखाई देती है उतनी ही वह कठोर भी है और यहां उसकी तकड़ी पार्टी भी है । इसके बावजूद वह अब चलने लायक नहीं रह गया है । वह चाह कर भी एक हफ्ते तक यहां से नहीं भाग सकेगा ।

चीफ की या किसी अन्य की वह आशा नहीं कर रहा था,

अभी तक किसी को भी ये मालूम नहीं चला होगा कि वह फंस चुका है ? यह बाण्ड का विचार था···चूंकि उसे अर्ध रात्रि को धोखे से काबू किया गया था। यह बात गुप्त ही है और इसे—कोई भी नही जानता है। बान्ड अच्छा तरह समझ रहा था, अभी तक उसके लापता होने की बात चारों तरफ फैल चुकी होगी, परन्तु ढुंढन की कोशिश नहीं की गई होगी। किसी को भी उसके विषय में मालूम नहीं है।

—अब आखिर में उसके मेडम ग्लेसी की कैद से निकलने का एक ही रास्ता रह गया है. वह किसी भी प्रकार मेडम ग्लेसी के दिल को जीत ले और फिर यहां से निकल जाये। हालांकि यह एक औरत के प्यार के प्रति विश्वासघात होगा, परन्तु बाण्ड ऐसे खतरनाक मामलों में धोखा-फरेब का सहारा लेना अनुचित नहीं समझता था। वह चाहता था, मेडम ग्लेसी पाप गन्दे विचारों को छोडकर शराफत का जीवन अपना लें। यदि गलेसी इसके लिये राजी नहीं होती तो फिर उसे रिवाल्वर का सहारा लेना ही पड़ेगा। यह उसका अपना ख्याल था।

वह दुश्मन को अपनी जमीन पर नही रहने देना चाहता था। दुश्मन को नष्ट करना उसका कर्त्तव्य था और वह अपने कर्त्तव्य की शुरुआत अब कर देना चाहता था।

उसने मेडम गलेसी की तरफ देखा।

वह खामोशी से उसके चेहरे के उतार चढ़ाव देख रही थी। उसका अपना चेहरा गम्भीर था।

बान्ड मुस्करा दिया, और बोला—'मुझे तुम्हारी सूरत बहुत अच्छी लगने लगी है ग्लेसी, परन्तु तुम्हारा रास्ता मुझसे भिन्न है, इसलिये मैं आगे कुछ सोचने की कोशिश नहीं करता।'

मेडम ग्लेसी ने प्यार से उसकी आंखों में झांका, फिर बदली हुई बोली—'हां हमारी मंजिलें अलग-अलग है बान्ड परन्तु हम तब भी प्यार तो कर सकते है ?'

—'असम्भव बात है। प्यार की भी कोई हद होती है। हमारा प्यार किस सीमा पर जाकर खत्म होगा जवाब दे सकती हो।'

—'प्यार की सीमा शादी के बन्धन में बंधने के बाद समाप्त हो जाती है…मैं तो यही समझती हूँ शादी के बाद स्त्री का प्रेम अपने घर और बच्चों की तरफ अधिक हो जाता है।'

'ठीक कहती हो, अब तुम सोच सकती हो हमारे प्यार की भी कोई सीमा होनी चाहिये।'

—'हमारे प्यार की सीमा हो यह जरूरी नहीं।'

—'जरूरी है। मेरा ख्याल है कि मेरी वाइफ मेरे घर को सम्हाले, मेरे लिये मेरे जैसे ही बहादुर सन्तानें पैदा करें।'

—'मैं यह भी कर सकती हूँ।' ग्लेसी धीरे से बोली।

—'परन्तु उस हालत में तुम्हें शराफत की जिन्दगी अपनानी पड़ेगी।'

—'नहीं यह सम्भव नहीं है। ग्लेसी सख्ती से बोली—'मैं अपना रास्ता बदल नहीं सकती।'

—तो हमें प्यार करने का कोई हक नहीं है। अधूरा प्यार, प्यार नहीं सिर्फ शारीरिक भूख की तृप्ति और दिल बहलाने का साधन होगा! इसमें गृहस्थ जीवन का आनन्द नहीं भोगा सकेगा मुझे प्यारी-प्यारी और बहादुर सन्तानें नहीं मिल सकेंगी, जो मेरा नाम इसी प्रकार रोशन रख सकें।'

मैडम ग्लेसी ने गम्भीर श्वास छोड़ी और उठ कर खड़ी हो गई।

फिर धीरे से बोली—'लो दूध पी लो…फिर तुम्हें आराम करना है।'

वाण्ड ने दूध का गिलास खाली कर दिया और फिर वह निराश आंखों से ग्लेसी की तरफ देखने लगा।

ग्लेसी उसकी आंखों की निराशा समझ गई, वह आगे बढ़ी और फिर उसने बाण्ड को सहारा देकर उठाया।

वह उसे पलंग तक लेकर आई। पलंग पर बाण्ड को लिटा देने के बाद उसने एक गर्म कम्बल उसके गले तक ओढ़ा दिया।

—'तुम अपने आपको मेरा कैदी नहीं मेहमान समझोगे बांड, जिस चिज की तुम्हें जरूरत महसूस हो उसके लिये निःसंकोच कहोगे। यह सिरहाने के पास रेशमी डोरी बंधी हुई है। इसके खीचने से मेरा सेवक यहां आ जायेगा।'

—'हूं, बाण्ड गम्भीर स्वर में बोला।

मेडम ग्लेसी मुड़ी, और दरवाजे की तरफ बढ़ी। परन्तु शीघ्र ही वह वापिस बाण्ड के पास लोट आई।

—'क्या बात है ?' बाण्ड ने उसकी आंखों में झांक कर पूछा।

—'तुमने मुझे माफ नहीं किया।' ग्लेसी भर्राये स्वर में बोली।

—'मैं पहले ही कह चुका हूँ मेडम···मैं अपराधियों को कभी माफ नहीं करता।' बाण्ड गर्दन झटक कर सख्ती से बोला —'यदि तुम अपना जीवन-मोड़ बदल दोगी···तो मैं तुम्हें माफ कर दूंगा।'

मेडम ग्लेसी ने उसे घूरा। फिर एक खिन्न सी हंसी उसके चेहरे पर उभरी। वह बोली—'मेडम ग्लेसी ने रास्ता कभी नहीं बदला, यह रास्ता मेरी मौत के बाद ही बदल सकता है।'

—'आखिर यह जिद क्यों ?' मैं नहीं चाहता की तुम मेरे हाथो से मारी जाओ।'

—'बाण्ड !' ग्लेसी सख्ती के साथ बोली—'मेडम ग्लेसी का तुम बाल भी बांका नहीं कर सकते। तुम्हें अपनी जान की चिन्ता होनी चाहिये यदि मेरा मूड़ बदल गया तो मैं तुम्हें खत्म

भी कर सकती हूं।'

ग्रोर फिर ग्लेसी तेजी से रूम से चली गई।

—बाण्ड उसे जाता देखता रहा—फिर बोल उठा—'तुम ऐसा नहीं कर सकोगी मेडम ग्लेसी।

इसके बाद बाण्ड ने ग्रांख मूंद ली ग्रोर सोने की कोशिश करने लगा !

'मिस गुडनाईट लम्बे कारीडोर को पार करके चीफ एम० के रूम में पहुँची। एम० फोन पर किसी के नम्बर मिला रहा था, उसने हाथ के इशारे से गुडनाईट को बैठने का संकेत किया।

—'गुडनाईट।' एम० बोला—'बाण्ड को जार्ज रोड़ के ग्रटी टू नम्बर फ्लैट पर बुलाया गया था, वहां एक ग्रादमी की जान खतरे में थी। क्या यह एक छलावा रहा होगा?'

—'चीफ कुछ कहा नहीं जा सकता···ग्रापने राबर्ट को कॉल किया है, उसके द्वारा ग्राप इनक्वारी करवाईये। सच्चाई तुरन्त मालूम पड़ जायेगी।'

'मैंने राबर्ट को इसीलिये बुलाया है, वह ग्रा रहा होगा।'

एम० ने फिर पाईप को होठों में दबाया ग्रोर गहरा कश खींचा। इसके बाद उसने ढेर सारा धुंग्रा कमरे में उगल दिया।

उसके चेहरे पर चिन्ता की लकीरें उभरने लगी थी। वह परेशान नजर ग्राने लगा था।

बाण्ड को लापता हुए दूसरा दिन था ग्रोर उसकी कोई सूचना उनके पास नहीं थी। बाण्ड कहां है ग्रोर किस पोजिशन में है यह बात उसे परेशान कर रही थी।

वह चाहता था···राबर्ट शीघ्र ही ग्रा जाये ग्रोर फिर बाण्ड

की तलाश शुरु कर दी जाये। वाण्ड का पता लगाना आवश्यक था।

उसने दरवाजे की तरफ कान लगाये !

दूर आहट सुनाई पड रही थी।

— शायद वही लोग हैं।···एम० ने अपना अनुमान गुडनाईट को बताया।

गुडनाईट कुछ कहती···परन्तु तभी एम० के सामने रखा इन्टर कॉम में से उसकी पर्सनल सेक्रेट्री मिस मनी पोनी का स्वर उभरा—

—'चीफ राबर्ट ह्यूम और उसकी सेक्रेट्री शैली माग्रेट आ गये हैं···आपकी क्या आज्ञा है ?'

—'उन्हें तुरन्त यहां भेज दो।' एम० ने कुर्सी पर पहलू बदलते हुए कहा और फिर वह राबर्ट के आने का इन्तजार करने लगा।

राबर्ट ह्यूम शीघ्र ही रूम में आया—उसके पीछे शैली माग्रेट थी !

—'गुडनुन चीफ ! अपनी आदत के अनुसार झुक कर राबर्ट ने कहा।'

—'गुडनुन ! एम० ने बुझे मन से कहा और फिर उन दोनों को बैठने का संकेत किया।

राबर्ट चैयर पर बैठते हुए बोला—'चीफ आज किस खुशी में हमें लंच दिया जा रहा है ?'

—'वह मैंने यूं ही कह दिया था राबर्ट, यहां तो हमारे दिल बुझे हुए है।'

—'मैं समझा नहीं चीफ।' चौंककर राबर्ट बोला !

वह आश्चर्य और उत्सुकता से एम० की तरफ देखने लगा था। एम० के चेहरे पर उतार-चढ़ाव जारी थे और वह काफी चिन्तित नजर आ रहा था।

एम० ने एक नजर राबर्ट पर डाली···फिर चौंका देने वाला विस्फोट किया—'बाण्ड दो दिन से लापता है।'

राबर्ट चौंककर एम० की तरफ देखने लगा।

शीली तो घबरा गई, वह पूछ बैठी—'सर आपको यह कैसे मालूम हुआ ?'

—'मुझे गुडनाईट ने बताया था, और फिर मैंने स्वयं बाण्ड के फ्लैट पर जाकर इन्क्वारी की है। बाण्ड सचमुच दो दिन से फ्लैट पर नहीं है।'

—'ओह !' राबर्ट गम्भीर स्वर में बोला—'यह तो बहुत बुरी खबर है।'

—'बहुत बुरी कहो। बाण्ड का लापता हो जाना छोटी बात नहीं है, अवश्य ही कोई गहरा षड़यन्त्र शुरू हो चुका है।'

राबर्ट का चेहरा गम्भीर हो गया। वह परेशान नजर आने लगा था।

—'चीफ !' कुछ देर बाद उसने कहा–'बाण्ड को कैसे लापता किया गया है ?'

—'मैं यह नहीं कह सकता···परन्तु मुझे कुछ सुराग मिला है, जिसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि बाण्ड को धोखे का शिकार बनाया गया है।'

—'धोखा और वह बाण्ड के साथ ?' आश्चर्य से राबर्ट ने कहा।

—धोखा···धोखा ही होता है और उसमें कोई भी फंस सकता है। फिर बाण्ड कोई गॉड नहीं है। उसे जिस ढंग से मूर्ख बनाया गया है, उसकी कल्पना तुम करोगे तो सब समझ सकोगे।

—'आप बताइये। बगैर बताये मैं क्या कल्पना कर सकूंगा चीफ।'

—'राबर्ट। बाण्ड को अर्ध रात्रि के समय जार्ज रोड से फोन किया गया था···फोन करने वाला अपनी जान को खतरे में बत

रहा था। जिसे सुनकर एक जासूस अपने कर्त्तव्य की पूर्ति के लिये लालायित हो उठता है। बाण्ड भी उस फोन के आधार पर जार्ज रोड़ पर रवाना हुआ होगा और फिर धोखे का शिकार बना लिया गया।'

—'जार्ज रोड़। क्या इतनी ही जानकारी आपको प्राप्त है चीफ?' राबर्ट ने पूछा।

नहीं···मुझे फ्लैट का नम्बर भी मालूम है···जार्ज रोड़ की अटी टू नम्बर की इमारत में बाण्ड को बुलाया गया था।'

—'तो मुझे वहां जाकर पता लगाना चाहिये।'

'जरूर! मैंने तुम्हें इसीलिये बुलाया था। मैं बहुत परेशान हूँ। यदि बेचारी गुडनाईट मुझे आज सूचना नहीं देती तो हम बाण्ड की तरफ से अभी अंधेरे में ही रहते और बाण्ड के लापता होने का पता नहीं चलता अब हमें यह मालूम हो गया है कि बाण्ड लापता हो गया है, इसलिये मैं चाहता हूँ उसकी जोर शोर से तलाश शुरू कर दी जाये। बाण्ड को कुछ हो गया तो मेरी जान आफत मे फंस जायेगी। बाण्ड छोटा आदमी नहीं है, उसकी पहूँच काफी ऊंची है, मुझे गृहमन्त्री जी को जवाब देना भारी पड़ जायेगा। इसके अलावा बाण्ड हमारे देश का एक ऐसा व्यक्ति है जिसके कंधे पर देश की सुरक्षा का काफी बोझ पड़ा हुआ है। वह हर मौके पर देश के हित के लिये तैयार रहा है, उसने हर कठिन क्षणों में देश की हिफाजत की है। बाण्ड का पता अवश्य लगाया जाना है।'

—'मैं स्वयं परेशान हूँ चीफ। आपने बहुत बुरी सूचना दी है।' राबर्ट गम्भीरता से बोला।

—'चीफ! अब आपकी आज्ञा चाहिये।'

'तुम जा सकते हो—और देखो, तुम्हें मुझे तुरन्त ही फोन द्वारा सूचना देनी है। मैं काफी परेशान हूँ जेम्स बांड के लिये।'

—'आपको मैं तुरन्त ही कॉल करुंगा चीफ।'

रावर्ट पलट गया और तेजी से चीफ के रुम से निकल गया।

—हमारे लिये क्या आज्ञा है चीफ ?' हिम्मत बटोर कर शैली ने पूछा।

—शैली। तुम वापिस लौट सकती हो। फिलहाल यह काम रावर्ट कर रहा है। तुम लोगों की मुझे जरुरत पड़ेगी तो अवश्य इत्तला दूंगा। और हां गुडनाईट तुम बांड के फ्लैट पर जाओगी। तुम्हें तब तक वहीं रहना है, जब तक बाण्ड की खबर नहीं लग जाती। तुम फ्लैट पर रहकर वहां की निगरानी करोगी। किसी भी क्षण कोई बात देखो—तो मुझे सूचना देना।'

—'मैं समझ रही हूं चीफ।'

—तो जाओ ! एम. ने कहा और पाईप का गहरा कश खींच कर वह चेयर की पुश्त से लग गया।

शैली मार्ग्रेट और गुडनाईट उठी और चुपचाप वापिस हो गई। नीचे आकर वह दोनों अपनी कारों से अलग-अलग दिशा की तरफ रवाना हो गई।

+ + +

'रावर्ट ह्यूम की कार तेजी से जार्ज रोड़ की तरफ बढ़ रही थी। रावर्ट का दिमाग इस समय बाण्ड के लिये उलझा हुआ था। जेम्स बाण्ड को लापता कर दिया गया है, और आज दो दिन हो गये हैं। बाण्ड को किसने और क्यों लापता किया है, उसे इस बात का शीघ्र पता लगना था। बाण्ड सही सलामत है। उसके साथ कैसा सलूक किया जा रहा है···यह बाते अभी अन्धेरे में थी। वह लोग कौन है ? और उनका बाण्ड को अपहृत करने में क्या मकसद है, इसका भी पता लगाना उसकी जिम्मेदारी थी।

वह सोच रहा था—'कैसे भी वह बाण्ड की खोज करेगा।'

यह उसका दृढ़ प्रण था। वह हमेशा अपने मिशन में असफल रहा था। इससे उसकी पोजिशन कुछ डाऊन हो गई थी, फिर भी चीफ एम. की नजरों में उसके लिये स्थान बना हुआ था। वह जानता था चीफ उसे अवसर मोका इसीलिये देते रहते हैं कि वह कुछ नई-नई जानकारी और शिक्षा प्राप्त करता रहे। वह चीफ के इरादों को एक न एक दिन अवश्य ही पूरा करके रहेगा। और आज उसे चीफ का मन जीत लेने का अच्छा अवसर प्राप्त हुआ था। वह सोच रहा था—बाण्ड की तलाश करके वह चीफ के मन में अपने कार्य कुशलता के प्रति विश्वास बिठा देगा।

वह दृढ़ निश्चय बना चुका था—बांड का पता वह अवश्य लगायेगा। चाहे उसे इसके पीछे कितनी बड़ी कुर्बानी क्यों न करनी पड़ जाये वह एकदम तैयार होकर चला था। और अपने मस्तिष्क को सतर्क रखकर कार्य करना चाहता था।

उसकी शानदार फिएट फर्राटे भर रही थी। उसकी नजरें सामने रोड पर जमी हुई थी। वह बड़ी सावधानी से कार ड्राईव कर रहा था। ऐसे समय में जबकि मनुष्य का मस्तिष्क उलझनों में जकड़ा हुआ हो और मन परेशानियों में घिरा हुआ हो तो आदमी का कार पर काबू रख पाना आसान बात नहीं है, परन्तु राबर्ट के हाथ स्टेयरिंग पर एकदम बैठे हुये थे।

फिएट दौड़ रही थी। और बार्ज रोड़ निकट आता जा रहा था।

कुछ ही देर में उनकी कार बार्ज रोड़ पर पहुंच गई। वह अब काफी सतर्क हो गया था। यहां ही बाण्ड को बुलाया गया था—इसलिये उसके ख्याल से यहां खतरा था।

उसे यहां पर सावधान रहना था। यहां पर अवश्य ही अपराधियों का अड्डा हो सकता था या फिर इस स्थान की अपराधी नजर रख रहे होंगे।

राबर्ट ने अच्छी तरह इधर उधर देखा। चारों तरफ एकदम

सुनसान पड़ा हुआ था हालांकि यह एक ऊंची-ऊंची इमारतों का एरिया था, परन्तु एरिया स्टेन्डर्ड का था और इसीलिये यहां पर एकदम खामोशी थी। यहां के रहने वाले अधिकतर सरकारी अफसर थे, जो मोर्निंग में ही ड्यूटी पर जा चुके थे। अब यहां उनके परिवार ही होंगे—यह राबर्ट को मालूम था।

रोड सुनसान पड़ा हुआ था और इस पर कहीं भी कोई वाहन नजर नहीं आता था। राबर्ट की नजरें चारों तरफ का बड़ी बारिकी से निरीक्षण कर रही थी।

उसने अपना रिवाल्वर टटोला और उसे बाहर निकाल लिया और उसे चैक किया। रिवाल्वर भरा हुआ था।

राबर्ट ने स्टेयरिंग व्हील को एक हाथ से पकड़ लिया। अब वह सलो स्पीड में ड्राईविंग कर रहा था उसकी नजरें चारों तरफ का जायजा ले रही थी। रोड सुनसान पड़ा था।

उसे कहीं भी कोई व्यक्ति नजर नहीं आ रहा था।

राबर्ट की नजरें ऊंचे-ऊंचे फ्लैट पर जमी हुई थी और वह अट्ठी टू नम्बर की तलाश कर रहा था। अब वह जार्ज रोड के एरिये में काफी अन्दर तक आ गया था। उसे अभी तक अट्ठी टू नम्बर नजर नहीं आया था।

—'क्या थांड को गलत नम्बर दिया गया था?'—उसने सोचा।

अट्ठी टू नम्बर यदि होता तो उसे मिल जाना चाहिये, परन्तु अभी तक उसकी नजरों में यह नम्बर नहीं आया था। वह परेशान हो चुका था।

सिर्फ थांड की तलाश करने का यही एक सूत्र उसके पास था, परन्तु उसे लग रहा था—यह सूत्र एकदम गलत है। यही विचार उसका सीक्रेपी में पीली और गुडनाईट के सामने था, वह अच्छी तरह समझ रहा था—थांड को गलत फोन करके बुलाया गया

और रास्ते में ही उस पर हमला कर दिया गया। अटी टू का नम्बर लगत है।

वह निराश हो चला था।

तभी उसकी नजरें एक फ्लैट पर गईं। वह अटी टू नम्बर का फ्लैट था। राबर्ट की आंखों में विचित्र सी चमक उत्पन्न हो गई।

वह फिएट को सड़क पर ही रोक कर नीचे उतरा। उसने फिएट के शीशे और दरवाजे लॉक कर दिये। फिर वह अटी टू नम्बर फ्लैट की तरफ बढ़ गया।

यह एक नीले रंग का फ्लैट था और एक आधुनिक ढंग से बना हुआ था। इसके सामने हुं ऊपर जाने को सीढ़ियां नजर आ रही थी। राबर्ट सीढ़ियों के नजदीक आकर रुक गया उसने अपने रिवाल्वर को एक बार फिर टटोला और उसे कोट की सामने वाली जेब में डाल लिया। फिर उसने अपना फैल्ट हैट माथे पर काफी झुका लिया और सीढ़ियों पर चढ़ने लगा।

वह काफी सतर्क और सावधान नजर आ रहा था। उसका मस्तिष्क इस समय एकदम सतर्क और क्रियाशील था।

वह सीढ़ियां पार करके ऊपर आ गया। अब वह एक कारीडोर में खड़ा था। यहां पर सामने ही एक जैसे काफी कमरे थे। उसकी समझ में नहीं आया कि वह किस दरवाजे पर दस्तक दे। वह कुछ क्षण तक खड़ा सोचता रहा, फिर उसने आगे बढ़ कर दरवाजे को थपथपा दिया।

उसे महसूस हुआ अन्दर कोई चल रहा है। आहट दरवाजे की तरफ ही आ रही थी। वह सतर्क और चौकन्ना था आने वाला स्त्री है या पुरुष अभी यह नहीं कहा जा सकता था, परन्तु वह हर खतरे और परिस्थिति का सामना करने के लिये तैयार था।

आहट अब काफी नजदीक आ गई थी। फिर किसी ने अन्दर

से दरवाजे का की-होल खोला और उसके तुरन्त बाद दरवाजा खुल गया।

सामने एक निहायत खूबसूरत युवती खड़ी थी उसकी आंखें राबर्ट को पहचानने की जैसे कोशिश कर रही थी।

राबर्ट मुस्करा पड़ा—'तुम्हारा प्रयास विफल है, हमारी यह प्रथम मुलाकात है।' वह युवती आश्चर्य से उसे देखने लगी।

फिर वह बोली—हां हमारी प्रथम ही मुलाकात लगती है, तुम कहां से आये हो ?'

—'क्या इसमें तुम अकेली रहती हो ?' राबर्ट ने उसकी बात का उत्तर न देकर अपना प्रश्न किया और युवती की आंखों में झांकने लगा।

युवती की नजरों में शर्म झलकने लगी उसके गाल रक्तिम हो उठे। वह सिर झुका कर बोली—'मेरे साथ मेरे हसबेन्ड भी रहते हैं।' हमारी नई-नई मैरीज हुई है।'

—ओह। मुबारक हो, राबर्ट ने मुस्करा कर कहा—'तुम्हारे हसबेन्ड क्या काम करते हैं ?'

—'वह एक फर्म के मैनेजर हैं।'

—क्या तुम मुझे यहीं खड़ा रखोगी ?' राबर्ट ने पूछा।

—ओह ! आई एम सॉरी ! वह युवती झेंप कर बोली—आओ अन्दर आ जाओ। मैं तो तुम्हें अन्दर बैठाना भूल ही गई थी।

राबर्ट उसके पीछे-पीछे अन्दर आ गया। वह उसे एक शान-दार रूम में लाई। यह आधुनिक ढंग का ड्राइंग रूम था। इसमें शानदार सोफासेट थे।

—'बैठो।' उसने कहा।

राबर्ट बैठ गया और फिर उसने उस युवती की तरफ देखा। वह अभी भी सस्पेंस में पड़ी हुई थी और तिरछी नजरों से उसकी तरफ देख रही थी।

—बैठ जाओ ! रावर्ट ने उसको इशारा दिया। वह बैठ गई और बोली—'तुम्हारा नाम क्या है ?'

—'मुझे रावर्ट ह्यूम कहते हैं। मैं सैन्ट्रल रोड़ पर रहता हूं, और यहां किसी आवश्यक काम से आया हूं।'

—काम क्या है ? उस युवती ने पूछा।

—परसों की रात यहां से एक व्यक्ति ने मेरे मित्र को फोन किया था। उसने कहा था कि मेरी जान खतरे में है और मेरा मित्र उसकी रक्षा के लिये तुरन्त आ जाये।

—आश्चर्य है। यहां से ऐसा फोन कौन कर सकता है ! यहां मैं और मेरे हसबैन्ड ही रहते हैं। इसके अलावा हमारे पांच सर्वेन्ट हैं। वह फोन नहीं कर सकते और इसके अलावा यहां पर किसी की जान को खतरा नहीं हुआ।'

—इससे बात खत्म नहीं होती। क्योंकि मेरे मित्र को धोखे से बुलाकर लापता कर दिया गया है। उसकी तलाश मैं कर रहा हूं।

—'तो आप पुलिस के आदमी हैं।' वह युवती बोली।

—यही सोच लो। मेरा मित्र भी पुलिस से सम्बन्धित था। रावर्ट ने कहा।

—हूं ! वह युवती गम्भीर हो गई। फिर वह बोली—'आपको वहम हुआ है, यहां पर से ऐसा फोन कोई नहीं कर सकता।'

—लेकिन इसी फ्लैट से फोन किया गया था। मेरे पास इसका प्रमाण है। रावर्ट क्रुद्ध पर्मी से बोला—'तुम चुपचाप सब बता दो।'

—क्या मैं जान सकती हूं, तुम्हारे पास किस तरह का प्रमाण है ?—उस युवती ने गम्भीरता के साथ पूछा और रावर्ट के चेहरे पर नजरें गड़ा दी।'

—यह बताना जरूरी तो नहीं। रावर्ट गम्भीर लहजे में

बोला—'हां तुम ठीक ठीक बताओ, यहां से परसों रात को किसने फोन किया था ?'

—तुम्हें वहम है ! भला रात को यहां से कौन फोन कर सकता है, कुछ हुआ भी होता तो उसकी जानकारी मुझे अवश्य रहती। परन्तु ऐसा हुआ ही नहीं। सम्भव है आप गलत फहमी मे हैं।

—'बिलकुल नहीं, मुझे यही फ्लेट का नम्बर दिया गया है बंकिम के लिये, क्या इस फ्लैट का नम्बर अटी टू नहीं है ?'

—नम्बर तो सही है। मैं इस बात से इन्कार नहीं कर रही हूं, परन्तु आपको किसी ने गलत सूचना दी है।

किसी ने कहीं से फोन करके हमारे फ्लैट का नम्बर आपको दिया है।

राबर्ट गहरी सोच में पड़ गया। ऐसा भी हो सकता था—उसने युवती की आंखों मे झांका और कहा—'क्या आप एकदम ठीक कह रही है ?'

—आपको मुझ पर यकीन करना चाहिये ?'

—अच्छा तो यह बताइये, आपकी किसी से यहां दुश्मनी है ? राबर्ट ने पूछा।

—नहीं ! हमारी मेरीज को केवल तीन महीने हुये हैं। इतने थोड़े समय में हम किसी से दुश्मनी मोल नहीं ले सकते। हमारा यहां सभी से प्यार है, सभी से हमारे अच्छे सम्बन्ध हैं।'

—हूं ! आपके हसबैन्ड का क्या नाम है ?'

—मी थामसन ! उसने बताया :

—इनकी फर्म का नाम ?' डायरी मे लिखते हुये राबर्ट ने पूछा।

—'फर्म का नाम—मोनिको प्लेईंग कार्ड कम्पनी। ग्रान्ट रोड।

राबर्ट ने वह एड्रेस नोट किया। फिर उठते हुये बोला—

'तुम्हारी जानकारी सही होनी चाहिये।'

—'तुम्हें मैं गलत कुछ भी नहीं बता रही हूँ मिस्टर राबर्ट! आपके मित्र के साथ धोखा हुआ है, इसका मुझे गहरा दुख: है।'

—'हूँ। अच्छा मैं चल रहा हूँ, फिर कभी वक्त निकाल कर आऊंगा।'

वह युवती कुछ नहीं बोली।

राबर्ट पलट कर दरवाजे की तरफ बढ़ा। तो वह युवती बोल बैठी—सुनो।'

—मैंने परेशानी और आपके प्रश्नों के दरम्यान तुमसे ड्रिंक के लिये नहीं पूछा। तुम बैठो—मैं तुम्हारे लिये...'

—नहीं! मेरे पास समय बिलकुल नहीं है।

—परन्तु तुम पहली बार यहां आये हो।' कम से कम ड्रिंक तो तुम्हें कर ही लेना चाहिये।'—युवती ने कहा। उसके स्वर में आग्रह था।

—मैं परेशान हूँ! वरना जरुर बैठता! राबर्ट ने कहा और फिर वह तेजी से सीढ़ियां उतर गया।

बांड की नींद उचट गई!

रूम में अन्धकार भर गया था और कुछ भी नजर नहीं पड़ रहा था। शाम ढल गई थी। बांड उठ कर पलंग पर बैठ गया और तभी उसके पांव में जोर से टीस उभरी।

वह दर्द से कराह उठा। पांव का जख्म का उसे ख्याल हो आया था। यहां पर मेडम ग्लेसी ने उसे गोली मार दी थी जब वह मेडम ग्लेसी पर हमला करने लगा था।

उसने धीरे से अपने पांव को खींचा और फिर देखने लगा। उस पर बेंडिज की गई थी।

बेंडिज इतनी शानदार तरीके से की गई थी कि देखकर लगता था मेडम ग्लेसी एक पत्थर दिल अपराधिनी नहीं बल्कि एक मोम दिल नर्स है।

बांड को ग्लेसी पर गुस्सा भी आ रहा था और प्यार भी। चूंकि वह खूबसूरत थी, इसलिये उसका मन करता था—ग्लेसी से प्यार करे।

परन्तु ग्लेसी का रास्ता हिंसा और पाप से भरा हुआ रास्ता था। ऐसी युवती से वह मोहब्बत नहीं कर सकता था।

ग्लेसी कितनी भी खूबसूरत थी परन्तु वह उसकी दुश्मन ही हैं, क्योंकि वह एक अपराधी दल की मुख्या है। वह अपराध करती है और आंतक फैलाती है। इसे कानून के हवाले करना बांड अपना कर्तव्य समझता था।

उसने अपने पांव को लम्बा कर दिया और इत्मीनान से तकिये के सहारे बैठ गया।

रूम अन्धकार में डूबता जा रहा था और कहीं किसी की आहट तक सुनाई नहीं पड़ रही थी। बांड की इच्छा हुई वह उठ कर चुपचाप यहां से फरार हो जाये।

परन्तु वह ऐसा नहीं कर सकता था।

उसकी पिंडली में गोली का जख्म था। इसके अलावा मेडम ग्लेसी ने उस जख्म को चाकू के साथ गहरा कर दिया था। इस-लिये कि वह भाग न पाये। बांड को अब समझ में आ गया कि उसकी निगरानी क्यों नहीं की जा रही है। चूंकि वह चल फिर नहीं सकता है, इसलिये मेडम ग्लेसी उसकी तरफ से एकदम लापरवाह है।

बांड ने एक गहरी श्वास ली।

फिर उसने आंखे मूंद ली। उसे लगा उसका पेट भूखा है,

उसे खाना चाहिये। क्योंकि जख्म के कारण उसमें कमजोरी आ गई थी।

बांड ने रेशमी डोरी की तरफ देखा।

और फिर उसने डोरी को पकड़ कर खींच दिया। कहीं दूर घन्टियां बज उठी थी और फिर बांड को लगा कोई जल्दी जल्दी इसी तरफ को आ रहा है। मेडम ग्लेसी ने रुम में कुछ देर बाद ही प्रवेश किया।

—तुम जाग गये हो!' वह प्यार से बोली। अब वह उसके काफी नजदीक आ गई थी।

—हां जाग गया हूं। बांड कुछ नाराजगी के साथ बोला।

—तुम कुछ नाराज आ रहे हो।—ग्लेसी ने आश्चर्य से पूछा!

—बांड ने उसे घूरा और फिर उखड़े स्वर में बोला—'यह कहां की मेहमानदारी है। तुम यहां रोशनी तक नहीं कर सकती थी क्या?'

ग्लेसी गम्भीर हो गई—'तुम आराम कर रहे थे, इसलिये मैंने तुम्हें डिस्टर्ब नहीं किया बांड। मैं जानती थी, तुम्हें आराम चाहिये।'

—'हूं! बांड गर्दन झटक कर बोला—बहुत ख्याल रख रही हो मेरा।

—'जिसका दिल पत्थर होता है, वह इसका मतलब क्या समझेगा। ग्लेसी उदास स्वर में बोली और फिर वह उठ कर एक दीवार की तरफ बढ़ गई। उसने दीवार पर लगे स्विच बोर्ड का एक स्विच दबाया और वह रुम रोशनी से जगमगा उठा।

अब ग्लेसी और बांड एक दूसरे को बखूबी देख सकते थे। बांड ने ग्लेसी पर नजरें डाली। वह व्हाईट नाइट गाउन में थी यह गाउन पारदर्शक था और इसमें से ग्लेसी का संगमरमर जैसा शरीर नजर आ रहा था। बांड की नजरें गलेसी के अंगों को

टटोलने लगी थी। उसका दिल गुदगुदा रहा था और वह एक अजीब सी सिरहन अपने शरीर में महसूस करने लगा था।

—क्या तुम्हें भूख लगी है?' ग्लेसी ने उसके नजदीक आकर पूछा।

—बेशक! बांड ने सिर हिला कर कहा और फिर उसकी नजरें ग्लेसी के उभरे हुये वक्ष पर जा अटकी।

ग्लेसी भांप गई। वह मुस्कराकर बोली—'यह सब कुछ तुम्हारा हो सकता है बांड, परन्तु इसके लिये तुम्हें मेरा एक साथ देना पड़ेगा।'

—किस मामले में साथ देना होगा मुझे?' बांड ने उत्सुकता से पूछा।

—मुझे तुम्हारे महकमे की फाइल न० एक्स चाहिये। ग्लेसी ने उसकी आंखों में झांकते हुए कहा।

बांड का दिमाग चकरा गया—

'फाइल न० एक्स'—सीक्रेसी के महत्वपूर्ण गुप्त बातों का इस फाईल में रिकार्ड रखा गया है इस फाइल का दुश्मन के हाथ में पड़ जाना कितनी खतरनाक बात है, यह बांड समझता था मेडम ग्लेसी ने उसे किस लिए कैद किया है यह अब उसके सम्मुख स्पष्ट हो गया था। उसकी आंखों में खून उतर आया।

वह अब कठोर लहजे में बोला—मेडम ग्लेसी बांड को मूर्ख मत समझना। शायद तुम सोच रही होगी मैं रूप का दीवाना हूं पैसा मेरी कमजोरी है। मैं तुम्हारी दुनिया भर की चमक-दमक में फंस कर वह फाईल तुम्हें दिलवा दूंगा। इस ख्याल को मन से निकाल दो। वह 'सीक्रेट फाईल' मेरी जान से भी ज्यादा है।'

मेडम ग्लेसी का चेहरा कठोर हो गया—'वह बांड को घूरते हुए बोली—'बांड यह तुम्हारा फ्लैट नहीं मेरा हैडक्वार्टर है। यहां मेरी मर्जी चलती है। मैं जो चाहती हूं वही होता है।'

—यह तुम्हारी गलत धारणा है ग्लेसी।

—मेरी धारणा कभी गलत नहीं होती, मैं तुम्हें वह सीक्रेट फाइल न० एक हासिल करके दिखा दूंगी।

ग्लेसी दृढ़ता के साथ बोली—वह फाइल शीघ्र ही मेरे कब्जे में आ जाएगी और इसे मेरे कब्जे में लाने के लिए तुम पूरा साथ दोगे।'

बांड ने जोरदार ठहाका लगाया—और फिर वह गुर्रा पड़ा—'बांड को चुनौती दे रही हो, इसलिये कि मैं तुम्हारे कैद में फसा हुआ हूँ—शायद तुम मुझ पर अपना बल प्रयोग करोगी ?

—'यदि सीधी तरह तुम नहीं माने तो, मैं यह भी कर सकती हूं।'

—'तुम्हारे पास नोट बुक है ? उपहास भरे स्वर में बांड ने पूछा।

—है ! क्यों क्या करोगे तुम उसका ?'

—मैं कुछ नहीं करुंगा। हां तुम्हारी सहुलियत के लिए मैं बता दे रहा हूँ—तुम नोट बुक में नोट करो चलो निकालो नोट बुक।'

ग्लेसी ने अपनी नाइट गाउन की जेब से एक छोटी सी नोट बुक और पैन निकाला।

बांड के चेहरे पर शरारत की रेखाएँ तीव्र होने लगी। वह ग्लेसी की आंखों में झांक कर बोला–'लिखो बांड तुम्हारे अरमान कभी पूरे नहीं होने देगा।'

ग्लेसी ने नोट बुक खींच कर बांड को दे मारी। बांड झुकाई दे गया और मुस्करा पड़ा।

ग्लेसी का अंग प्रत्यंग क्रोध से कांपने लगा था। वह पांव को जोर से जमीन पर पटकती हुई चीख पड़ी—तुमने अभी ग्लेसी का सदव्यवहार देखा है क्रोध नहीं देखा। मैं तुम्हें नाक तक रगड़ने के लिये मजबूर कर सकती हूँ।'

—बांड मोम का या शीशे का नहीं बना हुआ है। बांड मजबूत इस्पात का बना हुआ है।

बांड सख्ती के साथ बोला।

—मैं मजबूत इस्पात को भी गलाना जानती हूं। आज से तुम्हारा खाना पीना बन्द। ग्लेसी क्रोध से चीख कर बोली।

—मुझे अभी तक तुमने खाना दिया ही कहां है।' बांड उपहास भरे स्वर में बोला—मैं भूखा रहना जानता हूं मुझे तुमसे खाने के लिये भीख नहीं मांगनी पड़ेगी।'

—तुम भीख मांगोगे। तुम गिड़गिड़ाओगे बांड। मैं तुम्हारी जिन्दगी को उस कुत्ते की तरह बना दूंगी, जो रोटी के छोटे से टुकड़े के लिये दरवाजों पर जाकर पूंछ हिलाता है।'

—तो तुम्हें मना कौन कर रहा है मैं भी देखना चाहता हूं मेडम ग्लेसी की शक्ति कहां तक है ?'

बांड पूर्ववत मुस्कराते हुये बोला।

ग्लेसी को उसकी मुस्कराहट चुभ गई उसने बांड को आग्नेय नेत्रों से घूरा और फिर रेशमी डोरी को पकड़कर खींच दिया। दूर घन्टियां बजी।

थोड़ी देर में ही ग्लेसी के एक आदमी ने प्रवेश किया। वह शरीर से काला और सूरत से बेढंगा था···उसका सिर एकदम गंजा था, जो दुधिया रोशनी में शीशे की तरह चमक रहा था।

बाण्ड उसे देखकर हंस पड़ा और बोला—'ग्लेसी तुमने ऐसे ऐसे कार्टून पाल रखे हैं। क्या सर्कस की स्टेज तैयार करने का प्रोग्राम है।'

—'शटअप। ग्लेसी क्रोध से चीखी और फिर उसने उस आने वाले व्यक्ति को इशारा देकर कहा—'कागो ! इसे उठाकर जेल खाने में पहुंचा दो।'

कागो आगे बढ़ा और वह बाण्ड के नजदीक आ गया।

उठाने का शायद वह अर्थ समझता था। उसने एक जबरदस्त प्रहार बान्ड के जबाड़े पर किया बान्ड को लगा किसी ने भारी हैमर खींचकर उसके जबाड़े पर दे मारा है। वह दर्द से तड़फ उठा, परन्तु उसने अपने मुंह से चीख नहीं निकलने दी।

कागों की आंखों में आश्चर्य उमड़ आया था। शायद उसे विश्वास था कि उसका एक ही मुक्का बान्ड को नीचे गिरा देगा।

बान्ड ने अपना जबाड़ा सहलाते हुए कहा—'कागों याद रखना...एक दिन तुम्हारे एक एक मुक्के का बदला लूंगा।'

—'अहूं। कागों ने गर्व से सिर झटका और फिर उसने एक और मुक्का बाण्ड के जबाड़े पर दे मारा। बाण्ड तिलमिला उठा और उसने कागो का गिरेहबान पकड़ लिया।

परन्तु कागों ने अपने शरीर को झटका दिया। बाण्ड की पकड़ मजबूत नहीं थी। वह कागों के झटके के साथ नीचे गिर पड़ा। गिरते ही उसकी टांग को जोर से झटका लगा और उसका जख्म खुल गया जिसमें से खून की धारा बह निकली।

बाण्ड दर्द से तड़प उठा।

ग्लेर्दा ने मुंह बनाया और वह तेजी से रूम से निकल गई। अब कागों सब कुछ करने को तैयार था उसने बान्ड की पीठ पर दुहत्थड़ जमाने शुरू कर दिये। बाण्ड को महसूस हो रहा था—जैसे कोई मोटे लोहे के सरिये को उसकी पीठ पर पटक रहा है। वह तड़पता रहा और धीरे-धीरे उसकी शक्ति क्षीण पड़ती चली गई।

वह कुछ ही देर के बाद पीड़ा और मार के कारण होश खो बैठा। कागों के चेहरे पर विजय की मुस्कान थिरक उठी। उसने बान्ड को गरेबान से पकड़ा और फिर खींचते हुए उस रूम से बाहर निकल गया।

जिस समय कागों कारीडोर में बाण्ड के बेहोश शरीर को बेदर्दी से खींच रहा था। एक रूम की विन्डो से मेडम ग्लेसी यह

दृश्य देख रही थी वह गहरी सांस लेकर बुदबुदा उठी—'काश तुमने मेरी बात मान ली होती।' और फिर उसने अपना चेहरा दूसरी तरफ घुमा लिया।

राबर्ट ह्यूम गहरी निराशा में डूब चुका था···चीफ एम० की तरफ से उसे बाण्ड के विषय में एक ऐसा सूत्र मिल गया था जिसके आधार पर बाण्ड को तलाश किया जा सकता था। राबर्ट ह्यूम फ्लैट न० अटी टू को चैक कर चुका था···वहां से उसे कोरा उत्तर मिला था कि फोन यहां से नहीं किया गया है और न ही यहां किसी की जान को किसी प्रकार का खतरा ही था।

चूंकि बान्ड को फोन किसी मर्द ने किया था···इसलिये राबर्ट को उस युवती के हसबेंड जी० थामसन से मिलना लाजमी था।

जी० थामसन किस टाइप का आदमी है। यह जानना अति आवश्यक था। उससे मिलना बहुत जरूरी था। क्योंकि राबर्ट का विचार था अपनी वाईफ की अनुपस्थिति में थामसन ने बाण्ड को फोन किया होगा। यह काम वह स्वयं नहीं तो किसी के दबाव में आकर या लालच में आकर भी कर सकता था उसने बाण्ड को फोन करके बुलाया होगा और आगे का काम अपराधियों ने पूरा किया हो।

चूंकि फ्लैट का नम्बर अटी टू बताया गया था इसलिये राबर्ट इतनी आसानी से इस परिवार को नहीं छोड़ सकता था। वह थामसन से मिलकर ही कोई निर्णय कर सकता था। उसने सीढ़ियों से उतर कर फिएट की ड्राईविंग सीट सम्भाली।

उस युवती ने अपने हसबैन्ड को कम्पनी का एड्रेस उसे दिया था, वह मानिको प्लेईंग कार्ड की कम्पनी में मैनेजर और था ग्रांट रोड़ पर वह कम्पनी थी।

राबर्ट ने फिऐट को दोड़ा दिया।

वह शीघ्रताशीघ्र ग्रांट रोड़ पर पहुंच जाना चाहता था। उसके पांव एक्सीलिटर पर जम गये। वह फास्ट ड्राईविंग करने लगा था।

वह बांड के लिये काफी चिन्तित नजर आ रहा था। वाण्ड कहां है ...वह जीवित है या मार डाला गया है? यह बातें उसे परेशान और उदास बना रही थी। वाण्ड की तलाश करना जरुरी थी वह फिएट को दौड़ाता रहा।

कुछ ही देर में वह ग्रान्ट रोड़ पर पहुंच चुका था।

उसने मोनिको प्लेइंग कार्ड कम्पनी जल्दी ही खोज निकाली यह एक विशाल इमारत थी जिसके ग्राऊन्ड फ्लोर पर कार पार्किंग बना हुआ था। राबर्ट ने कार को पार्किंग में लगा दिया और फिर हैट को ठीक करते हुए वह लिफ्ट की तरफ बढ़ गया। लिफ्ट में आकर उसने लिफ्ट मैन से पूछा—'मैनेजर कहां बैठते हैं इस कम्पनी के?'

—'आप थर्ड फ्लोर पर उतर जाइये। फस्ट रूम में ही वह बैठते हैं।' लिफ्ट मैन ने बताया और फिर उसने लिफ्ट ऊपर बढ़ा दी।

सेकेन्ड़ों में ही वह थर्ड फ्लोर पर लिफ्ट से उतर गया। फस्ट रूम लिफ्ट के सामने ही था। उसके बाहर एक सफेद वर्दी में चिपुन बैठा हुआ था। राबर्ट को देखकर वह खड़ा हो गया।

—'क्या मैनेजर साहब अन्दर मोजूद हैं?' राबर्ट ने उससे पूछा।'

—'हां! लेकिन आपको उनसे मिलने के लिये अपना इन्ट्रो·

इन्ट्रोडक्शन कार्ड देना होगा। वह बगैर इसके···।'

राबर्ट ने उनकी बात काट दी। उसने पलक झपकते ही अपनी जेब से इन्ट्रोडेक्शन कार्ड निकाल लिया था, उसने पियुन की तरफ बढ़ा कर वह बोला—'यह लो कार्ड उन तक जल्दी से पहुंचा दो, और मुझे उनसे जरूरी मिलना है, और जल्दी मिलना है।

—'जी। पियुन ने सिर हिलाया और फिर वह ग्रीष्म का डोर खोलकर अन्दर घुस गया और शीघ्र ही वह वापिस आकर बोला—

—'आप अन्दर जा सकते हैं।'

राबर्ट ने अपने कोट को नीचे खींचा और फिर पियुन द्वारा खोले डोर में से अन्दर आ गया। रूम बहुत खूबसूरती समेटे हुए था। इसमें बहुकीमती डेकोरेशन था। सामने एक चमचमाती मेज थी। जिस पर फाइलों का ढेर लगा पड़ा था इसके पीछे ही एक गंजी खोपड़ी नजर आ रही थी।

राबर्ट ने एक चेयर पर बैठते हुए कहा—'क्या मैं जी० थामसन से मिल रहा हूं।'

—'आपको गलत फहमी है मेरा नाम जार्ज सिजर है।' मेज के ऊपर पड़ी फाइलों का ढेर एक तरफ सरकाकर गंजी खोपड़ी वाले ने कहा।

राबर्ट को एक झटका लगा। वह उठकर खड़ा हो गया और पहली बार उसने गंजी खोपड़ी वाले की सूरत को देखा।

उसका चेहरा झुर्रियों से भरा हुआ था वह आंखों पर सफेद फ्रेम का सफेद शीशे वाला चश्मा चढ़ाये हुए था···यह नजर का चश्मा था।

—'क्या आपका नाम जी० थामसन नहीं है?' राबर्ट ने

प्रश्न किया।

'नहीं, मैंने अपना नाम आपको बता दिया है।'

—'तो शायद जी० थामसन आज नहीं आये हैं या वह कहीं और बैठे हैं।'

—'लेकिन इस नाम का कोई शख्स इस कम्पनी में नहीं है मि० राबर्ट।'

—क्या कह रहे है आप ?' राबर्ट परेशानी से बोला—'वह यहां के मैनेजर है।'

—आप अवश्य ही किसी गलत जगह पर आ निकले है यहां का मैनेजर तो मैं हूं।'

'लेकिन मि० सिजर मुझे 'मोनको प्लाईंग काडं कम्पनी' का एडरस दिया गया या था। राबर्ट गम्भीर स्वर में बोला—

—'हां आपको पहुंच एकदम ठीक जगह ही हुई है परन्तु इस नाम का आदमी हमारी कम्पनी में नहीं है।' मैनेजर ने कहा—'आप बैठिये और इत्मीनान से बात कहिये, मैं आपकी परेशानी दूर करने की कोशिश करूंगा।' राबर्ट धम से बैठा।

—हां अब बताइये। आपको यह नाम इस कम्पनी के लिये किसने बताया था ?' मैनेजर ने पूछा।

—'पहले मैं आपसे एक प्रश्न पूछ रहा हूं—'राबर्ट हाथ उठाकर बोला।

—'पूछिये।

—'आप इस कम्पनी के मैनेजर कब से है ? और कहां रहते हैं ?'

—'आपने दो प्रश्न पूछे है परन्तु मैं आपको उत्तर दूंगा।' मनैजर गम्भीर लहजे में बोला।

—'देखिये मैं इस कम्पनी में सबसे पुराना वर्कर हूं, मुझे यहां क मैनेजर पद सम्भाले फिफटीन इयर होचुके है और मैं मालिक की तरफ से दिये गये फ्लैट में रहता हूं। मेरा फ्लैट

अल्बर्ट रोड़ पर स्थित है। यह मेरा एड्रेस है। और मेनेजर ने अपना एक कार्ड उठाकर रोबर्ट की तरफ बढ़ा दिया !

राबर्ट ने कार्ड देखा—'मेनेजर की बात एकदम ठीक थी। उसने कार्ड को कोट की जेब में सरकाते हुए कहा 'मैं उलझन में पड़ गया हूं। मुझे इसी कम्पनी का एड्रेस दिया गया। आखिर क्यों ?'

—'इसका उत्तर मैं क्या दे सकता हूं।' मेनेजर बोला—'शायद आपके साथ किसी ने धोखा किया हैं या फिर मजाक किया है।'

—'ऊं। अच्छा आप मेरी तसल्ली करियेगा—क्या कम्पनी में जी० थामसन नाम का कोई व्यक्ति नहीं है ?'

—'जी नहीं।'

—'देखिये थामसन जार्ज रोड़ पर रहता है। और तीन महीने पहले उसकी मेरीज हुई है। उसके फ्लैट का नम्बर अटी टू है।'

मेनेजर ने कुछ क्षण तक सोचने के उपरान्त कहा—'नहीं इस तरह का कोई व्यक्ति मेरी कम्पनी में नहीं है।'

—'हूं।' राबर्ट गम्भीर हो गया।

—'आखिर क्या बात है आप मुझे बताइये। सम्भव हैं मैं आपकी कोई हैल्प कर सकूं।' मेनेजर ने सहानुभूति दर्शाते हुए पूछा।

'हमारा एक जासूस लापता कर दिया गया है। मैं उसी की तलाश कर रहा हूं ? हमारे जासूस को जार्ज रोड़ से फोन मिला था। शक के आधार पर मैंने जार्ज रोड़ के अटी टू नम्बर फ्लैट को चेक किया और वहां से मुझे निराशा मिली। वहां एक औरत थी, उसने मुझे बताया कि उसकी मेरिज तीन महीने पूर्व हुई है और उसके हसबेंड 'मोनिको प्लेइंग कार्ड कम्पनी' के मेनेजर है। मैं उस युवती की बात की जांच करने ही आया था !'

—'आपको उस युवती ने बेवकूफ बनाया है।' मैनेजर सिजर बोला—'आपको तुरन्त उस युवती को गिरफ्तार कर लेना चाहिये।'

—'मैं भी यही सोच रहा हूँ, अच्छा तो मुझे इजाजत दीजिये' राबर्ट उठते हुए बोला।

'अरे बैठिये ना ! मैं ड्रिंक मंगा रहा हूँ।'

—'तो मिस्टर सिजर। मुझे तुरन्त जार्ज रोड पहुँचना है, वरना वह युवती खिसक जायेगी और मैं हाथ मलता रह जाऊंगा।'

—'ओह ! हां, आप पहले अपना कर्त्तव्य देखिये। औपचारिकता और व्यवहार तो जिन्दगी में चलते रहते हैं। मैनेजर सिजर ने कहा।

राबर्ट ने हाथ बढ़ाकर सिजर से हाथ मिलाया और फिर वह तेजी से बाहर आ गया। लिफ्ट द्वारा वह नीचे पहुँचा।

नीचे उसकी फिएट मौजूद थी। उसने उछलकर ड्राईविंग सीट सम्भाली और कार आगे बढ़ा दी।

जार्ज रोड की युवती ने उसे धोखा दिया है। इससे स्पष्ट था कि बैंक को जो फोन किया गया था, वह अठ्ठी टू नम्बर फ्लैट से किया गया था। राबर्ट उस युवती को कब्जे में करना चाहता था। उसे पूरी आशा थी, वह युवती उसे सब कुछ बता देगी। यदि वह बताने में नखरें दिखायेगी तो वह कोई और रास्ता भी जानता था। अब सारी बात थी उस युवती के मिलने की। वह युवती अभी भी फ्लैट पर मौजूद होगी यह कहना असम्भव बात थी।

'चूंकि उसने उसे बेवकूफ बनाया था, इसलिये वह अच्छी तरह जानती होगी कि उसे शीघ्र ही पकड़ लिया जायेगा। वह इसी डर से गायब हो सकती है। राबर्ट को उसके फ्लैट में होने की कम उम्मीद थी। परन्तु वह अपनी आशायें छोड़ना नहीं

चाहता था।'

उसे चार्ज रोड़ से प्रांट रोड़ की कम्पनी तक आने में और बिजर से मुलाकात करने में पच्चीस मिनट हो गये थे और अब जार्ज रोड़ तक पहुंचने में उसे दस मिनट का वक्त और चाहिये था।

राबर्ट अच्छी तरह जानता था, पैंतिस मिनट का वक्त एक व्यक्ति को निकल भागने में काफी हो सकता है। वह युवती उसे अब फ्लैट पर नहीं मिलेगी। यह उसे नजर आने लगा था, परन्तु यह उम्मीद कर रहा था कि वह युवती उसे मिल भी सकती है। इसीलिये वह कोशिश कर रहा था।

उसकी फिएट दौड़ रही थी।

वह जल्द से जल्द चार्ज रोड़ पहुंच जाना चाहता था उसका दिल धड़क रहा था क्योंकि उसे उस युवती ने अच्छी तरह बेवकूफ बना दिया था। वह स्वयं अपराधी थी। परन्तु वह उससे बड़ी शराफत से मिली थी और उसने यही स्पष्ट किया था कि वह एक अच्छी युवती है।'

राबर्ट कार को फुल स्पीड पर दौड़ा रहा था। उसने रोड़ों पर लगी रेड लाईटों का भी ध्यान नहीं रखा था। वह हौर्न देता हुआ कार दौड़ा रहा था।

रोड पर लोग उसकी फास्ट ड्राईविंग को देखकर घबरा गये थे और तरह-तरह की अटकलें लगाने लगे थे।

ट्रैफिक पुलिस स्वयं चकित और परेशान थी। कई पुलिस मैन उसकी कार का नम्बर ले चुके थे। परन्तु राबर्ट को इसकी चिन्ता नहीं थी। वह अपनी आशाओं को नष्ट नहीं होने देना चाहता था।

और फिर उसकी फिएट शीघ्र ही जार्ज रोड़ पर पहुंच गई। वह कूदकर नीचे उतरा तो चौंक गया। दो तीन पुलिस मैन उसके पीछे आ पहुंचे थे। वह मोटर साईकिल पर थे। उन्होंने नीचे

उतर कर उसे घेर लिया और फिर एक पुलिस मैन भड़क उठा—'तुम इतनी तेज कार क्यों चला रहे थे।'

—'अभी बताने का वक्त नहीं है।' राबर्ट डपट कर बोला...'तुम तीनों मेरे साथ ऊपर चलो।' और फिर उसने अपना आइडेन्टी कार्ड निकाल कर उनके आगे कर दिया। वह तीनों घबड़ा गये और उन्होंने एड़ियां जोड़कर उसे सैल्यूट दिया।

फिर वह प्रश्न सूचक नजरों से उसे देखने लगे।

—'ऊपर एक युवती है उसे गिरफ्तार करना है आओ जल्दी, और राबर्ट तेजी से सीढ़ियां चढ़ने लगा। वह तीनों पुलिस मैन उसके पीछे थे।

ऊपर पहुंच कर राबर्ट ठिठक गया। क्योंकि ऊपर सभी दरवाजे खुले हुए थे वह तेजी से अन्दर गया। और फिर वह घबरा कर बाहर आ गया।

अन्दर युवती नहीं थी। उसके अलावा वहां कोई भी नहीं था, फ्लैट सुनसान पड़ा हुआ था। राबर्ट ने सभी रूम देख डाले फिर वह निराश स्वर में बोला—'वह युवती रफू चक्कर हो गई है।'

फिर वह नीचे उतर आया। उसके पीछे वह तीनों पुलिस मैन थे वह खामोश थे।

राबर्ट अपनी कार में बैठ गया। वह काफी निराश हो चुका था, इस समय उसे जो असफलता मिली थी उसने उसे काफी निराश कर दिया था।

उसने एक ट्रैफिक पुलिस मैन से कहा—'तुम यहां डियूटी दो और आने जाने वालों पर नजरें रखो। जो यहां दिखाई दे उसे गिरफ्तार कर लेना, मैं अभी जल्दी ही यहां की निगरानी के लिये पुलिस स्टेशन से पुलिस भेज रहा हूं...फिर तुम अपनी डियूटी पर जा सकते हो।'

—'ठीक है सर ?' पुलिस मैन ने कहा।

श्रौर राबर्ट ने कार श्रागे बढ़ा दी श्रब वह सीक्रेसो लौट रहा था।

□
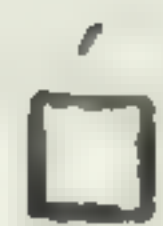
एम ने राबर्ट के निराश चेहरे को देखकर सहज में ही अनुमान लगा लिया कि राबर्ट को सफलता हासिल नहींहुई है वह गम्भीर हो उठा।

उसने राबर्ट को बैठने के लिये भी नहीं पूछा, बल्कि अपना प्रश्न दोहरा दिया...।

—'क्या तुम निराश लौटे हो राबर्ट ?'

—'यस चीफ ?' राबर्ट गहरी श्वांस लेकर बोला—

—'तुम हमेशा निराश ही लौटते हो, श्राखिर ऐसे कैसे काम चलेगा राबर्ट ?'

—'चीफ...' राबर्ट ने कहने के लिये मुंह खोला, परन्तु उसकी श्रावाज नहीं निकली। चीफ एम० ने इस बात को नोट करते हुए कहा—

—'तुम बैठ जाश्रो श्रौर मुझसे खुलासा सारा हाल कहो, श्राखिर तुम निराश क्यों लौटे हो, मैं यह जानना चाहता हूं।'

राबर्ट चैयर पर बैठ गया श्रौर उसने गले को साफ करते हुए अपनी जांच का पूरा ब्योरा कह सुनाया श्रौर चुपचाप एम० का चेहरा देखने लगा। एम० के चेहरे पर परेशानियों की गहरी लकीरें थी श्रौर वह चिन्तित नजर श्रा रहा था।

रूम मे गहरा सन्नाटा व्याप्त हो चुका था।

अचानक फोन की घन्टी ने वहां के सन्नाटे को तोड़ दिया !

एम. ने तुरन्त रिसीवर उठाया—श्रौर कान से लगाकर बोला—'यस एम. स्पीकिंग...।'

—'गुड इवनिंग सर ! मैं इन्सपेक्टर डगलस बोल रहा हूँ ।'

—गुड इवनिंग इन्सपेक्टर डगलस । कहो कैसे फोन किया है ?'

—सर ! मुझे चर्च रोड के पास में एक कार मिली है । उसका माडल ब्यूक है । मैं उसे अच्छी तरह पहचानता हूँ । यह जेम्स बांड की कार है ।'

—ओह ! जेम्स बांड की कार है...हां...हां वह कार उसी की होगी । मुझे इसका तो ख्याल ही नहीं आया था ।' एम० उत्सुकता से बोला ।

—आप की बातों से मैं कुछ गहरा अर्थ लगा रहा हूँ सर ! डगलस ने कहा—'बांड की कार का चर्च रोड़ पर मिलना भी मुझे शंका में डाल रहा है । इधर मैं दो दिन से जेम्स बांड से नहीं मिला—जबकि जेम्स बांड रोज एक बार मुझसे अवश्य ही मिलने आते थे । आखिर क्या बात है सर ?

'डगलस, जेम्स बांड परसों नाइट से लापता है ।' एम. ने गम्भीर लहजे में कहा—वह किसी खतरनाक अपराधियों के हाथ आ गया है ।

—क्या बांड के लिये ऐसी सम्भावनायें लगाई जा सकती हैं ! डगलस ने पूछा ।

—'क्यों ? क्या बांड धोखा नहीं खा सकता ?' एम. ने पूछा ।

—धोखा तो धोखा ही होता है सर...परन्तु बांड से ऐसी उम्मीद बहुत कम रहती है ।

—अब तो वह फंस ही चुका है । तुम बताओ कार किस हालत में है ?

—कार की पोजिशन तो ठीक है सर । आप किसी को भेज कर...'

—'मैं स्वयं आ रहा हूँ ।' एम. बोला—मैं कार की स्थिति से कुछ जानना चाहता हूँ ।

—'मैं शीघ्र ही चर्च रोड पहुंच रहा हूं।'

—आप आ जाइये ! मैं चर्च रोड पर कार के समीप ही हूं सर। इन्सपेक्टर डगलस ने कहा।

—मैं आ रहा हूं ! एम. ने कहा और उसने रीसीवर रख दिया। फिर वह राबर्ट ह्यूम की तरफ उन्मुख हुआ—'राबर्ट तुम भी चलो। चूंकि इस मिशन पर तुम काम कर रहे हो, मैं चाहता हूं कि तुम सब कुछ अपनी आंखों से देखो।

—मैं तो चलूंगा ही चीफ ! राबर्ट उठते हुये बोला।

और एम. भी उठकर खड़ा हो गया। उसने अपना फैल्ट हैट उठाकर गंजे सिर पर रखा और पाईप मेज पर रख दिया। फिर राबर्ट के पास आ गया।

—'आओ चलें।' एम. ने कहा।

और राबर्ट चीफ के साथ रूम से बाहर आ गया। वह दोनों ओफिसी के बाहर आ गये।

नीचे राबर्ट की फिएट मोजूद थी। उसने चीफ एम. की तरफ देखा—एम. ने आंखों से उसे इशारा दिया। वह कार की ड्राइविंग सीट पर बैठ गया।

उसने एम. के लिये बराबर का दरवाजा खोला—एम कार की सीट पर बैठ गया। राबर्ट ने कार को स्टार्ट किया और आगे बढ़ा दिया।

—कहां चलना है चीफ ?' उसने पूछा।

—'चर्च रोड चलो।' एम. गम्भीरता से बोला।

राबर्ट ने कार को फुल स्पीड पर दौड़ा दिया। चर्च रोड पहुंचने तक चीफ एम. ने मुंह नहीं खोला। राबर्ट भी चुपचाप ड्राइविंग करता रहा था। फिर चर्च रोड पहुंच कर उसने एम. की तरफ देखा।

—देखो मत सीधे कार चलाओ—'जहां बाड की कार नजर आये कार रोक देना।' एम. सीरियस लहजे में बोला।

राबर्ट को लगा चीफ परेशानी के कारण ही उससे रूखा व्यवहार कर रहे है। वह खामोशी से कार ड्राईव करता रहा। कुछ ही देर मे उसे एक जीप और बांड की ब्यूक नजर आई ब्यूक के पास दो तीन पुलिस मैन और इन्सपेक्टर डगलस खड़ा था।

राबर्ट ने उसके पास ही कार रोक दी।

इन्सपेक्टर डगलस लपक कर कार के पास आया और उसने चीफ एम की तरफ का दरवाजा खोलकर एम. को सैल्यूट दिया।

एम. नीचे उतर आया। उसे बारी-बारी से वहां उपस्थित पुलिस मैनो ने सैल्यूट दिये। एम. सिर हिलाकर उनका प्रत्युत्तर देता गया। फिर वह बांड की कार के समीप आ गया। उसके पीछे राबर्ट हयूम था।

बांड की कार रोड़ पर तिरछी खड़ी थी। एम. ने कार का बहुत बारीकी से निरीक्षण किया। कार से कुछ पीछे रोड़ पर टायरों की रगड़ के गहरे निशान बने हुये थे—इससे स्पष्ट अनुमान लगाया जा सकता था कि कार को बांड ने अचानक जबरदस्त ब्रेक लगाये थे। ऐसा उसी हालत में हो सकता था—जबकि उसको दुर्घटना का भय रहा हो।

एम. ने कार के आसपास का निरीक्षण किया। फिर उसने राबर्ट की तरफ देखा। वह भी बहुत बारीकी से कार की स्थिति को चैक कर रहा था।

—'राबर्ट तुम क्या अन्दाज लगा रहे हो? एम. ने पूछा।

—चीफ। राबर्ट बोला—'मैं सोच रहा हूँ फोन मिलने पर बांड तुरन्त ही जाजं रोड़ की तरफ रवाना हो गया था। वह उस व्यक्ति की हिफाजत के लिये कार को बहुत फास्ट ड्राईव कर रहा था—परन्तु मुझे लगता है उस समय बांड की कार का पीछा किया जा रहा था और बांड इससे वाकिफ था—परन्तु चूंकि उस व्यक्ति की जान खतरे में थी। इसलिये वह रास्ते में रुकना

नामुमकिन समझता था वह कार दौड़ाता रहा और फिर पीछा करने वाली कार आगे आकर इस तरह अड़ गई कि बांड को तुरन्त ब्रेक लगाने पड़े। सड़क पर टायरों की रगड़ के निशान यही जाहिर करते हैं।

—तुमने यह कैसे अनुमान लगाया है कि बांड की कार का पीछा किया जा रहा था ? एम. ने पूछा।

—चीफ जिस पोजिशन में बांड की कार खड़ी है, उससे यही स्पष्ट होता है कि बांड की कार के सामने अचानक ही कोई कार आ गई थी। बांड की कार तिरछी खड़ी है। उसने सामने आने वाली कार की दुर्घटना से बचने के लिये अपनी कार को तिरछा कर दिया था।

—ठीक ! उस कार में अवश्य ही अपराधी रहे होंगे। जिन्होंने बांड को घेर लिया होगा और फिर बांड फंस गया।

—'जी हां ! राबर्ट ने सिर हिलाया।'

—यहां पर हाथापाई के भी चिन्ह नजर आ रहे हैं। बांड आसानी से उन लोगों के हाथ में नहीं आया होगा चीफ। उसने बचाव के लिये काफी संघर्ष किया होगा। परन्तु उन लोगों की संख्या अधिक रही होगी और वह शस्त्रों से लेश रहे होंगे।

—हां ! बॉड निहत्थे दो चार आदमियों को कुछ नहीं समझता।' एम. ने कहा—'वह लोग अवश्य ही हथियारों से लेश रहे होंगे।'

—तो इसका मतलब हुआ चीफ—जेम्स बांड को यहीं पर घेरा गया था। वह मार्ज रोड़ की अठी टू नम्बर फ्लैट पर नहीं पहुंचा।'

—तुम्हारा कहना सही है। बांड फ्लैट तक नहीं गया। उसके साथ इसी जगह पर दुर्घटना पेश आई है।

—चीफ यहां हमें कोई ऐसा सूत्र नहीं मिल सकता जिसके आधार पर हम कोई कार्य कर सकें। राबर्ट निराशा से बोला।

—हूं ! एम. ने कहा—'यहां से कोई सूत्र मिल भी नहीं सकता। तुम अब किसी और तरीके से अपना कार्य करोगे।

—हां मैं आज ही से लन्दन के होटलों में उस युवती का पता लगाने की कोशिश करूंगा। राबर्ट ने कहा— आप उस फ्लैट की निगरानी के लिये मन्युनी को भेज दीजिये।'

—ठीक है। मैं लौटकर मन्युनी को सूचित कर दूंगा। एम. ने कहा।

राबर्ट ने ई० डगलस की तरफ देखा। वह चुपचाप खड़ा था उसके चेहरे पर परेशानी और उदासी थी।

—ई० डगलस तुम बांड की कार को उसके फ्लैट तक पहुंचा दो और इसकी रिपोर्ट अपनी रजिस्टर में दर्ज कर लो। यह तुम्हारे एरिये की दुर्घटना है और तुम यह पता लगाने की कोशिश करो कि बांड की कार का पीछा किसने किया था।

—'यह तो असम्भव बात है चीफ ! राबर्ट बोला।

—असम्भव तो है राबर्ट। परन्तु यदि ढंग से जांच की जाये तो यह मालूम हो सकती है। यह दुर्घटना परसों रात की है। तुम यदि जांच करोगे तो मालूम हो सकता है।

—मैं समझ रहा हूँ चीफ ! इन्सपेक्टर डगलस बोला—'मैं चर्च रोड पर स्थित शॉपिंग सेन्टर और चर्च इत्यादि में इस बात जानकारी करूंगा सम्भव है किसी ने उस रात आगे पीछे से दो कारें देखी हों। इससे कम से कम उस कार का कलर तो मालूम हो ही जायेगा। जिससे बांड की कार का पीछा किया गया था।

—मैं समझ रहा हूँ। इस बार राबर्ट बोला—'तुमने सही आयडिया लगाया है इस प्रकार कुछ न कुछ मालूम हो ही सकता है।'

—'तो देर मत करो।' एम. बोला। राबर्ट तुम भी अपना काम सम्हालो—'मुझे बांड की बहुत ही चिन्ता है क्या अपराधी बांड को ब्रिटेन के बाहर ले गये हैं। यदि ऐसा न हुआ होता तो

अभी तक बांड की कुछ सूचना हमें मिल सकती थी। मैं सोच रहा हूं बांड को किसी मकसद से ही काबू किया होगा और अपराधी अपने ठिकाने पर पहुंच कर ही कुछ करेगा—शायद अभी तक अपराधी अपने अड्डे पर नहीं पहुंचा है। इससे स्पष्ट होता है कि अपराधी बांड को ब्रिटेन के बाहर ले गया है।

—चीफ यदि ऐसा हुआ तो हमें बांड का पता लगाने में बहुत परेशानी हो जायेगी। इन्स. डगलस बोला।

—कोशिश की जाये, कुछ न कुछ अवश्य ही लाभ होगा। एम० ने कहा। फिर वह इन्सपेक्टर डगलस को कुछ समझाकर फिएट की तरफ बढ़ गया।

राबर्ट उनके साथ था। वह ड्राइविंग सीट पर बैठते हुये बोला—'अब आप सीक्रेसी जायेंगे चीफ ?'

—'हां ! मुझे आफिस छोड़ कर तुम अपना कार्य प्रारम्भ कर दोगे।

राबर्ट ने सिर हिलाया और फिर उसने अपनी कार को स्टार्ट करके आगे बढ़ा दिया।

'बांड ने धीरे-धीरे आंखें खोल दीं। वह गहरे अन्धकार में पड़ा हुआ था। उसके चारों तरफ अन्धेरा फैला हुआ था। उसने दो तीन बार पलकें झपकाईं और फिर उठने की कोशिश की। उसका सारा बदन दर्द से टूट रहा था। वह तड़प उठा।

उसे अच्छी तरह याद था—कार्गो नामक एक व्यक्ति ने मैडम ग्लेसी की आज्ञा पर उसे बुरी तरह मारा था। उस बेदर्द मार के कारण ही वह बेहोश हो गया था। इसी बेहोशी की हालत में उसे यहां लाकर पटक दिया गया है।

—बांड इस रूम को पहचानने की कोशिश करने लगा। उसने चारों तरफ अन्धेरे में आंखें दौड़ाई। उसे कुछ भी नजर नहीं आ रहा था। वह उठ भी नहीं सकता था। उसने एक गहरी श्वांस ली।

उसकी टांग भी काफी दर्द कर रही थी। उसे याद आया कागों ने उसे जब जोर का झटका दिया था तब वह नीचे गिरा था और उस समय उसकी टांग का जख्म खुल गया था। उसी समय उसकी टांग के जख्म से खून बहना जारी हो गया था। बांड को दर्द सहन करने की आदत थी। परन्तु वह दर्द असहनिय हो चला था। उसका सारा शरीर पके फोड़े की तरह टीस रहा था।

वह गहरी गहरी श्वासें लेने लगा। अभी उसे ग्लेसी की कैद में पहला ही दिन था और इस एक ही दिन में वह अपना होश हवास और होसला गवां बैठा था। वह सोच रहा था—अभी उसके साथ और भी सख्ती बरती जायेगी। क्योंकि मेडम ग्लेसी का उद्देश्य उसके सामने स्पष्ट हो चुका था।

मेडम ग्लेसी को सीक्रेट सर्विस के गुप्त रहस्यों की फाइल चाहिये थी। यह फाईल पाने के लिये ही वह लन्दन आई थी और उसने फाईल के लिये ही उसे धोखे से अपना कैदी बना लिया था।

मेडम ग्लेसी उसको मोहरा बनाना चाहती थी और फाईल पा लेना चाहती थी। बांड जानता था—इस फाइल के लिये लेसी उस पर कठोर अत्याचार कर सकती है। उसे सिर्फ फाइल चाहिये जिसे वह हर नाजायज तरीके से हासिल करने की कोशिश करेगी। बांड उसके इरादों को सफल नहीं होने देना चाहता था परन्तु वह अच्छी तरह जानता था···उसको इसके लिये अपनी जान की किमत तक चुकानी पड़ेगी। उसे ग्लेसी की कठोर से कठोर यन्त्रणा सहनी पड़ेगी।

उसने गहरी श्वांस ली—यहां से निकल भागना उसके लिये असम्भव बात थी। वह कुछ भी नहीं जानता था कि उसे कहां पर कैद करके रखा गया है।

इसके बावजूद उसके पांव में गहरा जख्म था जिसके कारण वह भागने में असमर्थ था। उसे अब अपनी मौत स्पष्ट नजर आ रही थी।

परन्तु वह मौत से नहीं घबराता था। ऐसे सैकड़ो क्षण उसके जीवन में आये थे जब उसे मौत के कगार तक पहुंचाया गया था, उसे सख्त से सख्त तकलीफें दी गई थी। परन्तु वह किस्मत से हमेशा जीवित बचता रहा था। इस बार क्या उसकी किस्मत उसका साथ देगी यह अभी अन्धकार में था। उसे अपनी भविष्य की जिन्दगी के विषय में कुछ भी मालूम नहीं था।

परन्तु यह उसका दृढ़ निश्चय था—

चाहे उसको कितनी भी तकलीफें पहुंचाई जाये। चाहे उसके साथ मेडम ग्लेसी कितना भी कठोर व्यवहार करे। चाहे उसकी बोटी–बोटी काट कर कुत्तो को खिला दी जाये, वह सीक्रेट फाइल न० एक्स को मेडम ग्लेसी तक नहीं पहुंचने देगा। उसको मालूम था-सीक्रेट फाइल का मेडम के हाथों में आ जाने का सीधा सा अर्थ था उनके देश की तबाही....'

उस फाईल में गुप्त रहस्य रखे हुये थे। उसका एक भी रहस्य लीक हो जाना या दुश्मन के हाथ में चला जाना खतरनाक था। वह दृढ़ निश्चय कर चुका था—यदि मेडम उससे फाईल हासिल करवाने में मदद मांगेगी...उस पर जुल्म करेगी...तब भी वह इस फाइल को मेडम के हाथों तक नहीं पहुंचने देगा।

उसकी जिन्दगी अब मौत के समीप थी। मेडम ग्लेसी एक खतरनाक औरत है यह उसके सामने स्पष्ट हो चुका था। वह उसे जितना खूबसूरत और मीठे स्वभाव का समझ रहा था वह वैसी नहीं थी।

वह फाईल के लिये उसको कठोर से कठोर तकलीफें पहुंचाने

वे नहीं चूकेगी, मधु बांड उसकी लास्ट की मनोवृत्तियों से भांप गया था।' वह उससे प्यार का नाटक कर रही थी···शायद इसीलिये की वह उसके खूबसूरत और जवान जिस्म के पीछे दीवाना होकर फाइल उसे देने का वादा कर लेगा। परन्तु जब उसने उसका रूखा व्यवहार देखा तो वह खुंखार शेरनी बन गई थी। बांड ने उसके कठोर हृदय को उस समय देख लिया था जब कागों ने उस पर बेरहमी से प्रहार किया था-उस समय वह खामोश खड़ी थी। उसकी आंखों में उसके लिये जो प्यार था वह उस समय समाप्त हो गया था और वह उस वक्त खुंखार नजर आ रही थी।—बांड को उससे नर्मी की अब उम्मीद नहीं रही थी।

वह अन्धेरे को घूरता रहा। भूख भी उसे जोरों की लगी थी और भूख के कारण उसकी पेट की आतड़ियां सिकुड़ने लगी थी हांलाकि वह पांच छः दिन बगैर कुछ खाये पिये रह सकता था, परन्तु यह तभी सम्भव था जब वह शरीर से हृस्ट पुष्ट रहता था।

'इस समय उसकी हालत ऐसी नहीं थी कि वह भूख को सहन कर सके। उसकी टांग का जख्म उसे कमजोर बना चुका था। उपर से जेडो और कागों से उसे टक्कर लेनी पड़ी थी। कागों ने उसे बेदर्दी से मारा था।' जिससे उसके शरीर का अंग-अंग दुःख रहा था। वह भूख बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं कर सकता था। परन्तु वह इतना कमजोर नहीं हो गया था कि भूख के लिये गिड़गिड़ाने लगे।

वह किसी भी हालत में अपनी कमजोरी जाहिर नहीं होने देना चाहता था। वह एक बहादुर इन्सान था और अपनी आन पर मर मिटने वाला था। उसने कभी मुसीबत मे झुकना नहीं सीखा था। यही उसकी सबसे बड़ी खूबी थी

वह अब कुछ कुछ देखने काबिल हो गया था। उसे इस प्रकार प्रतित हुआ जैसे यह उसकी आंखों की शक्ति नहीं है।

बल्कि रूम में प्रकाश भरता जा रहा है।'

'हां यह प्रकाश ही था—परन्तु यह किसी बल्ब का प्रकाश नहीं था। यह सूर्य का प्रकाश था।

—तो क्या दिन निकल आया है ?' उसने सोचा।

—ओह हां ! उसने कहा—'यह सूर्य का प्रकाश है। वह रात भर बेहोश रहा है। अब दिन निकल आया है।'

वह उठने लगा। परन्तु उठ नहीं सका। रूम में अब अच्छी तरह प्रकाश भर गया था। उसने देखा—यह एक मजबूत पत्थरों का कमरा था। इसकी दीवारें पहाड़ी पत्थरों की बनी हुई थीं। काफी ऊपर छत के पास एक रोशनदान था। जिस पर मोटे सलाख लगे थे। सूर्य का प्रकाश वहीं से इस कमरे में आ रहा था।

कमरे का दरवाजा सामने ही था।

वह मजबूत लोहे का था और इस समय बाहर से बन्द था। बांड ने अपने नीचे देखा। वह जिस पर पड़ा था—वह जंगली घास का पुआल था। यह एक जेल की ही कोठरी था, जिसमें उसे मेडम रजेमी ने कैद कर दिया था।

उसकी नजरें अपनी आटोमेटिक रिस्टवॉच पर गई : रिस्टवॉच बारह बजा रही थी।

—अब मेडम रजेमी आती ही होगी।' बांड ने सोचा।

और फिर उसने एक गहरी श्वांस छोड़ी।'

दरवाजे पर आहट सुनाई पड़ने लगी थी। मेडम रजेमी आ पहुंची थी। उसने अपने दिल को मजबूत कर लिया। और फिर दरवाजा खुलने की प्रतिक्षा करने लगा।

दरवाजा खुला !

और अन्दर मेडम रजेमी ने प्रवेश किया इस समय उसके साथ जेडो भी था। जेडो की आंखें अंगारे की तरह सुलग रही

थीं। और उसके जबाड़े की हड्डियां उभर आई थी। वह अत्याधिक क्रोध में था। उसने बांड को घूरा।

फिर उसकी तरफ झपटा।

परन्तु मेडम ग्लेसी गुर्रा पड़ी रुक जाओ जेडो।

जेडो पालतू कुत्ते की तरह अपने स्थान पर रुक गया। और मेडम ग्लेसी की तरफ देखने लगा।

ग्लेसी का चेहरा मोम की तरह मुलायम और प्यारा नजर आ रहा था।

वह बांड की आंखों में प्यार से झांकती हुई बोली—तुमने क्या निर्णय किया है बांड ?

—मैंने अपना निर्णय तुम्हें पहले ही बता दिया था। बांड गम्भीर स्वर में बोला।

—तो क्या तुम वह फाईल मुझे नहीं दिलवाओगे ?'

—'नहीं।'

—'इसका परिणाम जानते हो क्या होगा ?'

—जानता हूँ।

—मैं तुमसे अन्तिम बार पूछ रही हूँ बांड···तुम्हें मेरी बात मान लेनी चाहिये।' ग्लेसी प्यार से बोली—'इसी में तुम्हारा फायदा है।'

—मुझे मौत से भी भय नही लगता ग्लेसी···मैं स्पष्ट इन्कार कर रहा हूँ तुमसे जो होना हो कर लो।' बांड सख्ती के साथ बोला।

—मेडम ग्लेसी की आंखे सुर्ख हो गई।

—उसने अपने हाथ का हंटर जेडो की तरफ बढ़ा दिया और रूम के एक कार्नर में चली आई।

फिर बोली—'मैं तुम्हे सोचने का फिर मौका दे सकती हूँ···।'

—बकार है ! तुम्हें जो कुछ करना है···वह करती। बांड

ने झुकना नहीं सीखा है।'

ग्लेसी का चेहरा सख्त हो गया।

वह क्रोध से चीख पड़ी—'बांड मैंने सख्त से सख्त व्यक्ति को अपनी ताकत के द्वारा झुका दिया है, तुम्हारी हस्ती मेरे सामने कुछ भी नहीं है।'

—मेरी हस्ती क्या है. यह तुम्हें वक्त आने पर मालूम पड़ जायेगा ग्लेसी !' बांड गुर्रा कर बोला।

—तुम सोच रहे हो कि यहां से निकल जाओगे ?' मुस्करा कर ग्लेसी ने पूछा।

बांड ने इसका उत्तर नहीं दिया।

उसने जेडो की तरफ देखा—वह हंटर पाकर बहुत खुश नजर आ रहा था। और वह ग्लेसी की इजाजत का इन्तजार कर रहा था।'

—बांड क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम पर हन्टर बरसवाऊं उसे खामोश देखकर ग्लेसी ने पूछा।

हांलाकि हन्टर के जोर पर भी तुम मुझसे कुछ मालूम नहीं कर सकोगी ग्लेसी। फिर भी मैं नहीं चाहता कि तुम्हारे दिल की उमंगो को कुचल दूं। तुम अपनी कोशिश कर देखो।

—हूं ! ग्लेसी ने गुर्रा कर कहा और फिर उसने जेडो की तरफ आंख से इशारा कर दिया।

जेडो आगे बढ़ा—उसके चेहरे पर विषैली मुस्कान नाच रही थी।

उसका हाथ दरिन्दगी अन्दाज से उठा और फिर बांड की पीठ पर सडाक की आवाज के साथ हंटर पड़ा।

बांड तड़फ उठा···उसको लगा उसकी पीठ पर तेज नश्तर चला दिया गया है···उसने जेडो को घूर कर देखा ! जेडो मुस्करा पड़ा।

फिर उसका हाथ मशीनी अन्दाज में चलने लगा ! हर बार

बांड की पीठ पर सुन्दर पड़ता। और बांड दर्द से कराह उठा। परन्तु वह मुंह नहीं खोलना चाहता था।'

ग्लेसी उसे घूर रही थी। उसका चेहरा क्षण प्रति क्षण कठोर होता जा रहा था। और वह हाथों की मुट्ठियां भींच रही थी।

बांड की सारी पीठ उधड़ गई थी। और उस पर लम्बी-लम्बी खून की रेखाऐ नजर आने लगी थी। वह बुरी तरह छट-पटा रहा था। इधर जेडो हांफने लगा था। उसका चेहरा पसीने से भीग गया था।

मेडम ग्लेसी का हाथ अचानक ही उठा।

वह गम्भीर लहजे में बोली—रुक जाओ जेडो।'

जेडो रुक गया और अपने चेहरे पर का पसीना पोंछने लगा मेडम ग्लेसी आगे बढ़ी। वह बाण्ड के नजदीक आ गई और गम्भीरता से बोली--

—बांड तुम्हारा क्या जवाब है?'

—मेरा जवाब···बदल···नहीं सकता···ग्लेसी···' बांड पूरी शक्ति लगा कर बोला।

—ओह? आखिर तुम्हारी यह जिद्द किसी तरह टूटेगी या नहीं?' गलेसी क्रोध से बोली।

—न···हीं···।' बाण्ड बोला।

—जेडो···इसे छोड़ दो···यह हमें कुछ भी नहीं बतायेगा। ग्लेसी धीरे से बोली—'आओ मैंने एक दूसरा रास्ता निकाला है।'

और ग्लेसी तेजी से उस कोठरी के बाहर निकल गई!

जेडो मुस्करा पड़ा···फिर उसने एक लात बाण्ड की कमर पर रसीद कर दी और जहरीले स्वर में बोला—'अभी मेरा बदला पूरा नहीं हुआ है बाण्ड···मैं तुम्हें तड़पा-तड़पा कर खत्म कर दूंगा।'

और फिर वह कोठरी के बाहर आ गया। उसने कोठरी का दरवाजा बाहर से लॉक कर दिया और मेडम के पीछे लपका।

ग्लेसी काफी आगे जा चुकी थी। जेडो लगभग दौड़ता हुआ उसके पीछे पहुंचा और फिर वह हांपते हुए बोला—'आपने क्या कोई अन्य रास्ता ढूंढ निकाला है मेडम।'

—'हां ! मैंने एक दूसरा रास्ता निकाल लिया है और मैं अच्छी तरह से समझती हूँ कि वह तरीका मुझे कामयाब कर देगा।'

—'ओह ! फिर तो हमें बाण्ड की जरुरत नहीं पड़ेगी।'

—'बाण्ड की जरुरत पड़ेगी। अभी उसको जीवित रखना है जेडो—उसी के द्वारा हमारा दूसरा रास्ता सफल हो सकता था।' ग्लेसी ने कहा—'फिर वह एक रूम में आ गई। यह एक साउण्ड प्रूफ रूम था और इसमें ट्रांसमीटर फिक्स था। यहां एक कार्नर में फोन भी रखा हुआ था।

ग्लेसी फोन के पास आ गई। उसने रिसीवर उठाकर कान से लगाया।

फिर उसने एक नम्बर डायल पर घुमाया।

दूसरी तरफ घण्टी बज रही थी।

फिर किसी ने फोन उठा लिया…ग्लेसी के कानों में एक भारी स्वर टकराया—'मि० एम. स्पीकिंग…।'

यह स्वर इतना सर्द था कि ग्लेसी का दिल क्षण भर के लिये कांप उठा। उसने तुरन्त ही अपने आप को मजबूत किया और फिर बोली—।

—'मि० एम. मैं तुम्हें एक सूचना देनी चाहती हूँ।'

—'कैसी सूचना ?' एम. की तरफ से पूछा गया।

—'जेम्स बाण्ड दो दिन से लापता है…मैं सोचती हूँ यह बात तुम्हें मालूम हो चुकी होगी मिस्टर एम.। ग्लेसी ने मुस्करा कर कहा।

—'हां…लेकिन तुम कौन हो…और यह सब तुम्हें कैसे मालूम है ?' एम. ने घबड़ाकर पूछा ।

—'मेरा नाम मेडम ग्लेशी है। इस नाम को तुम भूले नहीं होंगे मि० एम.।'

—'मेडम ग्लेसी तुम…तुम ब्रिटेन में हो क्या ?' एम० का स्वर आश्चर्य में डूबा हुआ था ।

—'हां ! मैं इस समय तुम्हारी धरती पर ही हूँ…यहां मैं एक काम के सिलसिले में आई हूँ मेरा काम हो जायेगा तो मैं चुपचाप ही वापिस लौट जाऊंगी । तुम्हें घबराने की जरूरत नहीं है।'

—'एम० घबराता नहीं । तुम बताओ मुझे फोन क्यों किया तुमने ?' एम. ने पूछा ।

—'तुमने मुझे बताया नहीं कि बाण्ड के लापता होने की जानकारी तुम्हें है या नहीं ।

— मुझे इस बात की जानकारी है एम. ने कहा—'और मैं समझता हूँ कि बाण्ड तुम्हारे ही कब्जे में है । क्यों !

—'तुम्हारी खोपड़ी में सोचने समझने की शक्ति अभी मौजूद है । ग्लेसी मुस्करा कर बोली—'मैंने बाण्ड को कैद कर रखा है ?'

—'क्यों ? तुम बाण्ड से क्या चाहती हो ?' एम. ने पूछा ।

—'बाण्ड से मैं बहुत कुछ चाहती थी, परन्तु उसने मेरी आशाओं पर पानी फेर दिया है । मैं अब वही चीज तुमसे चाहती हूँ ।'

—'वह कौन सी चीज है जिसके लिये तुमने बांड को कैद किया हुआ है ?'

—'मुझे 'सीक्रेट फाईल एक्स' चाहिये ।'

—'मेडम ग्लेसी । एम. गुर्रा पड़ा, तुम्हें होश में रहकर मुझसे बात करनी चाहिये ।'

—'मैं होश में हूं और मैंने कोई गलत नहीं कहा है।' ग्लेसी भी गुर्रा पड़ी···मुझे फाइल नं० एक्स चाहिये जो कि तुम्हारे पास मौजूद है।'

—फाईल एक्स' तुम्हें नहीं मिलेगी।' एम. सख्ती से बोला।

—'इसके लिये तुम्हें हां करनी पड़ेगी एम०···यह याद रखो बाण्ड मेरे कब्जे में हैं···मैं उसे इस फाइल के लिये मौत के घाट उतार सकती हूं।'

—'नही तुम ऐसा नहीं कर सकती।' एम० घबरा कर बोला।

—'तो वह फाइल तुम मुझे दे दो।' ग्लेसी हंस कर बोली।

—'यह फाइल तुम्हें नहीं मिलेगी। मैं अपने दुश्मनों के हाथ वह फाइल नहीं दे सकता। एम० का लहजा गर्म था।'

—'तुम मुझे अपना दोस्त भी समझ सकते हो।'

—'एक अपराधी कानून का दोस्त कभी नहीं हो सकता। तुम चुपचाप बाण्ड को आजाद कर दो। वरना मुझसे बुरा कोई नहीं होगा।'

—'यह धमकी किसी और को देना। एम० मैं तुम्हें फिर कह रही हूँ···वह फाईल बान्ड की मौत का कारण बन सकती है।'

—'बाण्ड को यदि कुछ हो गया तो···तुम्हें मैं जीवित नहीं छोड़ूंगा ग्लेसी। एम० गुर्राया।'

—'बान्ड की हालत तो खराब है वह अब बेहोश पड़ा है। और मैं समझती हूँ उसे जल्दी ही समाप्त करके एक खतरा हमेशा हमेशा के लिये मिटा दूं। परन्तु फिलहाल मैं उसकी जिन्दगी का निर्णय तुम पर छोड़ रही हूं।' तुम चाहो तो बाण्ड को नया जीवन दान दे सकते हो एम०। अब बाण्ड का जीवन तुम्हारे हां या ना पर निर्भर है।

—'मेडम ग्लेसी! तुम मुझे सोचने का मौका दे सकती हो।

एम० ने गम्भीर होकर पूछा।

'क्यों नही, मुझे इतनी जल्दी नहीं है···तुम इत्मीनान से सोच सकते हो। ग्लेसी मुस्करा कर बोली—'बोलो तुम्हें कितना समय चाहिये सोचने के लिये ?'

'मैं आज शाम तक का समय चाहता हूँ ग्लेसी। शाम को ठीक सात बजे मैं तुम्हें इसका उत्तर दे दूंगा।'

—'ठीक है ! एम० मैं सिर्फ सीक्रेट फाइल एक्स हासिल करने आई हूं और उसे हासिल करके ही मैं यहां से जाऊंगी। तुम्हें मैं सात बजे तक का समय दे रही हूं अच्छी तरह सोच समझ लेना।

याद रखो—'तुम फाइल एक्स का नहीं बाण्ड के जीवन का फैसला करोगे।'

'मैं अच्छी तरह समझ रहा हूँ।' एम० परेशानी के स्वर में बोला।

'तो मैं सात बजे फिर तुम्हें फोन करूंगी, ग्लेसी ने कहा और फिर उसने रिसीवर रख दिया।' फिर वह जेडो की तरफ पलटी।

'मेरा विचार है जेडो···एम० मान जायेगा।' उसने मुस्करा कर कहा।

—'मैं भी यही सोच रहा हूँ मेडम। एम० को बान्ड की जिन्दगी उस फाइल से भी अधिक प्यारी है। वह फाइल देने के लिये राजी हो जायेगा···परन्तु मेडम···।'

'क्या बात है ?' ग्लेसी ने आश्चर्य से पूछा।

—'क्या एम० के राजी हो जाने पर आप बाण्ड को आजाद कर देंगी ?' जेडो ने ग्लेसी की आंखों में झांकते हुए प्रश्न किया।

मेडम ग्लेसी का चेहरा उतार-चढ़ाव से भर गया।

काफी देर खामोश रहने के बाद वह बोली—'हां एक नारी को अपनी जुबान पूरी करनी ही पड़ेगी, मैंने एम० से कह दिया

यदि वह फाइल एक्स दे देता है तो मैं बान्ड को आजाद कर दूंगी।

'यह तो हमारे हक में अच्छा नही होगा। जेडो तुरन्त बोला बान्ड एक खतरनाक इन्सान है। इसे मौत के घाट उतार कर हम हमेशा का खतरा मिटा देना चाहिये।'

'नही जडो। मैं बाण्ड को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाऊंगी। मैंने एम० को जुबान दे दी है। मैं गुनाहगार हूं··· एक अपराधिनी हूं···फिर भी मै एक औरत हूं···मैं जुबान की पक्की हूं। और मैं बाण्ड से डरती नहीं। बाण्ड को मैं आजाद कर दूंगी। वह मेरा कुछ भी नहीं बिगाड़ सकेगा। हां, ऐसे मौके पर आगे भी मैं उससे काम लेती रहूँगी।

'हूं! जेडो ने धीरे से सिर हिलाया। परन्तु अन्दर ही अन्दर उसका दिल तड़फ उठा था। वह रजेली के विचारों को अपने दिल में तोल रहा था, क्या बान्ड को जीवित छोड़ना उचित रहेगा। नही उसके हिंसक मन ने कहा।

—'बाण्ड जैसे आदमी को तो खत्म कर देना ही ठीक रहेगा वह मेडम रजेली की उम्मिदों को कभी पूरा नहीं होने देगा। वह बांड को खत्म कर देगा। बाण्ड से उसे दुश्मनी है उसने उसे पछाड़ कर बेइज्जत किया था वह बाण्ड को खत्म करके अपनी बेइज्जती का बदला चुकायेगा। दृढ़ निश्चय बनाकर जेडो एक तरफ को चला गया।

एम० ने रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया। इस समय उसके चेहरे पर सैंकड़ों रेखायें उभर आई थी। और माथे पर पसीना छलछला आया था।

—'मेडम ग्लेसी के फोन ने उसे परेशान कर दिया था। वह समझ नहीं पा रहा था कि मेडम ग्लेसी को शाम को क्या उत्तर देगा।'

ग्लेसी ने उससे बान्ड के जीवन के बदले में सीक्रेट फाइल एक्स मांगी थी। यह फाइल देने का अर्थ एम. जानता था, इस फाइल में उनके देश के गुप्त रहस्य रखे हुए थे···यह फाइल मेडम के हाथों में देने का अर्थ था ब्रिटेन को दुश्मनों के हाथों में सौंप देना।'

एम० किसी भी शर्त पर यह फाइल ग्लेसी को नहीं देना चाहता था परन्तु इस फाइल के साथ ग्लेसी ने बान्ड की जिन्दगी का प्रश्न जोड़ दिया था। वह बांड को धोखे मे अपना कैदी बना चुकी थी। और यह उसने सिर्फ फाइल को पाने के लिये ही किया था।'

ग्लेसी उस फाइल के पीछे बाण्ड को खत्म कर सकती है यह स्पष्ट था। परन्तु एम० को बान्ड का जीवन भी बचाना था और फाइल भी।

यह दोनों बातें किस तरह हो सकती है यह उलझन एम० को घेरने लगी थी। वह परेशान होकर चेयर से खड़ा हो गया और इधर उधर बेचैनी से घूमने लगा।'

उसकी समझ मे नही आ रहा था कि क्या करे और क्या न करे।

ग्लेसी ने उसे शाम के सात बजे तक का समय दिया था। उसे इतने ही समय तक बान्ड के जीवन का निर्णय सुना देना था यदि वह बान्ड को बचाना चाहता है तो उसे वह फाईल ग्लेसी को सौंप देनी पड़ेगी। और यदि वह ऐसा नहीं करता है तो बांड को ग्लेसी समाप्त कर देगी।'

'एम. के सामने कोई भी रास्ता नहीं था। वह बहुत परेशान हो गया था उसने अपना पाइप सुलगाकर होठों मे दबा लिया

ग्रौर उसके गहरे-गहरे कश लेने लगा । उसका मस्तिष्क इस समय क्रियाशील था ।'

वह इस उलझन को हल कर देना चाहता था इसीलिये वह बेचै हो गया था। अब बान्ड के विषय में मालूम तो चल ही गया था, परन्तु वह फंसा हुआ था। उसे आजाद करवाने जाने की शर्त भी एम० को मालूम हो चुकी थी। परन्तु वह बान्ड के लिये देश को खतरे में नहीं डाल सकता था, दूसरे वह यह भी नहीं चाहता था कि बांड को मौत के मुंह से ढकेल दे।

वह इसका हल शीघ्र ही ढूंढ़ लेना चाहता था। इसलिये वह बेताब था ग्रौर कुछ सोच रहा था रूम धूंये से भरने लगा।

एम० को जोर की खांसी उभरी। ग्रौर वह सीने पर हाथ रख कर खांसता रहा। फिर वह चेयर पर ग्राकर बैठ गया। उसका चेहरा पसीने से तर हो गया था उसने स्विच दबाकर पंखा चालू कर दिया।'

ठण्डी-ठण्डी हवा का झोंका उसके शरीर से टकराया तो उसने कुछ राहत का अनुभव किया। फिर वह गहरी सोच में डूब गया।

काफी देर तक वह ग्लेमी की बात पर सोचता रहा। फिर उसने फोन को ग्रपनी तरफ खींचकर किसी के नम्बर डायल पर घुमाये।

दूसरी तरफ घन्टी बज उठी…'

ग्रौर फिर किसी ने रिसीवर उठा लिया—।

एम. ने गम्भीर स्वर में पूछा—क्या राबर्ट ह्यूम फ्लैट पर है?'

—नहीं चीफ !…दूसरी तरफ से शैली माग्रेट बोली—'वह चीफ की ग्रावाज पहचान गई थी।' उसने तुरन्त कहा— चीफ ग्रापने राबर्ट को बांड वाले मिशन पर लगा रखा है।'

—ग्रोह हां ! शैली हो ना तुम…एम. ने पूछा।

—जी हां···। शैली ने कहा !

'तुम क्या कर रही हो शैली ?'

—मैं···मैं बैठा हूं चीफ···मेरे पास कोई काम नहीं है··· आप फरमाइये ! शैली ने हकलाये स्वर में पूछा।

—शैली क्या तुम मेरे आफिस में तुरन्त आ रही हो—!··· परेशान हूँ···शायद तुम कुछ हल निकाल सको··· एम. ने कहा।

—मैं तुरन्त ही आ रही हूं चीफ !' आप मेरा इन्तजार कीजिये। मैं दस पन्द्रह मिनट में आ जाऊंगी।

—क्या राबर्ट की तुम्हारे पास कोई सूचना है ?'

—नहीं चीफ ! वह मालूम नहीं इस समय कहां है।?

—कोई बात नहीं···वह आ जायेगा···फिलहाल तुम यहां आ जाओ। मैं तुमसे कुछ सलाह करना चाहता हूँ। एम. ने कह-कर रिसीवर रख दिया !

फिर वह गहरी सोच में डूब गया।

शैली माग्रेट ने भी रिसीवर रखा। वह चीफ की बातों का अर्थ समझ नहीं सकी थी, परन्तु यह अच्छी तरह समझ गई कि चीफ इस समय काफी परेशान है और उससे डिसकस करना चाहते हैं।

चीफ की नजरों में उसका भी स्थान है यह उसे मालूम था। वह ऐसे कामों में दिलचस्पी लेती थी और ऐसे मौकों की तलाश में रहती थी।

आज उसे ऐसा मौका मिल रहा था। जिसे वह खोना नहीं चाहती थी वह जिस ड्रेस में थी उसी में बाहर निकली और फिर तेजी से अपनी कार में आ गई। उसने तुरन्त अपनी कार कार स्टार्ट की और सड़क पर दौड़ा दी। वह शीघ्रातिशीघ्र ऑफिस में पहुंचना चाहती थी। चीफ की आवाज से वह समझ गई थी कि वह बहुत ही परेशान है। उनकी परेशानी का क्या कारण है यह जानना चाहती थी। इसीलिये वह जल्दी जल्दी

तहलका मचा देती है।

—ओह ! वह डेन्जर ओर। है फिर तो। शैली झुरझुरी लेकर बोली।

—हां ! एम. गम्भीर स्वर में बोला—'वह इस समय हमारे देश में है। शायद लन्दन में ही वह मौजूद है।'

—ओह !···शैली घबरा कर बोली।

—शैली उसने मुझे फोन पर बताया है कि जेम्स उसके कब्जे में है। वह जेम्स बांड के जीवन को खत्म कर देना चाहती है··· परन्तु उसका जीवन बच भी सकता है—मैडम ग्लेसी को हमारे विभाग की सीक्रेट फाईल एक्स की जरूरत है। यदि यह फाईल मैडम ग्लेसी को दे दी जाये तो वह बांड को आजाद कर देगी वरना···'

एम. ने अपना वाक्य अधूरा छोड़ दिया।

—शैली उनकी बात का अर्थ समझ कर कांप उठी। वह चुपचाप उनका चेहरा देखने लगी।

—'चीफ। मैडम ग्लेसी ने तो हमें उलझा कर रख दिया है।'

—हां। शैली मेरा दिमाग बिल्कुल भी काम नहीं कर रहा है। ग्लेसी ने हमें परेशानी में डाल दिया है, अब ऐसा रास्ता नहीं रह गया है जिसके आधार पर हम मैडम ग्लेसी को शान्त कर सकें। क्या तुम्हारे दिमाग में ऐसी कोई बात आती है ?'

शैली ने चीफ की तरफ देखा। वह काफी गम्भीर नजर आ रहे थे। शैली उन्हें परेशान नहीं देख सकती थी परन्तु उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि उन्हें क्या जवाब दे। वह सोच में पड़ गई। एम. भी सोच में डूब गया था।

रूम में गहरा सन्नाटा छा गया।

काफी देर बाद शैली ने मौन तोड़ते हुए कहा—'चीफ मेरी समझ में एक रास्ता है। यदि हम उस पर अमल करें तो सफल

हो सकते हैं।

'क्या ?'—एम. ने उत्सुकता से पूछा।

—चीफ आपको शाम को मैडम ग्रेसी फोन करेगी।

—हां उसने मुझे सात बजे तक का समय दिया है। इतने समय तक मुझे ग्रेसी को सन्तोषजनक उत्तर दे देना है। एम. ने गम्भीर स्वर में कहा।

—मैंने सोचा है आप ग्रेसी को हां में उत्तर देंगे। आप उससे कहेंगे कि आपको फाईल देना मन्जूर है…।

—शैली तुम्हारा दिमाग तो सही है, मैं मैडम ग्रेसी को बांड के पीछे वह सीक्रेट फाईल सौंप दूं, क्या मैं बांड के जीवन के लिये अपने देश को खतरे में डाल लूं ?'

—देश खतरे में नहीं पड़ेगा चीफ ! शैली रहस्यमय स्वर में बोली—आप यह फाईल असली नहीं देंगे मैडम ग्रेसी को, बल्कि उसके स्थान पर कोई नकली फाईल तैयार करवा कर मैडम ग्रेसी को देंगे।

—ओह ! तुम्हारा दिमाग सचमुच बहुत तीव्र है। तुमने मेरी परेशानियों का हल ढूंढ निकाला है शैली। चीफ प्रसन्नता से चीखते हुये बोला।

—चीफ। हमारे पास ग्रेसी तक पहुंचने का इससे बढ़िया और आसान रास्ता और दूसरा नहीं हो सकता…हम उस फाईल के सहारे ग्रेसी तक पहुंच सकते हैं।

—मैं समझता हूं—तुम यही कहना चाहती हो ना कि मैं ग्रेसी के बिना कहे मुताबिक फाईल उसे देने के लिये कह दूं। ग्रेसी उसे किस तरह हासिल करती है, उसके आधार पर हम अपना प्लान तैयार कर लेंगे।

—हां ! ग्रेसी अवश्य ही फाईल को प्राप्त करने के लिये अपना आदमी भेजेगी। उसका पीछा करते हुये हम उसके ठिकाने तक पहुंच सकते हैं।

—शैली तुम्हारा दिमाग सचमुच बहुत तेज है। एम. प्रसन्नता से बोला—'तुम्हारे प्लान के अनुसार कार्य होगा तो हमें सफलता मिल जायेगी। अब मुझे किसी प्रकार की उलझन नहीं रह गई। तुमने मोहन स्नेही के लिये अच्छा जवाब ढूंढ निकाला है।'

—'बोलो तुम क्या पियोगी शैली ?'

—'आप जो लाइक करें...।'

—मैं गर्म-गर्म कॉफी चाहता हूँ...दिमाग की उलझनें अब समाप्त हो चुकी हैं...अब दिमाग को ताजा करने वाली बात है, इसके लिये कॉफी ठीक रहेगी।

—आप कॉफी मंगवा लीजिये चीफ।

एम. ने मेज पर रखी कॉल बैल की स्विच को पुश किया। घन्टी बज उठी उसी घन्टी की आवाज पर बाहर बैठा पियुन अन्दर आया।

—उसने एम. को सैल्यूट दिया और सतर्क खड़ा हो गया।

—दो कॉफी लाओ, जल्दी ! एम. ने आदेश दिया।

अदब से झुक कर वह पियुन बाहर निकल गया। और फिर कुछ ही देर के बाद वह कॉफी लेकर आ गया।

उसने कॉफी मेज पर रख दी और बाहर चला गया। एम. ने एक प्याला शैली की तरफ बढ़ा कर कहा—'लो गर्म-गर्म कॉफी पियो।'

शैली कॉफी की चुस्कियां लेने लगी थी—एम. भी कॉफी पीने लगा। अचानक वह बोला—शैली इस समय मुझे राबर्ट की बहुत सख्त जरूरत थी। परन्तु वह कहां पर है कुछ कहा नहीं जा सकता।

—'आप फ़िल्म तैयार करवायेंगे क्या ?'

—हां। यह काम राबर्ट कर सकता था—समय अधिक नहीं है, मुझे इसी समय में प्लान भी तैयार करना है।

एम. की बात समाप्त हुई—तो मेज पर रखा फोन बज उठा। एम. ने उत्सुकता से रिसीवर उठा लिया और बोला—यस, एम. स्पीकिंग।

—'सर···में राबर्ट ह्यूम हूं। इस समय मैं सिगनल क्लब में हूं।

—'कोई सूचना है क्या ?' एम. ने पूछा।

—नहीं चीफ। मैं सुबह से घूमते हुये परेशान हो गया हूं। मैंने लन्दन के मशहूर होटल और क्लब छान डाले हैं···परन्तु···'

—राबर्ट ! एम. ने उसकी बात काट दी।

—'यस चीफ !' राबर्ट ने कहा।

—तुम तुरन्त यहां चले आओ। मैं काफी देर से तुम्हारी इन्तजार कर रहा था, तुम जल्दी से जल्दी यहां पहुंचो।'

—मैं तुरन्त आपके सामने पहुंच रहा हूं चीफ।···क्या···कोई विशेष बात है चीफ ?' राबर्ट ने थोड़ा रुक कर पूछा।

—हां। तुम यहां आ जाओ, तभी कुछ बातें होंगी। तुम कितनी देर में मेरे पास पहुंच रहे हो ?'

—मैं दस पन्द्रह मिनट में आपके पास पहुंच जाऊंगा चीफ। राबर्ट ने कहा—'इससे पहले नामुमकिन होगा मेरा पहुंचना।

—कोई बात नहीं। पन्द्रह मिनट में तुम मेरे आफिस में आ जाओ। एम. ने कहा और फिर रिसीवर क्रेडिल पर रख कर वह प्याले में शेष बची कॉफी शिप करने लगा।

शाम का अन्धेरा धीरे-धीरे फैलने लगा था।

एम. के आफिस में एम. के अलावा राबर्ट ह्यूम और दो

जासूस मौजूद थे। वह शंकेल और गार्थ थे।

एम. की नजरें फोन पर थीं।

और वह तीनों खामोश बैठे हुये चीफ का चेहरा देख रहे थे।

उन्हें मेडम ग्लेसी के फोन का इन्तजार था। वह तीनों कभी-कभी आपस में कुछ फुसफुसा उठते थे, अभी सात नहीं बजे थे।

सात बजने में अभी पांच मिनट की देरी थी।

रूम में खामोशी बढ़ती जा रही थी। उनमें से कोई भी नहीं बोल रहा था इसलिये यह रूम किसी पुराने कब्रिस्तान की तरह नजर आ रहा था।

यहां सुई गिरने तक की आवाज सुनाई दे सकती थी।

धीरे-धीरे घड़ी की सुईयां सात पर पहुंच गई।...सभी के चेहरों पर उत्सुकता नजर आने लगी थी।

एम० अपने स्थान पर पहलू बदलने लगा था। उसका हाथ रिसीवर की तरफ बढ़ा और यह एक इत्तफाक था—अभी घन्टी बज उठी—

एम० ने तुरन्त रिसीवर उठा लिया और कान से लगा कर बोला—'यस मेडम ग्लेसी...मैं एम हूं...।'

—ओह ! तो तुम मेरे फोन का इतनी बेसब्री से इन्तजार कर रहे थे एम० ! ग्लेसी की आवाज सुनाई पड़ी।

—हां ग्लेसी...मुझे बांड की काफी चिन्ता है...अब बांड कैसा है ?'

—फिलहाल जेल की कोठरी में सो रहा है—चिन्ता करने की तुम्हें जरुरत नहीं है...उसकी बेहोशी टूट गई है।' ग्लेसी ने बताया।

—मुझे बाण्ड की आवाज सुनवा सकती हो तुम ? एम० ने पूछा।

—क्यों नहीं...परन्तु अभी नहीं...पहले तुम बताओ...क्या

तुम्हें मेरी सुबह वाली बात याद है।'

—'हां···तुमने 'फाइल न० एक्स' के लिये कहा था। एम० गम्भीर स्वर में बोला।

—क्या सोचा है तुमने ?'

—मुझे बाण्ड की उस फाईल से अधिक चिन्ता है मैडम···मैं एक बहादुर इन्सान के लिये उस फाईल को भी तुम्हें दे सकता हूं।

—समझदार हो।'

—परन्तु···एम० ने अपना वाक्य जानबूझ कर अधूरा छोड़ दिया।

—एम० तुम रुक गये हो। क्या कहना चाहते थे तुम ? ग्लेसी ने पूछा।

—ग्लेसी मैं फाइल तुम्हे तभी दूंगा जब तुम मुझे बाण्ड सुरक्षित लौटा देने का वचन दोगी। यह सौदा मैं तुम्हारे साथ करना चाहता हूं।'

—सौदा मुझे मंजूर है। मैं बाण्ड को कोई नुकसान नहीं पहुँचाऊंगी, यह मेरा वादा रहा। परन्तु याद रखो एम० तुम मेरे साथ किसी प्रकार का धोखा नहीं करोगे।'

—मैं बाण्ड का जीवन चाहता हूं ग्लेसी···उससे बढ़कर मेरे सामने कोई चीज नहीं है मैं तुम्हारे साथ धोखा नहीं करूंगा— परन्तु क्या तुम वह फाइल लेकर लन्दन की धरती छोड़ देने का प्रामिज करती हो ?'

—'हां। मुझे फाइल लेकर यहां से लौट जाना है। मैं सिर्फ फाईल के लिये यहां आई थी।' ग्लेसी ने कहा।

—'तो फाइल तुम्हे दे दी जायेगी।' एम० ने आश्वासन दिया।

—नहीं ! फाइल देने में मैं अधिक विलम्ब नहीं चाहती। मुझे फाइल आज ही चाहिये मैं तुम्हें बता देती हूं—मेरे साथ

धोखा करने का अर्थ होगा—बाण्ड के जीवन की समाप्ति ।'

—मैं अच्छी तरह समझता हूं मैडम ग्लेसी, तुम्हारे साथ धोखा करके मैं बाण्ड के जीवन को खतरे में नहीं डाल सकता। एम० ने गम्भीरता से कहा ।

—तो सुनो···मुझे तुम फाइल टावर हाउस के पीछे वाले गेट पर देने आओगे । यह काम तुम ही करोगे एम०···आज रात को ग्यारह बजे···नोट करलो···।

—मैं समझ गया हूं···तुम्हें ठीक ग्यारह बजे फाइल मिल जायेगी···।

—'फाइल लेकर तुम्हे ही आना है···यह भी याद रखना ।'

—मुझे याद हो गया है ग्लेसी···'लेकिन क्या बाण्ड को उसी समय छोड़ दिया जायेगा ग्लेसी ?'

एम० ने पूछा ।

—इसके विषय में सोचा जायेगा···यदि तुम्हारी फाइल ठीक रही तो···बाण्ड को तुरन्त स्वतन्त्र कर दिया जायेगा और यदि तुमने धोखा किया तो···।

—धोखा नहीं किया जायेगा ग्लेसी । परन्तु मेरी शर्त है··· तुम बाण्ड को उसी समय स्वतन्त्र कर दोगो । मैं फाइल तुम्हें बाण्ड के लिये ही दे रहा हूं···वरना मैं वह फाइल तुम्हे नहीं देता ।'

—यदि मैं बाण्ड को उसी समय नहीं छोड़ू तो···?'

—'तो फाइल तुम्हे नहीं मिलेगी ।' एम० दृढ़ता से बोला ।

—ओह ! ग्लेसी तुरन्त बोली—'ठीक है एम० तुम्हारी जिद्द को भी पूरा कर दिया जायेगा । तुम फाइल लेकर पहुंचो··· उसी स्थान पर बाण्ड को लेकर मेरा आदमी पहुंच जायेगा ।'

—है ! यदि यह बात गलत रही तो फिर मुझसे फाइल पाने की उम्मीदें छोड़ देना ग्लेसी ! एम० ने चेतावनी दी ।

—ग्लेसी की जुबान पत्थर की लकीर है एम० । हां तुम

यह याद रखो—यदि अपने साथ किसी को लेकर आये और कोई गड़बड़ी करने की कोशिश की तो मुझसे खतरनाक कोई भी नहीं होगा।

—मेरी तरफ से निश्चिन्त रहो।

—तुम ठीक ग्यारह बजे टावर हाउस पहुंचोगे। वहां पर तुम्हें काले सूट में एक व्यक्ति मिलेगा वह काली कार में होगा, तुम्हें उसी कार में सौदा करना है। वह व्यक्ति तुमसे फाइल लेकर वह कार छोड़ देगा—

उसी कार में तुम्हें बाण्ड मिल जायेगा। तुम्हें वही कार ले जानी होगी। तुम्हारी कार मेरा आदमी ले जायेगा। दूसरे दिन तुम्हें चर्च रोड़ के उसी स्थान पर तुम्हारी कार मिल जायेगी जहां पर बाण्ड की कार थी।

—तुम मेरी कार कहीं भी छोड़ सकते हो। मेरे व्यक्ति कार अपने आप ले जायेगें।

—करैक्ट प्लॉन। एम० ने कहा—मैं ग्यारह बजे पहुंच रहा हूं।'

—मेरे व्यक्ति की एक खास पहचान भी सुन लो···वह अपनी आंखों पर काले रंग का चश्मा लगाये होगा और उसकी जेब में से सफेद रंग का रुमाल झांक रहा होगा।'

वह तुम्हें कहेगा—अब दिन निकलने वाला है।

इसके उत्तर में तुम कहोगे—गलत अब दिन डूबने वाला है।

एम० यह कोड वर्ड है, अच्छी तरह याद रहे कोई तीसरा इसका लाभ नहीं उठाने पाये।'

—'तुम निश्चिन्त रहो ग्लेसी। एम को कोई तीसरा धोखा नहीं दे सकेगा।'

—इस समय सवा सात बजे हैं—तुम्हारे पास काफी समय है...ठीक ग्यारह बजे···याद रहे।

—वाह रहेगा ! एम० बोला ।

और फिर दूसरी तरफ से सम्बन्ध विच्छेद कर दिया गया। एम० ने रिसीवर रख दिया उस समय उसका चेहरा गम्भीर था।'

'रावर्ट ड्यूक···रॉबिन्स और मार्श चीफ की तरफ देख रहे थे।'

एम० ने खामोशी तुरन्त तोड़ दी—वह बोला—'रावर्ट··· ग्रेसी ने हमें ग्यारह बजे का समय दिया है···उनका आदमी टावर हाउस पर आयेगा ! हमें बहुत होशियारी से कार्य करना है।'

और एम० ने मैडम ग्रेसी से हुई सारी बातें बतला दीं और अपना कार्य क्रम भी सबको समझा दिया।

'धीरे-धीरे रात काली पड़ने लगी थी। एम० अपनी [illegible] बूथ में बैठा हुआ पाइप के कश खींच रहा था। उसकी नजरें अपने हाथ की रिस्टवॉच पर केन्द्रित थीं···

—अभी दस बज कर पन्द्रह मिनट हुये थे। उन्हें अपने प्लान के अनुसार ठीक साढ़े दस बजे सीक्रेसी की इमारत से बाहर निकलना था।

—'उसका प्लान एकदम तैयार था। एक मजबूत जाल ग्रेसी के लिये बनाया गया था। और एम० को पूरी उम्मीद थी कि आज की रात मैडम ग्रेसी उस मजबूत जाल में फंस जायेगी।

वह पच्चीसवें मिनट पर टॉवर हाउस पहुंच गया। उसने कार को टावर हाउस के पिछले गेट पर रोक लिया था।

यह एक सुनसान जगह थी। चारों तरफ गहरा सन्नाटा छाया हुआ था और दूर-दूर तक अंधेरा नजर आ रहा था। अंधेरे में किसी की भी परछाई एम० को नजर नहीं आ रही थी। उसका दिल धड़क उठा…

आखिर मैडम ग्लेसी भी एक खतरनाक टाईप की औरत थी—क्या उसने यहां पर कोई जाल फैला रखा है? यह प्रश्न एम० को कचोटने लगा था। वह अभी कार में ही बैठा हुआ था। उसकी नजरें बहुत बारीकी से अपने चारों तरफ का निरीक्षण कर रही थीं। परन्तु अभी तक उसे कोई भी नजर नहीं आया था।

कहीं मैडम को उसके प्लान के विषय में मालूम तो नहीं हो गया है? एम० ने सोचा।

उसे इस बात का सन्देह यहां की खामोशी देखकर उत्पन्न हुआ था। वह अपना मस्तिष्क दौड़ाने लगा।

'समय हो चुका था…और वादे और समय के हिसाब से मैडम ग्लेसी के आदमी को यहां आ जाना चाहिये था, परन्तु यहां पर कोई भी नहीं आया था…।'

एम० ने पीछे नजरें दौड़ाई—उस काली कार का कहीं भी पता नहीं था। वह शायद किसी आड़ में हैडलाइटस बुझा कर रोक दी गई थी। या फिर वह उसकी निगरानी समाप्त करके वापिस लौट गई थी

एम० की नजरें रिस्टवॉच पर गई।

ग्यारह पांच…।

समय तेजी से बढ़ रहा था और ग्लेसी के आदमी का नामोनिशान नहीं था। एम० को विश्वास हो चला था कि ग्लेसी उसके प्लान को समझ गई है। तभी उसने अपने सदस्य को यहां नहीं भेजा है।

—परन्तु उसका प्लान तो गुप्त था। एम० ने सोचा—

'आखिर मैं इस ग्लेसी उसके प्लान को कैसे समझ सकता है ?...
उसका मस्तिष्क उलझने लगा।

तभी वह चौंका—उसके सामने ही एक कार आकर रुकी थी। इस कार का कलर ब्लैक ही था ! उसकी सीट पर एक व्यक्ति नजर आ रहा था। जिसने ब्लैक रंग का सूट पहना हुआ था।'

एम० तुरन्त ही नीचे उतर आया। फिर वह एक अटेची लेकर उस कार की तरफ बढ़ा ! इस समय एम० काफी सावधान और सतर्क था। वह कार के पास आकर रुका। उसकी नजरों ने तुरन्त पीछे की सीट को चैक किया। उस सीट पर उसे एक व्यक्ति नजर आया...यह बाण्ड था। जो बेहोश पड़ा हुआ था।

एम० ने उस ड्राइविंग सीट पर बैठे व्यक्ति को देखा फिर उसके बोलने का प्रतीक्षा करने लगा—

—'अब दिन निकलने वाला है।' ड्राइविंग सीट से वह आदमी बोला।

—नहीं अब रात होने वाली है। एम० ने उसकी बात का कोड में प्रत्युतर दिया।

—क्या चीज लाये हो ?'

—हां !...एम० ने कहा—'परन्तु बाण्ड कहां है ?'

—वह कार की पिछली बर्थ पर मौजूद है। ड्राइविंग सीट से कहा गया और फिर वह व्यक्ति कार से बाहर निकल आया।

—लाओ—वह चीज मुझे दे दो। उस व्यक्ति ने कहा।

एम० ने अपने हाथ की अटेची को उस व्यक्ति की तरफ बढ़ा दिया। फिर वह तेजी से उसकी कार की पिछली बर्थ पर झुक गया और उसने बाण्ड के शरीर को टटोला। बाण्ड बेहोश पड़ा था। एम० चुपचाप कार की ड्राइविंग सीट पर बैठ गया। उस व्यक्ति ने भी अटैची को खोल कर फाइल चैक की फिर उसने अटैची बन्द कर ली।

इसके बाद वह कार की सीट पर जम गया और कार को स्टार्ट करके आगे बढ़ा दिया।

एम० ने भी कार स्टार्ट की और सड़क पर आगे बढ़ा दी। इस समय उसके चेहरे पर एक विषैली मुस्कान नाच रही थी।

मैडम ग्लेरी बेचैनी से आप्रेशन रूम में चहल कदमी कर रही थी' उसके चेहरे पर परेशानी के चिन्ह थे। वह बहुत ही ज्यादा परेशान नजर आ रही थी।

'चूंकि अपने वायदे के मुताबिक उसने एम० के हवाले जेम्स बान्ड को सौंपने का दृढ़ इरादा कर लिया था। उसे एम० पर विश्वास था कि वह उसे 'फाइल सिक्रेसी एक्स' अवश्य ही सौंप देगा क्योंकि उसकी नजरों में उस फाइल एक्स से अधिक बान्ड का ही महत्व था। मैडम ग्लेरी इस बात को समझती थी।

बान्ड के लिये लण्दन की किसी भी चीज को एम० दाव पर लगा सकता है। यह बात सही थी वह फाइल एक्स सिर्फ बाण्ड के जीवन की सुरक्षा के लिये ही उसे सौंपने का इरादा बना चुका था और इस बात का निर्णय शाम को सात बजे तक हो जाना था। मैडम ने उसे शाम तक सोचने का समय दिया था...परन्तु वह अच्छी तरह समझती थी एम० इन्कार नहीं करेगा। वह उसे फाइल अवश्य सौंप देगा।

फिर भी वह शाम तक एम० को मौका देना चाहती थी। क्योंकि एम० उसे स्वयं भी फाइल और बान्ड का सौदा करने के लिये रात का ही समय चाहिये था। वह दिन के उजाले में किसी काम को नहीं करना चाहती थी।

अब उसे शाम के सात बजे का इन्तजार था।

परन्तु उसकी परेशानी का कारण यह इन्तजार नहीं था। वह तो अच्छी तरह समझती थी कि एम० उसे फाइल देना स्वीकार कर लेगा। उसकी परेशानी का कारण तो ब्राण्ड था—प्रेम ब्राण्ड...।

क्योंकि उसका मस्तिष्क इस बात को सोच रहा था—क्या एम० उस फाइल को ब्रांड के पीछे छोड़ सकता है।

एम० को ब्राण्ड का जीवन क्या उस फाइल से भी अधिक प्यारा है। क्या एम. की नजर में ब्राण्ड का मूल्य उस फाइल से अधिक है?

यह महत्वपूर्ण प्रश्न थे, जो उसे उलझा रहे थे।

वह इनमें उलझकर रह गई थी और इस समय वह इसी विषय पर सोच रही थी। परन्तु उसका दिमाग खराब होता जा रहा था वह कुछ सोच नहीं पा रही थी।

अचानक वह आहट पर चौंक गई!

दरवाजे पर कोई खड़ा था।

—'कौन है?' उसने सख्ती से पूछा।

—'मैं...मैं जेडो हूं...।' जेडो का स्वर सुनाई पड़ा।

—'ओ जेडो। वहां क्या कर रहे हो...अन्दर आ जाओ।' ग्लेसी तुरन्त ही बोली। और जेडो अन्दर आ गया। वह कुछ नशे में दिखाई पड़ रहा था। वह चुपचाप मेडम ग्लेसी के सामने आकर खड़ा हुआ और वह मेडम ग्लेसी को देखने लगा।

अचानक वह बोला—'आप कुछ परेशान नजर आ रही हैं मैडम क्या बात है?'

—'मेरा मस्तिष्क उलझकर रह गया है जेडो...क्या तुम मेरी कुछ मदद कर सकते हो।' ग्लेसी ने पूछा।

'आप कैसी बातें कर रही हैं मेडम...मैं तो आपका गुलाम हूं...हुक्म कीजिये।'

—'जेडो...एम० को मैंने फोन किया था वह फाइल के विषय में शाम को बात तय करायेगा। परन्तु मैं अभी ही बता

है बोला।

मेडम ग्लेसी ने जेडो के चेहरे पर देखा, और फिर पूछा—तुम्हारी बात का क्या अर्थ है जेडो, मैं कुछ भी समझ नहीं सकी हूँ ?

—मेडम आपको यदि एम० की तरफ से फाइल देने की अनुमति मिल जाती है तो आप एम० को रात्रि के ग्यारह बजे का समय दीजिये। ग्यारह बजे ही आप सौदा कीजिये। और स्थान ऐसा ढूंढिये जहां पर अन्धकार का हो। उस अन्धकार में हम अपना काम कर जायेंगे।'

—'क्या तुम एम० को घेरना चाहते हो ?' मेडम ग्लेसी ने पूछा।

'नहीं मेडम...मैं ऐसा करके एम. को चिढ़ाना नहीं चाहता मेरा प्लान दूसरा है।'

'मैं सुनना चाहती हूँ।' ग्लेसी उत्सुकता से बोली।

—'मैडम आप बान्ड के स्थान पर नकली बान्ड को एम० के हवाले कर दीजिये।'

—'यह कैसे सम्भव हो सकता है ?' मेडम ग्लेसी ने आश्चर्य से पूछा।

'इसके लिये हमारा एक व्यक्ति अवश्य ही एम० के पंजे में फंस जायेगा। उसे आप बान्ड का मेकअप कर सकती है।'

'ओह ! जेडो तुम्हारी खोपड़ी भी कमाल की है। सचमुच में तुमने एक ऐसी गुत्थी को सुलझा दिया है जो मुझे सुबह से परेशान किये हुए था। अब मैं एम० को अच्छी तरह बेवकूफ बना सकूंगी। यदि एम. ने मेरे साथ धोखा किया तो...वह भी धोखा खायेगा। और यदि वह ईमानदारी से पेश आया तो भी वह धोखा खायेगा...' मेडम ग्लेसी एक ने जबरदस्त ठहाका लगाया।

और फिर कुछ क्षणों बाद वह बोली—'जेडो मैं तुम पर

बहुत खुश हूँ। तुम समय-समय पर मेरा अच्छा साथ देते हो। तभी मैंने तुम्हें अपना राइट हैन्ड बनाया हुआ है। अब हमें सात बजे का इन्तजार है। एम० का क्या इरादा है यह जानकर ही हम काम करेंगे।

जेड़ो सिर हिलाकर गर्व से गर्दन अकड़ाता हुआ रूम से निकल गया। चूंकि इसे बान्ड से अभी हिसाब-किताब चुकाना था इसीलिये उसने मैडम को ऐसी सलाह दी थी कि जिसमे बांड यहीं कैद रह जाये। फिर वह मौका पाकर बान्ड से बदला चुका सकता था। फिलहाल मैडम उसकी बातों में आ गई थी अब उसे किसी किस्म का डर नहीं था।

\+ \+ \+

एम० की फाइल देने की स्वीकृति और बान्ड को लौटा देने की जिद् मैडम ग्लेसी को शाम के सात बजे मालूम हो गई थी।

वह एम० को धोखा देने वाली बात पर मुस्करा पड़ी। फिर उसने जेड़ो को बुलावा भेजा, कुछ ही देर में जेड़ो उसके सामने आ गया था।

जेड़ो को मैडम ग्लेसी ने एम० से हुई वार्तालाप बता दी। फिर वह बोली—'अब यह नहीं कहा जा सकता जेड़ो कि एम. के दिल में क्या है?'

'उसके दिल में कुछ भी हो मैडम, आप अपनी तरफ से सावधानी रखिये। वरना बाण्ड के हाथ से निकल जाने पर हमें पछताना पड़ सकता है।'

—'मैं समझ रही हूँ जेड़ो, तुम्हारी ही बात पर अमल किया जायेगा।' मैडम ने कहा और फिर वह कुछ सोचने लगी।

कुछ देर बाद वह बोली—।

—'जेड़ो तुम्हारे ख्याल से बान्ड का मेकअप किस पर उचित बैठेगा?'

—'मेरी नजर में शीगो ठीक रहेगा यह ऐसा व्यक्ति है, जो कठोर तकलीफों पर भी अपना मुंह नहीं खोल सकता ।'

'वह अपना मुंह खोल ही नहीं सकेगा जेडो । उसकी जुबान काट दी जायेगी और उसे इस लायक बना दिया जायेगा कि वह एम. को कुछ भी बता न सके ।' मैडम ग्लेसी ने अर्थपूर्ण नजरों से से कहा और फिर जेडो की तरफ देखा—

'इस प्रकार तो हमारा एक व्यक्ति बेकार हो जायेगा मैडम ।'

'मैं वक्त पर आदमियों की कीमत नहीं देखती···जाओ तुम शीगों को लेकर आओ ।' जेडो चला गया ।

एम. बहुत प्रसन्न नजर आ रहा था, उसने बड़ी खूबसूरती से बांड को हासिल कर लिया था और इसके बदले में मैडम ग्लेसी को नकली फाइल एक्स सौंप दी थी, उसका प्लान एकदम सही रहा था । कहीं भी किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं हुई थी । मैडम ग्लेसी के आदमी को भी सन्देह नहीं हो पाया था । एम. को सबसे बड़ी प्रसन्नता इस बात की थी कि उसने अपनी स्टफनी में राबर्ट को मैडम ग्लेसी के आदमी के साथ भेज दिया था ।

—मैडम ग्लेसी के हैड क्वार्टर का अब शीघ्र ही पता चल जाने वाला था । एम. ने मैडम ग्लेसी को इसी के जाल में अच्छी तरह फंसा दिया था ।

वह फायदे में था, क्योंकि मैडम ग्लेसी से नकली फाइल के बदले में उसने जेम्स बांड को पा लिया था और ग्लेसी के गुप्त हैड़क्वार्टर का पता लगाने के लिये भी उसने गुप्त रूप से अपने सदस्य राबर्ट को भेज दिया था।

इस समय वह टावर हाउस की ओर जा रहा था। पीछे पिछली सीट पर बेहोश पड़ा हुआ था। एम. सोंक्रेसी जाकर ही बांड को होश में ला सकता था फिलहाल उसे सोंक्रेसी पहुंचने की जल्दी थी, क्योंकि उसे भय था कि रास्ते में मैंड्म ग्लेसी के व्यक्ति को जरा सा भी सन्देह उस फाइल एक्स के विषय में हो गया तो वह उसका पीछा कर सकता है और कुछ गड़बड़ी हो सकती है। एम. मुश्किल सोंक्रेसी पहुंच जाना चाहता था।

उसकी ड्राईविंग फास्ट थी।

उसने शीघ्र ही सोंक्रेसो की इमारत छू ली। कार को पार्किंग में रोककर वह नीचे उतरा और फिर उसने इधर उधर देखा।

वह चौंक गया ! पीछे स्टफनी में से गार्थ उतर रहा था। वह अटेन्शन पोजिशन में चीफ के सामने आ गया।

—'अरे ! तुम स्टफनी में थे···कैसे—कैसे पहुंच गये इस कार की स्टफनी में ? आश्चर्य से एम० ने पूछा।

—'चीफ हम हर समय आप पर नजरें रखे हुए थे। राकेल की कार भी आ चुकी है। मैं तो टॉवर हाऊस पर ही इस कार की स्टफनी में ही छुप गया था ताकि आपके काफी करीब रह सकूं।'

तभी राकेल भी आ पहुंचा।

—शाबास' एम. प्रसन्नता के साथ बोला—'आज हम सफल रहे हैं। अब राबर्ट की तरफ से जैसे ही सूचना मिलेगी हम ग्लेसी को धर दबोचेंगे।'

'मि: बांड कहां है चीफ ?' राकेल ने पूछा।

'ओह ! उसे भूल गया मैं, आओ वह पीछे की सीट पर बेहोश पड़ा है।' एम. ने कहा और फिर उसने पीछे का दरवाजा खोल दिया।

गार्थ और राकेल ने बांड को बाहर खींच लिया। फिर वह उसे लेकर लिफ्ट की तरफ बढ़ गये।'

—'यह बेहोश है कुछ बता न सके इसलिये इसे ग्लेसी ने शायद बेहोश करके हमारे सुपुर्द किया है गार्थ।' एम० ने निपट में कहा।

यस चीफ—गार्थ ने सिर हिलाया।

वह शीघ्र ही ऊपर ग्राफिस में ग्रा गये। बांड के बेहोश जिस्म को एक सोफे पर लिटा दिया गया। फिर उसे होश में लाने की कोशिशें चलने लगी।

तुरन्त ही बांड होश में ग्रा गया उसने ग्रांखें खोल दी ग्रोर भय से चारों तरफ देखा। एम. तुरन्त ही चींख पड़ा—'ग्रोह माई गॉड, वह ग्रोरत बहुत चालाक है, यह बांड नहीं है।'

—'ग्राप क्या कह रहे हैं चीफ?' गार्थ ग्रोर राकेल चौंककर बोले।

'मैं बांड को ग्रच्छी तरह पहचानता हूँ गार्थ। मेडम ग्लेसी ने ग्रपने किसी ग्रादमी को बांड का मेकग्रप कर दिया है। ग्रन्धेरे में मैं इतना कुछ नहीं देख सका था परन्तु ग्रब मैंने इसे पहचान लिया है मैडम ग्लेसी इस बांड की ग्रांखें नीली बनाना भूल गई है।'

'ग्रोह।' गार्थ ग्रोर राकेल ने चौंककर कहा—'सचमुच इस बांड की ग्रांखें काली थी। गार्थ लपककर बांड के पास ग्रा गया ग्रोर गुर्रा पड़ा—'तुम्हारा नाम क्या है?'

उस व्यक्ति ने ग्रपना मुंह खोल दिया।

गार्थ का कलेजा कांप गया उसने ग्रांखें मींच ली ग्रोर फिर एम. की तरफ पलटकर बोला—'सर इस व्यक्ति की जुबान काट दी गई है।'

ग्रोह! एम. सहम कर बोला—'यह हमें कुछ बता न सके इसलिये मैडम ग्लेसी ने ऐसा किया है।'

तभी उस व्यक्ति ने कानों की तरफ हाथ करके हाथ हिलाया वह उसका ग्रर्थ समझ कर कांप उठे।

'यह बहरा भी है । एम. सिहर कर बोला—'ग्लेसी की ब्रेन ... का यह जीता जागता सबूत है गार्थ ।' फिर उसने गहरा सांस लिया– खैर कोई बात नहीं, हमें निराश नहीं होना चाहिये । मैडम ग्लेसी ने हमें धोखा दे दिया है, परन्तु वह अब शीघ्र पकड़ ली जायेगी ।'

'अगर राबर्ट फंस गया तो चीफ···?' राकेल ने पूछा ।

'तो हम उसके निशानों को फोलों करेंगे ।' एम० तुरन्त बोला—फिलहाल हमें राबर्ट की सूचना का ही इन्तजार करना चाहिये । अन्धेरे में निशानात ढूंढने की नादानी अभी नहीं करनी चाहिये, राबर्ट हमें जल्दी ही ट्रांसमीटर से सूचित करेगा तुम तैयार रहो, मैं पुलिस ई० डगलस को भी सावधान कर देता हूँ ।'

और एम. ने रिसीवर उठाकर डगलस से जल्दी-जल्दी बातें की । उसे उन्होंने सौ जवानों को तैयार रखने का आदेश दे दिया और फिर रिसीवर रखकर गार्थ से बोले—'इस नकली बांड को फिलहाल किसी रूम में बन्द कर दो ।'

गार्थ और राकेल उस व्यक्ति जो सिगो था, को लेकर आफिस से बाहर निकल गये । एम० राबर्ट के फोन का इन्तजार करने के लिये रूम में चहल कदमी करने लगा ।

+ + +

जेडो कार से उतरा और ब्रीफ केस लेकर आप्रेशन रूम की तरफ बढ़ गया । इस समय उसकी गर्दन गर्व से अकड़ी हुई थी । वह आप्रेशन रूम में आकर रूक गया ।

फिर उसने एक रेशमी डोर को खींच दिया कहीं पर घन्टियां बज उठी और उसी के साथ आप्रेशन रुम की दीवार दो हिस्सों में विभाजित हो गई । मैडम ग्लेसी ने आप्रेशन रूम में झपटते हुए प्रवेश किया और उत्सुकता से पूछा—'क्या रहा जेडो ?'

'सारा काम सही हो गया है मैडम ।' यह लीजिये फाईल

एक्स इस ब्रीफ केस में है।' जेड़ो ने कहा और ब्रीफ केस मेडम ग्लेसी की तरफ बढ़ा दिया !

मेडम ग्लेसी ने ब्रीफ केस घुटने पर रखकर खोला और उसमें रखी फाईल को बाहर खींच लिया। फिर वह ब्रीफ केस को पटक कर फाईल के पन्ने पलटने लगी। कुछ देर बाद ही उसका चेहरा सुर्ख हो गया। उसने फाईल को एक तरफ फेंक दिया और चीख पड़ी—'उस कमीने एम. ने मेरे साथ धोखा किया है उसे इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा···मैं बांड की लाश को उसके ग्राफिस में पार्सल कर दूंगी।'

और फिर वह तेजी से बाहर निकल गई। जेड़ो आश्चर्य से फाईल को देखता रहा और फिर वह झपटता हुआ रूम से बाहर हो गया।

मैडम ग्लेसी जेल की कोठरी में आ गई थी और बांड को घूर रही थी। बांड इस समय पुआल पर औंधा पड़ा हुआ था। उसकी पीठ पर लम्बे जख्म के निशान थे और शर्ट जगह-२ से फट गई थी।

वह उठने लगा।

परन्तु जैसे उसकी शक्ति को निचोड लिया गया था वह उठ नहीं सका। अपनी बेबसी पर वह मुस्करा दिया और फिर धीरे से बोला—'कहो मैडम ग्लेसी···तुम्हें कुछ सफलता मिली है या नहीं।'

मैडम ग्लेसी के जलते हुए बदन पर वान्ड के वाक्यों ने घी उड़ेल दिया। वह तडफ कर चीख पड़ी—'वान्ड आज मैं तुम्हें समाप्त कर दूंगी।'

'फिर फाइल एक्स तुम नहीं पा सकोगी।' वाण्ड मुस्कराकर बोला।

'ओह ! ग्लेसी ने मुट्ठियां भींच ली। वह बाण्ड की बात पर सोचने को मजबूर हो गई थी। उसने जेड़ो की तरफ देखा।

फिर बांड को घूरते हुए बोली—'तुम्हें अपने चीफ से कहना होगा बाण्ड···कि वह मुझे सीधी तरह फाइल एकदम सौंप दे।'

'मैं कुछ नहीं कहूंगा।' बांड सख्ती से बोला।

ग्लेसी तिलमिलाकर आगे बढ़ी और फिर उसने अपनी सैंडिल की ठोकरें बाण्ड की पसलियों में जमानी शुरू कर दी। इस समय वह क्रोध से जैसे पागल दिखाई दे रही थी। बांड दर्द से तड़फ रहा था।

बान्ड कराहता रहा, परन्तु मैडम ग्लेसी पर जैसे भूत सवार हो गया था। वह हांफने लगी और उसका चेहरा पसीने से भीग गया। तब वह पीछे हट गई और गुर्राकर बोली—'इस कमीने को आप्रेशन रूम में पहुंचा दो जेड़ो! आज मैं देखना चाहती हूं कि इसमें खामोश रहने की कहां तक शक्ति है।' जेडो बांड पर झपटा और उसने बाण्ड का गिरेहबान पकड़ लिया फिर वह उसे खींचने लगा। बान्ड में ताकत नहीं रह गई थी वह किसी माल भरे हुए बोरे की तरह खींचता रहा।

जेडो उसे आप्रेशन रूम ले आया।

—'इसे चैयर पर बैठा कर बांध दो।' ग्लेसी ने आज्ञा दी।

ग्लेसी की आज्ञा का तुरन्त पालन हुआ। बांड को चैयर पर बिठा कर रस्सियों से कस दिया गया। बान्ड प्रतिरोध करने की हिम्मत नहीं रखता था, या यह बेकार में हाथ-पांव चलाना मूर्खता समझता था वह खामोश रहा।

मैडम ग्लेसी उसके सामने आई।

और उसकी आंखों में झांकते हुए गुर्रा पड़ी—'क्या तुम अपने चीफ से फाइल के लिये नहीं कहोगे।'

'तुम मुझे मार डालो ग्लेसी···परन्तु मेरा उत्तर एक ही है। और वह उत्तर मैं तुम्हें पहले ही दे चुका हूं।'

'अपनी हठ का परिणाम जानते हो?'

'तुम्हारे पास बड़ी से बड़ी सजा होगी मौत···मुझे मौत से

जरा भी भय नहीं है। यदि मैं अपने कर्त्तव्य के लिये मर गया तो मेरी आत्मा को गर्व होगा मैडम ग्लेसी ?

'हूं ! क्या मैं तुम्हें समाप्त कर दूंगी, जहरीले स्वर में ग्लेसी बोली—'बान्ड मैं तुम्हें समाप्त नहीं करूंगी···तुम्हें मैं उसी प्रकार तड़फाऊंगी जिस प्रकार पानी से बाहर आकर मछली तड़फती है। तुम मुझसे दया की भीख मांगोगे ।'

'यह तुम गलत सोच रही हो ! मैंने किसी से दया की भीख नहीं मांगी ।' बान्ड सख्ती से बोला ।

'मेरा नाम जानते हो ?' ग्लेसी गुर्रा पड़ी ।

'तुम्हें दुनिया की सबसे खतरनाक औरत समझा जाता है ।'

'हां ! दुनिया की पुलिस और अफसर मेरे नाम से कांपते है। तुम्हारे जैसे जासूस मुझसे भय खाते है ।' ग्लेसी गर्व से बोली ।

बांड ने कोई उत्तर नहीं दिया ।

'तुमने यदि सीधी तरह हां नहीं किया, तो मैं तुम्हारे शरीर के मांस को नोच-२ कर तुम्हारी ही आंखों के सामने कुत्ते को खिला दूंगी ।'

'अपना अरमान पूरा कर लो ! मैंने रोका कब है तुम्हे ।' बांड मुस्कराकर बोला ।

'तड़ाक ! मैडम ग्लेसी का हाथ घूमा और उसने बांड के गाल पर थप्पड़ खींच मारा था। बांड का सारा बदन झनझना उठा। ग्लेसी के थप्पड में बहुत जान थी। बान्ड का गाल लाल हो उठा था और उसके गाल पर ग्लेसी के हाथों का उंगलियां उभर आई थी ।

'बोलो बाण्ड···वरना मैं···' क्रोध से ग्लेसी अपने शब्दों की पूर्ति नहीं कर सकी !

बान्ड की आंखें सुर्ख अंगारे की तरह दहकने लगी थी। वह ग्लेसी को घूरते हुए बोला—'मैडम यदि मैं जीवित रह गया तो याद रखो—तुम्हारा गला घोंट दूंगा ।'

'तुम्हें जिन्दा रहने ही कौन देगा बांड ।' ग्लेसी जहरीली मुस्कान के साथ बोली ।

और फिर उसने अपना रिवाल्वर निकाल लिया ।

'तुम मेरा निशाना देख चुके हो बांड ?' वह बोली ।

'हां !'

'मैं तुम्हारी आंखों को बारी-२ फोड़ दूंगी—परन्तु पहले मैं तुम्हारे अंग-अंग की हड्डियों को चटखाऊंगी । तुम अपनी आंखों से देख सकोगे ।'

और ग्लेसी ने रिवाल्वर तान लिया ।

उसका चेहरा क्रोध से लाल बना हुआ था और वह बांड को घूर रही थी । उसने बांड के घुटने का निशाना बनाया और फिर बोली—

'अभी भी समय है वाण्ड—वरना याद रखो मैं जो कहती हूं कर दिखाती हूं । मैं तुम्हारे अंगों को बेकार कर दूंगी । तुम्हें अपाहिज बना दूंगी ।'

—'हूं ! बाण्ड मुस्करा पड़ा—मुझे तुम्हारी बातों में बहुत आनन्द आ रहा है ।'

'बकवास मत करो ।' ग्लेसी मुस्कराई !

'बकवास नहीं कर रहा हूं, सचमुच तुम्हारी बातों में बहुत आनन्द आ रहा है ।' ग्लेसी और क्रोध मे तो तुम्हारा चेहरा बहुत प्यारा लग रहा है ।

'मैं तुम्हारा मुंह नोच लूंगी ।'

'फिर फाइल के विषय में कैसे जानोगी ?'

'तुम बताने वाले नहीं हो—यह मैं समझ गई हूं ।'

'फिर बेकार में मुझ पर अपनी शक्ति का इस्तेमाल क्यों कर रही हो, थक जाओगी तो हाथ-पांव दर्द करेंगे ।'

'तुम चुप रहो ।' ग्लेसी दहाड़ पड़ी ।

'तुम्हारी दहाड़ शेरनी की तरह लगती है । तुम्हें तो किसी

सर्कस में…।'

—बाण्ड ! ग्लेसी ने चीखते हुए उसके गाल पर थप्पड़ खींच मारा।

—'क्रोध में तुम्हारे हाथों का थप्पड़ मुझे फूल की तरह लगता है। सचमुच तुम्हारी जैसी हसीन औरत मैंने नहीं देखी थी। यदि तुम कानून की नजरों में मुजरिम न होती तो मैं तुम्हें अपनी औरत बना लेता।'

ग्लेसी के दिल में विचित्र सी गुदगुदाहट हुई। बांड से उसे प्रेम था, उसकी बहादुरी और पर्सनैलिटी की वह कायल थी।

परन्तु वह अपने हठ को नहीं छोड़ना चाहती थी, उसे फाइल एक्स चाहिये थी। जिसके द्वारा वह किसी भी देश के हाथों करोड़ों रुपये की किमत में बेच सकती थी।'

उसने बांड की नीली आंखों में झांका फिर बोली—'बांड तुम्हारी बातें अब मेरे दिल पर प्रभाव नहीं डाल सकती…तुम मेरी नजरों में अब सिर्फ मेरे दुश्मन हो…।

—अच्छा मैडम ग्लेसी…यदि मैं तुम्हें फाइल एक्स अपने चीफ से कहकर दिलवा दूं तो तुम उसका क्या करोगी ?'

—मैं उसे किसी भी देश के हाथों में अच्छी किमत पर बेच सकती हूं।

—तुम्हें सिर्फ रुपया चाहिये ना ?

—'हां।'

—क्या बता सकती हो तुम्हें उस फाईल एक्स का कितना रुपया मिल जायेगा ?

—बांड यह सब पूछने का क्या मतलब है ? ग्लेसी उसे घूरते हुये बोली।

—मैं तुम्हारे फायदे के विषय में सोच रहा हूं। बताओ तुम्हें उस फाईल से कितना रुपया मिल सकता है ?

करोड़ों रुपये की किमत मुझे उस फाईल से मिल सकती है।'

—'क्या दस करोड़ ?'

—इससे क्या होता है।···मेडम ग्लेसी गर्दन झटक कर बोली—'मैं जानती हूं किसी भी देश की फाइल एक्स का कितना महत्व होता है। उसे यदि किसी दूसरे देश के हाथों में सौंप दिया जाये तो वह देश उस फाइल एक्स से बहुत बड़ा लाभ उठा सकता है। वह उस फाइल एक्स से पूरे देश पर कब्जा कर सकता है···तुम स्वयं सोचो क्या इतनी महत्वपूर्ण फाइल की किमत सिर्फ दस करोड़ रुपया हो सकती है ?'

—मेडम ग्लेसी तुम्हें उतनी ही किमत दी जा सकती है—जितना तुम चाहती हो परन्तु तुम्हें उस फाइल का ख्याल अपने दिमाग से निकाल देना पड़ेगा—

—नहीं मेडम···आप बांड की बातों में नहीं आइये···यह आपका दिल बदलने की चेष्टा कर रहा है···।' अचानक ही जेडो ने सावधान किया।

—ग्लेसी ने गर्दन झटक दी! फिर बोली—मैं इतनी मूर्ख नहीं हूं जेडो कि उस फाइल एक्स को भूल कर रुपयों का लालच कर बैठूं···मैं उस फाइल से बहुत लाभ उठाऊंगी···। बांड तुम सीधी तरह हां कर दो···।

—'मैं हां नहीं कह सकता !' बांड दृढ़ता से बोला।

मेडम ग्लेसी गुर्रा पड़ी···और उसने रिवाल्वर को बांड के सीने पर रख दिया। फिर सख्ती से बोली—'मैं तुम्हें बीस सैकेण्ड का समय दे रही हूं—यदि तुमने इतने समय में स्वीकार नहीं किया तो···तुम्हें मैं समाप्त कर दूंगी।'

और फिर वह अपनी रिस्टवॉच पर नजरें जमा कर देखने लगी। बांड का चेहरा क्षण प्रति क्षण कठोर होता जा रहा था।

—बांड तैयार हो जाओ। मेडम गुर्रा कर बोली और फिर उसकी उंगलियां ट्रेगर पर सख्त होने लगी—तभी उसके मुंह से एक दारुण चीख निकल गई। उसका रिवाल्वर दूर जा गिरा

था। उसके हाथ में से खून नीचे टपकने लगा था। जेडो कांप उठा और उसकी नजरें चारों तरफ देखने लगी।

दरवाजे पर राबर्ट ह्यूम खड़ा था उसके हाथ में रिवाल्वर था!

—ओह तुम! बांड प्रसन्नता से चीख पड़ा—ठीक समय पर आये राबर्ट!

राबर्ट मुस्करा पड़ा और बोला—'तुम्हारी जान की हिफाजत करना हमारा फर्ज है मिस्टर बांड, तुम्हारी जान इतनी सस्ती नहीं है।'

और फिर वह ग्लेसी की तरफ बढ़ा। साथ ही गुर्रा पड़ा—'मैडम ग्लेसी अपनी जगह से हिलना मत···मेरे हाथ का रिवाल्वर बहुत खतरनाक है।'

मैडम ग्लेसी के चेहरे पर पीड़ा और क्रोध के भाव थे। वह जख्मी हाथ को पकड़े राबर्ट को घूर रही थी!

जेडो धीरे-धीरे राबर्ट की तरफ सरकने लगा था, राबर्ट को यह ध्यान नहीं रहा था। अचानक ही जेडो राबर्ट पर उछल पड़ा —राबर्ट का रिवाल्वर छिटक गया। वह जेडो के धक्के से स्वयं भी फर्श पर लुढ़क गया था। जेडो ने उसकी पसलियों में भरपूर लात जमा दी। राबर्ट तड़फ कर चीख पड़ा।

तभी रूम में चार पांच व्यक्ति आ गये। वह गन लिये हुये थे उन्होंने राबर्ट को घेर लिया—इस कुत्ते को भी बांड के साथ बांध दो—मैं इसे तड़फा-तड़फा कर मार दूंगी यह अपने को बहादुर समझता था।'

राबर्ट को तुरन्त पकड़ कर बांध दिया गया। वह हांफ रहा था। मैडम ग्लेसी ने उसका रिवाल्वर उठा लिया और फिर गुर्रा कर जहरीले स्वर में बोली—'अब कहो राबर्ट नशा उतर गया बहादुरी का।'

—मैडम···राबर्ट गुर्रा कर रह गया।

वह लाचार और बेबस नजर आ रहा था। बांड की आशायें

फिर रेत के महल की तरह ढह गई थी…वह गर्दन झटका कर ग्लेसी को देख रहा था।

—घबराओ मत राबर्ट…यहां पर मौत बड़े प्यार और इत्मीनान से मिलती है तुम्हें भी प्यार से मौत मिलेगी। तुम अपने दोस्त बांड से मिल लो…'

—'परन्तु मैडम…यह यहां तक आ कैसे गया?' जेडो ने अचानक कहा।

मैडम ग्लेसी चौंक गई—उसने फौरन कहा—'जाकर देखो कहीं इसके साथ पुलिस के कुत्ते तो नहीं आये हैं, जाओ जल्दी।'

मैडम ग्लेसी इस समय काफी घबराई नजर आ रही थी। उसके आदेश पर सभी बाहर दौड़ते हुये निकल गये।

मैडम ग्लेसी राबर्ट के नजदीक आई। उसने राबर्ट के बालों को मुट्ठी से भर लिया और झझोड़ते हुये बोली—'बताओ तुम यहां तक कैसे पहुंचे?

—जेडो की कार में बैठ कर…' राबर्ट पहली बार हिम्मत के साथ मुस्करा कर बोला।

—क्या तुम्हारे साथ पुलिस भी आई है…?

राबर्ट का उत्तर नहीं देना पड़ा।

तुरन्त जेडो अन्दर आ गया था।

—वह बोला—'इसके साथ कोई भी नहीं आया है मैडम।'

—हूं! लेकिन जेडो—यह तुम्हारी कार में कैसे आ गया है ग्लेसी ने गुर्राकर पूछा।

—क…या कह रही हैं मैडम…मेरी कार में यह नहीं आया, —मैं सावधानी से कार लाया था। मेरी कार का कोई पीछा नहीं किया गया।'

—फिर यह यहां तक कैसे पहुंचा?

—मुझे नहीं मालूम।'

—बकवास नहीं। ग्लेसी चीखी—क्या तुम दुश्मनों के हाथों

की कठपुतली बन गये हो। तुम्हे कितनी राशी इसे यहां तक लाने के लिये दी गई थी ? बताओ।'

—आप विश्वास रखिये मैडम···मुझे कुछ भी नहीं मालूम है।

—यह कहता है कि तुम्हारे साथ कार में आया है···

—यह झूठ भी कह सकता है मैडम जेडो राबर्ट को घूर कर बोला।

—तो इससे सच तुम बुलवाओ।

जेडो ग्लेसी की आज्ञा पर आगे बढ़ा। वह अपने ऊपर लगाये गये झूठे इल्जाम से काफी खूंखार बन गया था।

जेडो की नजरें राबर्ट पर जमी थी। राबर्ट का चेहरा सख्त था। वह उसे घूरने लगा था।

जेडो ने एक मुक्का राबर्ट के जबाड़े पर दे मारा फिर चीखा 'बताओ तुम यहां तक कैसे पहुंचे ?'

—मुझे तुम्ही तो लाये थे। तुम्हे इस काम के लिये मेरे चीफ ने पांच हजार रुपये दिये थे।

राबर्ट होंठ चबाकर बोला—मैं नहीं जानता था कि तुम अपनी मैडम के सामने इस प्रकार शराफत और ईमानदारी का दम्भ भरोगे।'

—तड़ाक ! जेडो का हाथ लहराया और उसने राबर्ट के मुंह पर थप्पड़ खींच मारा।

राबर्ट तड़फ उठा।

—बताओ ! क्या तुम सच कह रहे हो ? जेडो चीखा। वह क्रोध से कांप रहा था।

—जेडो ! राबर्ट कभी झूठ नहीं बोलता। बाण्ड ने इस बार कहा।

—तुम खामोश रहो।' जेडो चीख पड़ा और फिर उसने राबर्ट के बालों को पकड़ कर खींचते हुये कहा—बताओ राबर्ट

वरना मैं तुम्हारे बाल नोंच लूंगा।'

—तुम अपने झूठ को छुपाने के लिये मुझ पर ज्यादती कर रहे हो जेडो। परन्तु याद रखो मैं तुम्हारी सख्ती पर भी झूठ नहीं बोलूंगा—मेरा एक ही उत्तर रहेगा—'तुम्हें पांच हजार रुपयों में मेरे चीफ ने इस बात के लिये खरीद लिया था मुझे अपने अड्डे तक पहुंचा दोगे।'

जेडो के चेहरे पर खूखांरता बढ़ गई। उसने चार पांच मुक्के राबर्ट पर एक साथ चला दिये।

राबर्ट हांफने लगा। उसका जबाड़ा फट गया था और खून रिसने लगा था। वह दर्द से तिलमिला गया।'

—रुक जाओ जेडो—मैडम ग्लेसी अचानक ही हाथ उठा कर बोली—जेडो रुक गया। वह क्रोध से कांप रहा था।

मैडम ग्लेसी आगे बढ़ी—वह राबर्ट के एकदम सामने रुकी। फिर उसने राबर्ट की आंखों में झांकते हुये पूछा—'क्या तुम सच बोल रहे हो राबर्ट तुम्हारे चीफ ने तुम्हें यहां तक पहुंचाने के लिए क्या जेडो को पांच हजार रुपये दिये थे?'

—इस बात की सच्चाई का मैं प्रमाण दे रहा हूं ग्लेसी!' राबर्ट गम्भीरता से बोला—'तुम एक समझदार औरत हो—तुम अच्छी तरह समझती हो यदि जासूसों के हाथ में अपराधी तक पहुंचने का कोई अच्छा मौका हाथ आ जाता है तो वह उसे छोड़ते नहीं है।

—मैं यह बात जानती हूं। ग्लेसी समर्थन में सिर हिला कर बोली।

—जेडो की कार का हमारा विभाग पीछा कर सकता था। परन्तु तुम जेडो से पूछो कि क्या इसकी कार का पीछा किया गया था?'

ग्लेसी ने जेडो की तरफ देखा—

जेडो चीख पड़ा—यह सच है कि मेरी कार का टावर हाउस

ने किसी कार ने पीछा नहीं किया। मेरी कार के पीछे कार्लो था वह मेरी कार पर नजरें रखे हुये था। मेरी कार का या कार्लो की कार का पीछा नहीं हुआ—हम बहुत सतर्कता से सारे रास्ते को चैक करते हुये आये थे मैडम—परन्तु इसका यह कहना गलत है कि यह मेरी कार में आया है।'

—मैडम ग्लेसी! राबर्ट तुरन्त बोला—यदि मैं इसकी कार में नहीं आया तो फिर मुझे इस स्थान का कैसे पता लग गया। तुम ही बताओ। हम पीछा कर सकते थे...परन्तु हमें मालूम था उस हालत में हमारा पीछा करना का सुराग जैडो को या पीछे आ रहे कार्लो की कार को लग जायेगा और हम असफल हो जायेंगे यदि पीछा भी करते तो मैं अकेला न होता। ऐसे खतरनाक स्थान पर मैं अकेला पीछा करते नहीं आता। मुझे मेरे चीफ ने जैडो से पांच हजार का सौदा तै करके इसकी कार में भेजा है। ताकि मैं वहां का सुराग अपने चीफ तक पहुंचा सकूं।' राबर्ट इतना कह कर चुप हो गया।

ग्लेसी जैडो की तरफ बढ़ी—उसे राबर्ट की बात पर यकीन हो गया था। वह बहुत खूंखार नजर आ रही थी।

जैडो चीख पड़ा—मैडम आप इसकी बातों पर विश्वास मत करिये...वह झूठ बोल रहा है।

—शटअप...मैडम ग्लेसी चीखी—मेरे ग्रुप में तुम जैसे गद्दार और लालची कुत्तों का कोई स्थान नहीं है और फिर मैडम ग्लेसी का हाथ ट्रैगर पर सख्त पड़ गया—उसके रिवाल्वर से शोला लपका और जैडो तड़प कर फर्श पर लुढ़क गया। गोली उसके घुटने को फोड़ गई थी। उसके घुटने से खून का फव्वारा बह निकला था।

—मैं तुम्हें तड़पा-तड़पा कर खत्म कर दूंगी जैडो...तुमने मेरे साथ विश्वासघात किया है।'

—नहीं...नहीं मैडम...मैं बेगुनाह हूँ...यह कमीना मुझे

आपकी नजरों में गिराना चाहता है आप मेरी तलाशी ले लीजिये यदि मेरे पास पांच हजार रुपया निकल आयेगा तो आप मुझे बेशक कुत्तों से नुचवा देना…पहले आप चैक कीजिये मेडम जेडो तड़फ कर बोला।

—हूं ! ग्लेसी रुक गई। उसने तुरन्त जेडो की तलाशी ली फिर वह अचानक ही राबर्ट की तरफ मुड गई—'तो तुम मुझे बेवकूफ बना रहे थे…मेरे ही सदस्यों को मेरी नजरों में दोषी ठहराने की अच्छी चाल चली है तुमने, परन्तु अब तुम्हारी चाल का पर्दाफाश हो चुका है। अब गोली जेडो के नहीं तुम्हारे शरीर को छलनी बनाएगी।'

और ग्लेसी ने रिवाल्वर की नली को राबर्ट की तरफ तान दिया। फिर वह अपनी उंगली को ट्रेगर पर सख्त करने लगी।

—ठहरो ! अचानक दरवाजे पर से गार्थ का भारी स्वर उभरा।

ग्लेसी मुड़ी और उसने तुरन्त गार्थ पर गोली चला दी। गार्थ सावधान था वह उछल कर एक तरफ हो गया। ग्लेसी पर क्रोध सवार हो गया। उसने फिर ट्रेगर दबाया गार्थ फर्श पर फिसल गया इस बार वह किसी चिकनी मछली की तरह ग्लेसी की टांगों तक पहुंच गया और फिर ग्लेसी धड़ाम से फर्श पर गिरी वह चीख पड़ी।

गार्थ ने उसके जख्मी हाथ से रिवाल्वर झपट लिया और उसके जबाड़े पर घूंसा जमा दिया।

ग्लेसी तड़फ कर चित्कार उठी और उसने टांगे उठा कर गार्थ को पीछे ढकेल दिया। गार्थ जेडो पर जा गिरा जो उठकर भागने की तैयारी कर रहा था। जेडो पुनः लुढक गया। वह दर्द से चीख पड़ा था।

गार्थ उठा क्योंकि मैडम ग्लेसी दीवार की तरफ दौड़ पड़ी थी। गार्थ ने उस पर पीछे से छलांग लगा दी। मैडम ग्लेसी

धड़ाम से गिरी।

वह चीख पड़ी थी क्योंकि उसका मुंह जोर से फर्श से टकराया था। गार्थ उसकी पीठ पर सवार हो गया और उसके बालों को मुट्ठी में पकड़ कर उसके सिर को फर्श से टकराने लगा ग्लेसी चीखती रही और छुटने के लिये छटपटाती रही।

गार्थ के पंजों से निकलना अब असम्भव है मैडम ग्लेसी ! बाण्ड मुस्कराकर बोला—यह बहुत जालिम आदमी है यदि तुम मेरे हाथों में आती तो मैं, तुम्हें प्यार से मारता। इतनी बेरहमी मैं नहीं बरतता ग्लेसी।

ग्लेसी गुर्रा पड़ी—कुत्तों मैं तुम्हे देख लूंगी···तुम्हें समाप्त कर दूंगी···मैं···तुम्हे तड़फा-तड़फा कर मार डालूंगी।'

—जिस प्रकार मैं तुम्हें मार रहा हूँ।' गार्थ जहरीले स्वर में बोला। और वह ग्लेसी के सिर को और भी जोर से फर्श से टकराने लगा। ग्लेसी की चीखे रूम को दहलाने लगी। जेडो निसहाय और खामोशी से अपनी चीफ की यातनाओं को देख रहा था—उसमें उठने की शक्ति नहीं थी। इधर बाहर ग्लेसी के आदमियों और पुलिस के जवानो में टक्कर शुरू हो गई थी। सारा वातावरण गोलियों और चीखों के शोर से गूंजने लगा था।

गार्थ पर पागलपन सवार था—वह ग्लेसी को मार देने पर तुला हुआ था। ग्लेसी का सिर फट गया था और खून फर्श को रंगने लगा था। परन्तु गार्थ को दया नहीं आ रही थी।

अचानक रूम में एम० ने कदम रखा। वह हाथ में रिवाल्वर लिये था। गार्थ के क्रोध को देख कर वह मुस्करा पडा—फिर बोला—'मैडम ग्लेसी को अब कानून की सख्त जंजीरो के लिये छोड़ दो गार्थ ऐसी खतरनाक औरत को जीवित जेल के सलाखों में सड़ाना ही उचित होता है ताकि यह गुनाह और अपराध के गन्दे रास्तों पर चलने का परिणाम भुगत सके। इसे छोड़ दो।

एम० के आदेश पर गार्थ ने ग्लेसी को छोड़ दिया। फिर उसने आगे बढ़ कर बाण्ड और राबर्ट के बन्धन खोल दिये।

बाण्ड छुटते ही भूखे शेर की तरह जोड़ो पर झपटा—और वह उस पर ठोकरें बरसाने लगा। साथ ही वह चीख रहा था—'इस हरामी ने मुझ पर बहुत जुल्म किये हैं आज मुझे मौका मिला है···मैं इसका खून पी जाऊंगा।' जोडो चीखता रहा।

बाण्ड को किसी ने भी नहीं रोका। बाण्ड जोडो को खत्म करके ही रुका। वह हांफने लगा था। फिर वह कमजोरी के कारण फर्श पर गिर पड़ा। वह बेहोश हो गया था।

एम० ने तुरन्त राबर्ट और गार्थ को इशारा दिया। उन्होंने बाण्ड को उठा लिया और बाहर निकल गये। एम० पलटा—रूम में ई० डगलस और पांच छः पुलिस के जवान आ पहुँचे थे। ई० डगलस ने ग्लेसी को बेहोशी की हालत में हथकड़ियां पहना दी। फिर उसे उठाकर बाहर लाया गया। मेडम ग्लेसी का हैडक्वाटर छिन्न-भिन्न कर दिया गया था। उसके ग्रुप के सदस्यों का पुलिस के टकराव में सफाया हो गया था। कुछ पकड़ लिये गये थे।

—'मैडम ग्लेसी के अरमान कुचल दिये गये थे उसके बेहोश और जख्मी जिस्म को जीप की बर्थ पर लिटा दिया गया और ई० डगलस तथा गार्थ और राबर्ट के संरक्षण से उसे जेल भेज दिया गया। एम० बाण्ड के बेहोश शरीर को अपनी कार में लेकर सीक्रेसी की तरफ रवाना हो गया। मैडम ग्लेसी पर प्राप्त की गई विजय ने उसके होठों पर गर्वित मुस्कान उभार दी थी।

वह अब इत्मीनान से कार को ड्राईव कर रहा था।

○ समाप्त ○

यह सब काल्पनिक है

53

मैडम ग्लेसी एक खतरनाक और खूनी औरत थी, उसके नाम से विश्व की पुलिस और जासूस घरति थे। वह खुंखार और पत्थर दिल औरत जब लन्दन आई तो उसका दिल बान्ड की जिन्दादिली और प्रभावशाली व्यक्तित्व पर फिदा हो गया।

मैडम ग्लेसी ने बान्ड के दिल को जीतने के लिये एड़ी चोटी का प्रयास किया, परन्तु बान्ड अपने कर्तव्य और फर्ज पर अडिग रहा। उसने मैडम ग्लेसी द्वारा दी गई लिफ्ट को सख्ती से ठुकरा दिया, जिससे मैडम ग्लेसी का खून खौल उठा, वह बान्ड के मौत को प्यासी बन गई।

क्या वह अपने अपमान का बदला बान्ड से ले सकी…?

नूतन पॉकेट बुक्स

गांधी मार्ग मेरठ-2